जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

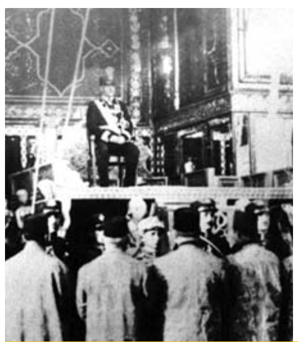

Birth of the Pahlavi Dynasty

On May 5th, 1925, the parliament approved a broad and important piece of legislation. Through this law, all titles, civilian, trade-related, religious and pseudo-military were revoked. All Iranians, old and young, were now required to select a family name

The Great Western Schism

सोनिया गांधी भी ठंड व प्रदूषण की शिकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को सोमवार रात 10 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली में प्रदूषण और ठंड बढ़ने से उनकी ब्रॉंकियल अस्थमा की समस्या बढ़ गई थी। यह जानकारी सर गंगाराम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने दी। उन्होंने बताया कि उनकी हालत पूरी तरह स्थिर है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। डॉक्टरों ने जाँच के बाद पाया कि ठंड और प्रदूषण के संयुक्त असर से उनका ब्रॉंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ा हुआ है। "एहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है।"

- **सोनिया गांधी का पुराना अस्थमा ठंड व प्रदूषण से बढ़ गया और वे गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुईं।**
- **कम से कम दो दिन अस्पताल में रहेंगी, तदोपरान्त स्वास्थ्य में सुधार होने पर डिस्चार्ज होंगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक जनवरी से ही अशोक गहलोत मुम्बई में हैं

ऐसा कहा जाता है, गहलोत के फायनैंसर और फायनैंस मुम्बई में ही हैं, तो क्या गहलोत कुछ बड़ा प्लान कर रहे हैं, जिसके लिए मुम्बई में रहना जरुरी हो गया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। सन् 2026 में नई दिल्ली से लेकर जयपुर तक सर्वाधिक चर्चा का विषय यह है कि क्या सचिन पायलट राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष बनाये जाएंगे और क्या उन्हें राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री चेहरा बनाया जाएगा।

इस मुद्दे पर बहस तेज होती जा रही है।

पार्टी में इस बात को लेकर अलग-अलग राय हैं कि सचिन पायलट को एआईसीसी में और बड़ी भूमिका दी जाए या फिर उन्हें वापस राजस्थान भेजा जाए।

दिलचस्प बात यह है कि पूरा मामला के. सी. वेणुगोपाल पर टिका हुआ है, जो सचिन पायलट को ब्लॉक कर रहे हैं और मौजूदा पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

डोटासरा निजी तौर पर दोस्तों से कह रहे हैं कि वे, अगर और ज्यादा नहीं तो, कम से कम 2027 तक तो इस पद पर बने रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं।

उनका यह भरोसा वेणुगोपाल और रंधावा के दम पर है। रंधावा कट्टर जाट सिख नेता माने जाते हैं और जाट नेता को पीसीसी अध्यक्ष बनाए रखने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है।

अगर प्रदेश प्रभारी जाति के आधार पर फैसले लेते हैं, तो यह इस बात पर भयानक टिप्पणी है कि राजनीतिक दल कैसे चलाए जाते हैं और फैसले कैसे लिए जाते हैं।

अगले विधानसभा चुनाव दिसंबर

- **एक कयास तो यह है कि गहलोत अप्रेल में होने वाले राज्यसभा चुनाव में, राज्यसभा का सदस्य बनने को लालायित हैं और इस प्लान के क्रियान्वयन के लिए साधन व धन मुम्बई में ही संग्रहित किये जा सकते हैं।**
- **वेणुगोपाल, राहुल गांधी को यह तर्क दे रहे हैं कि गहलोत को दिल्ली लाना जरुरी है, जिससे अन्य नेताओं को "फ्री-हैण्ड" मिले राजस्थान में। राहुल अधिकतर वेणुगोपाल की बात मान लेते हैं, क्योंकि राहुल किसी भी समस्या की "डिटेल्स" में जाने में ज्यादा रूचि नहीं रखते हैं।**
- **इस घटनाक्रम से डोटासरा खुश हैं और अपने मित्रों को कहते सुने गए हैं कि वे अभी नहीं हटाये जा सकते और 2027 तक तो प्रदेशाध्यक्ष रहेंगे ही।**
- **इससे सचिन पायलट की स्थिति अनिश्चित सी हो जाती है। क्योंकि, राजस्थान में विधानसभा के चुनाव 2028 के दिसंबर में होंगे तथा किसी नए प्रदेशाध्यक्ष को, पार्टी को चुनाव के लिए मुस्तैद बनाने के लिए दो-ढाई साल तो चाहिए ही।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का निधन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का मंगलवार को पुणे में लंबी बीमारी के बाद 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष भी रहे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और बहू, दो विवाहित बेटियां और दामाद, तथा पोते-पोतियां हैं।

कलमाड़ी केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रहे और एक दशक से अधिक समय तक भारतीय खेल प्रशासन में प्रमुख भूमिका निभाते रहे। पुणे से जुड़े एक अनुभवी राजनेता के रूप में उन्होंने कई बार संसद में शहर का प्रतिनिधित्व किया और अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई अहम पद संभाले।

- **रेल राज्य मंत्री रहे कलमाड़ी कुशल खेल प्रशासक माने जाते थे।**

सुरेश कलमाड़ी का जन्म 1 मई 1944 को तमिलनाडु के मद्रास (अब चेन्नई) में हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से कर्नाटक के मंगलुरु का था, जहां उनके माता-पिता उनके जन्म से पहले रहते थे।

उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर संसद में कई कार्यकाल पूरे किए। 1982 से 1996 के बीच वे तीन बार राज्यसभा सदस्य रहे और बाद में लोकसभा में भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चिनाब वॉटर सिस्टम पर भारत के बांध लगभग पूरे हुए

इन बांधों से भारत बिजली जनरेट तो करेगा ही, साथ ही पानी के बहाव पर नियंत्रण भी स्थापित कर लेगा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। पाकिस्तान की जल जीवनरेखा को रोकने की भारत की रणनीति अब ठोस रूप ले रही है। केन्द्र सरकार ने चिनाब नदी प्रणाली पर चार बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश जारी किए हैं। पकुल और किरी परियोजनाओं को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। क्वार परियोजना को मार्च 2028 तक और रणनीतिक रूप से संवेदनशील रैटल बांध को भी उसी वर्ष तक पूरा करने का लक्ष्य है।

ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हाल ही में दो दिन के दौरे के अन्तर्गत इन बांध स्थलों पर प्रगति की समीक्षा की।

सिंधु बेसिन का लगभग तीन-चौथाई पानी पश्चिमी नदियों से आता है, जो भारत से पाकिस्तान की ओर बहती हैं। पाकिस्तान की लगभग 90 प्रतिशत खेती इसी बेसिन पर निर्भर है।

ज्ञातव्य है कि पहलगाम हमलों के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को वापस ले लिया है और पानी को नियंत्रित करने के लिए बांध और हाइड्रोपावर परियोजनाओं के निर्माण की योजनाओं को तेज कर दिया है। इनमें सबसे अहम चिनाब बेसिन की पकुल डुल जलविद्युत परियोजना है, जिसे इसी वर्ष दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने के बाद, भारत न केवल बिजली उत्पादन कर सकेगा, बल्कि पानी के बहाव को भी नियंत्रित कर पाएगा। 135 मीटर ऊंचा किरु बांध भी दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि क्वार परियोजना मार्च 2028 तक पूरी होने की संभावना है।

चिनाब पर 850 मेगावाट की रैटल परियोजना को पाकिस्तान विवादित मानता रहा है और वह कई वर्षों से इसका विरोध कर रहा है। हालिया दौरे में ऊर्जा मंत्री ने बांध के कंक्रीट कार्यों की आधारशिला रखी। इस परियोजना के लिए चिनाब नदी को सुरंगों के जरिये मोड़ा गया है।

इस बीच भारत चिनाब पर दुलहस्ती स्टेज-2 परियोजना पर भी आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना को पिछले दिसंबर में पर्यावरण मंत्रालय के पैनल से मंजूरी मिली थी। पाकिस्तान ने

- **जैसा कि विदित ही है, इण्डस बेसिन का तीन चौथाई पानी भारत से पाकिस्तान जाता है तथा पाकिस्तान का कृषि उत्पादन का नब्बे प्रतिशत हिस्सा, इस इण्डस बेसिन के पानी पर निर्भर है।**
- **भारत के दो बांध, पकुल व किरी, इस वर्ष दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे। दो अन्य बांध क्वार प्रोजेक्ट व रैटल प्रोजैक्ट मार्च 2028 तक पूरे हो जाएंगे।**
- **जैसा कि विदित ही है, पहलगाम में पाकिस्तान से आए आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर की गई गोलीबारी के बाद, भारत ने, भारत-पाक के बीच इण्डस वॉटर ट्रिटी को मानने से इनकार कर दिया था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बूढ़ा होना कोई आसान काम नहीं। इसे बड़ी मेहनत से सीखना पड़ता है। -निर्मल वर्मा

हिन्दी फिल्में बनाने वाले अब धुरंधर हो गये हैं!

हिन्दी सिनेमा में नाटकीयता और भावुकता का पुट हमेशा हावी रहा है। इसीलिए हिन्दुस्तानी फ़िल्में मसाला फ़िल्में कहलाती रही हैं। ऐसी ही एक मसाला फिल्म 'धुरंधर' अभी चर्चा में है और, कहते हैं, खूब कमा भी रही है। इसमें राष्ट्रवाद, देशभक्ति और हिंसा के उन्माद के मसालों वाले पकवान की थाली परोसी गई है। यह 'जोधा अकबर' और 'एलओसी : कारगिल' के बाद 17 सालों में आई सबसे लंबी साढ़े तीन घंटे की हिंदी फीचर फिल्म है जो एक विशेष विचारधारा वाले दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। बदले और युद्ध के उन्मादी समूह इस 'स्पाई थ्रिलर' फिल्म को सोशल मीडिया पर भरपूर प्रोमोट कर रहे हैं। यह फ़िल्म असल भू-राजनीतिक तनावों, इंटेलिजेंस सिस्टम और आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं पर आधारित है, जिन्हें भारत ने पिछले कुछ दशकों में देखा है। कहानी को कुछ आतंकवादी घटनाओं जैसे कंधार का विमान अपहरण, संसद पर आतंकी हमला, 26/11 मुंबई हमला आदि से जोड़ा गया है। इसमें उन घटनाओं को काल्पनिक और नाटकीय तरीके से प्रस्तुत कर राजनीतिक या राष्ट्रीय भावना को उभारने का प्रयत्न किया गया है। इसमें एक अंडरकवर एजेंट की कहानी दिखाई गई है जो पाकिस्तान के अंडरवर्ल्ड और आतंक से जुड़ी दुनिया में घुसता है। आतंकवादी हमलों, सीमा पार खतरों और इंटेलिजेंस की नाकामियों जैसी बड़ी घटनाओं के संदर्भ से फ़िल्म पर विश्वसनीयता का मुलम्मा चढ़ाया गया है। भारतीय सिनेमा में पिछले कुछ समय से रियलिस्टिक मिलिट्री और इंटेलिजेंस पर आधारित ऐसी कहानियों में तेज़ी आई है, जिनमें से कई असली नायकों से प्रेरित होती हैं, जिससे भोले आम दर्शक उसके नेरेटिव को अक्सर हक़ीकत मान लेते हैं,जबकि असली हक़ीकत उतनी सरल नहीं होती; अत्यंत जटिल होती है। फिल्म के शुरू में दो लाइनें यह लिख कर कि फिल्म में दिखाई गई घटनाएं और चरित्र सब काल्पनिक हैं, चतुराई से बच निकलने का रास्ता होता है जैसा कि इसके निर्देशक आदित्य धर ने परदे पर औसा लिख कर तथा सार्वजनिक रूप से कह कर किया है। आधिकारिक स्पष्टीकरण और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के अनुसार भी 'धुरंधर' किसी भी असली व्यक्ति के जीवन पर आधारित नहीं है। यही प्रचार का खेल होता जिसे बाज़ार में मुनाफे की ताकतें खेलती हैं। प्रचारतंत्र के धुरंधर दर्शक को भरमाना जानते हैं। मुनाफे वाले मनोरंजन जगत के फिल्म निर्माता चतुराई से एक काल्पनिक कहानी बनाते हैं जो जानी-पहचानी और असली जैसी लगती है। फिक्शन को असलियत से जोड़कर, ऐसे फिल्म निर्माता-निर्देशक ऐतिहासिक सटीकता या कानूनी दायरे में आये बिना नैतिकता, बलिदान और शक्ति जैसी भावनाओं को उभार कर दर्शकों को सिनेमाघरों की तरफ खींचते हैं। 'धुरंधर' ऐसा ही आकर्षण वाली एक मसाला फिल्म है। आदित्य धर ने अपनी 2019 की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' से दर्शकों को रिझाने के जिस मसाले को पा लिया था, उन्होंने उसे ही फिर इस बारी और अधिक चटपटा बना दिया। 'ऊरी' राष्ट्रवाद कोगर्व के शिखर पर ले जाती है। नारे देते हुए सैन्य कार्रवाई का उत्सव मनाती है;जवाबी हमले को नैतिक विजय की तरह दिखाती है, जबकि 'धुरंधर' उसके एक कदम आगे बढ़ कर हिंसा को विज़ुअल स्पेक्टेकल बना देते हुए बदले और अपमान की भावना को केंद्र में ले आती है, जहां राष्ट्रवाद विचार नहीं, भावनात्मक हथियार हो जाता है। दर्शक को सोचने के लिए नहीं, महसूस करने को तैयार किया जाता है।

चेतन आनंद की 1964 में आई 'हक़ीक़त' को पहली भारतीय वार फिल्म माना जाता है। भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि में बनी वह फिल्म किसी सैन्य विजय का उत्सव नहीं मनाती, बल्कि युद्ध की कीमत गिनाती है। वहां सैनिक नायक हैं, लेकिन अजेय नहीं। वे डरते हैं, थकते हैं, टूटते हैं। कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों जैसा अमर गीत भी राष्ट्रगौरव से अधिक बलिदान की पीड़ा को स्वर देता है। 'हक़ीक़त' राष्ट्रवाद को करुणा और नैतिकता के साथ जोड़ती है। यह फिल्म युद्ध को अंतिम विकल्प के रूप में देखती है, गौरव के तमगे की तरह नहीं। इसलिए उसमें युद्धोन्माद का कोई स्थान नहीं है। लेकिन उसके 60 साल बाद ज़माना बदल गया है ;सदी बदल गई है; पीढ़ियां बदल गई हैं; और साथ ही मानवीय संवेदनाएं भी बदल गई हैं। यह बदलाव सम्पूर्ण भारतीय जन के मन का नहीं है। यह बदलाव उस वर्ग में अधिक सघन है जो पूरी तरह बाज़ार के आगोश में है। इसीलिए आश्चर्य नहीं कि 'धुरंधर'अपने कलात्मक मूल्यों व पारंपरिक सौंदर्य की बारीकियों के लिए नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक महत्वाकांक्षा, कहानी की आक्रामकता और परफॉर्मेंस की तीव्रता में ही ज़्यादाआंकी जा रही है। इसे एक तमाशे या राजनीतिक बयान की तरह लिया जा सकता है। यह फिल्म सोचने-समझने वाले सिनेमा के बजाय पॉलिटिकल एक्शन थिएटर के ज़्यादा करीब है। इसकी धुरंधरता सवाल उठाने में नहीं, बल्कि शोर-शराबे वाले मनोरंजन को नफ़रत फैलाने वाला प्रोपेगेंडा बना देने में है जो सत्ताके बल और हिंसा के औचित्य का समर्थन करता है। फिल्म में राष्ट्रभक्ति सूक्ष्म भावना की तरह नहीं, बल्कि आक्रामक-गर्व के रूप में दिखाई गई है। संवादों और दृश्यों में हम बनाम वे का स्पष्ट विभाजन है। सारा प्रयास दर्शक को भावनात्मक रूप से उत्तेजित करने का है, न कि उसे विवेकशील बनाने का। 'धुरंधर' में हिंसा सिर्फ कथानक की जरूरत नहीं है, बल्कि उसे स्टाइलिश, सिनेमैटिक और हीरोइक बना कर देश के वर्तमान विभाजनकारी माहौल में भावनाओं से खेल कर बॉक्स ऑफिस का गल्ला भरने की कोशिश की गई है। फिल्म का पृष्ठभूमि संगीत, स्लो-मोशन दृश्य और संवाद सब मिल कर हिंसा की महानता को स्थापित करते हैं, जिस पर दर्शक गर्व की अनुभूति करता है और अपना पैसा वसूल पाता है। दर्शक को हिंसा समाधान के रूप में सामान्य लगने लगती है। लगभग पूरी तरह नकारात्मक फिल्म पड़ोसी देश को अक्षम्य रूप से ऐसा अपराधी और वहशी बताती है, जिससे सिर्फ नफरत की जा सकती है। फिल्म बनाने वालों के सामने कोई मानवीय दुविधा, नैतिक प्रश्न या वैचारिक संघर्ष नहीं है। फिल्म तर्क से नहीं, भावना से बात करती है। अपमान का बोध करवाते हुए बदले का भाव और राष्ट्र के नाम पर क्रोध भड़काती है। यही तत्व युद्धोन्माद का मनोवैज्ञानिक आधार होते हैं। ऐसे सिनेमाई अनुभव आगे जाकर राजनीतिक उत्तेजना के सबब बन सकते हैं।

> **हालांकि 'धुरंधर'सीधे युद्ध के लिए नहीं उकसाती और इसे बनाने वाले इसे एक स्पाई-थ्रिलर कह कर इसका बचाव करते है। यह सरकारी दस्तावेज़ भी नहीं है, लेकिन भोला दर्शक यह नहीं समझता। वह तथ्य और कल्पना के बीच की झीनी रेखा को नहीं देख पाता। उन्मादी दर्शक ऐसी फिल्म के स्वयंभू सबसे बड़े प्रचारक बन जाते हैं। यही बाज़ार का खेल होता है। मुनाफा कमाने के लिए वह किसी हद को नहीं मानता और जब राज्य का संवैधानिक नियंत्रण तंत्र उससे हाथ मिला ले तब 'धुरंधर' जैसी फिल्में बनती है।**

'धुरंधर' इंटेंस, लेयर्ड और पॉलिटिकली शार्प दिखने की जरूर कोशिश करती है, मगर निर्देशक ने शोर को गहराई और अकड़ को कहानी कहने का तरीका समझ लिया है। दो दिन पहले जयपुर में एक व्याख्यान में भारतीय विधि आयोग के अध्यक्ष दिनेश माहेश्वरी का कहना था कि शोर अक्सर सत्य को दबाने के लिए किया जाता है। फिल्म एक सुसंगत कहानी के बजाय 'पलों' के इर्द-गिर्द लिखी गई लगती है। इसमें परदे पर किरदार नाटकीय ढंग से आते हैं, भारी डायलॉग बोलते हैं, और बिना किसी असली इमोशनल या लॉजिकल नतीजे के गायब हो जाते हैं। नाटकीयता भरे संवाद ऐसे हैं जैसे हर लाइन एक पंचलाइन या वायरल हो सकने वाली टिप्पणी बनाने के लिए लिखी गई हो। तकनीकी स्तर पर 'धुरंधर' ऊपर से भले ही पॉलिश्ड दिखती है लेकिन स्टाइलिश फ्रेम, नाटकीय पृष्ठभूमि संगीत है, और स्लो-मोशन शॉट्स जैसे सिनेमाई तत्वों का इस्तेमाल बैसाखी के तौर पर किया गयाहै। सिनेमैटोग्राफी केवल डार्क टोन और आक्रामक विजुअल्स को प्राथमिकता देती है। समझदार दर्शक को 'धुरंधर' एक ऐसी फिल्म लगती है जो शक्तिशाली होने के बजाय शक्तिशाली दिखने की ज़्यादा परवाह करती है। प्रभावशाली सिनेमा के लिए ज़रूरी तीन चीजें - स्पष्टता, संयम और ईमानदारी- इसमें नहीं हैं। दर्शक को एक थका देने वाला अनुभव मिलता है जिसमें शेखी बघारने के अलावा कुछ नहीं मिलता। मानवीय संवेदना का इसमें कोई स्थान नहीं है जो किसी भी कला का स्तर मापने का पैमाना होता है। यह विजुअली लाउड, कहानी के तौर पर कमजोर, और भावनात्मक रूप से खोखली फिल्म है जिसके कथानक और संवाद वर्तमान सत्तारूढ़ राजनेताओं के संदेशों को प्रमाणित करने का काम करते हैं। 'धुरंधर' उस मानसिकता को पोषित करती है जहां युद्ध आसान, गौरवपूर्ण और अनिवार्य समाधान जैसा दिखने लगता है जबकि इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी कोई समाधान नहीं निकला और न कभी स्थाई शांति आई। हालांकि 'धुरंधर'सीधे युद्ध के लिए नहीं उकसाती और इसे बनाने वाले इसे एक स्पाई-थ्रिलर कह कर इसका बचाव करते है। यह सरकारी दस्तावेज़ भी नहीं है, लेकिन भोला दर्शक यह नहीं समझता। वह तथ्य और कल्पना के बीच की झीनी रेखा को नहीं देख पाता। उन्मादी दर्शक ऐसी फिल्म के स्वयंभू सबसे बड़े प्रचारक बन जाते हैं। यही बाज़ार का खेल होता है। मुनाफा कमाने के लिए वह किसी हद को नहीं मानता और जब राज्य का संवैधानिक नियंत्रण तंत्र उससे हाथ मिला ले तब 'धुरंधर' जैसी फिल्में बनती है। दर्शक की समझ और परिपक्वता फिल्म के लिए निर्णायक मानी जाती है। मगर राजनीति से उभरे सामाजिक ध्रुवीकरण के समय में दर्शक की समझ और परिपक्वता पीछे छूट जाती है। निर्माता-निर्देशक कमाई वाली फिल्म में क्या और कैसे मसाले डाले जाते हैं यही साधता लगता है। वास्तव में यह फिल्म विजयोन्मादी लोग ही पसंद कर रहे हैं। उनको आदित्य धर ने मानो एक ऐसा वीडियो गेम दिया हैं जिसमें खेलने वाले को आभासी जीत का मजा जरूर मिलता है। उन्मादी दर्शक आरामदायक मल्टीप्लेक्सों में बिना युद्ध की हल्की सी भी आंच भुगते, विजयी होते हैं। मगर राजनीतिक और सामाजिक उत्तेजना का माध्यम बनी 'धुरंधर' कितना भी कमा ले, वह विस्मृत हो जाने वाली फिल्म है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

संस्कृति, इतिहास और सिनेमा : राजस्थान के पर्यटन का नया फ्रेम

अविनाश जोशी

किलों-महलों, मरुस्थलों और लोक संस्कृति का प्रदेश राजस्थान अब पर्यटन आधारित रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। वर्ष 2024-25 के आंकड़े इस परिवर्तन की ठोस पुष्टि करते हैं। लगभग 23 करोड़ देशी और 20 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन राज्य की लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है। पर्यटन अब रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक कूटनीति का माध्यम बन चुका है।

भारत में होने वाली कुल देशी पर्यटन यात्राओं में राजस्थान का 8-9 प्रतिशत हिस्सा और विदेशी पर्यटकों में 21-22 प्रतिशत हिस्सेदारी यह बताती है कि हर 10 विदेशी पर्यटकों में 2 और हर 10 देशी पर्यटकों में लगभग 1 राजस्थान को अपनी यात्रा का हिस्सा बनाता है। यह उपलब्धि नीति-निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 24 दिसंबर 2025 को मंडावा में राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 जारी करना एक दूरदर्शी कदम है। यह नीति, पर्यटन को सिनेमा से जोड़कर राज्य की पहचान को वैश्विक मंच पर और सशक्त करने का प्रयास है। शूटिंग आकर्षित करने के साथ ही इसका लक्ष्य स्थाई रोजगार, कौशल विकास, स्थानीय अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण और राजस्थान ब्रांड को विश्वस्तर पर स्थापित करना है।

राजस्थान की ताकत उसकी विविधता अरावली की पर्वतमालाएं, थार का मरुस्थल, ऐतिहासिक किले-महल, हवेलियां, झीलें और जीवंत लोकजीवन में निहित है।

फिल्म नीति का मूल उद्देश्य इन्हीं लोकेशनों को विश्वस्तरीय फिल्मांकन स्थलों के रूप में प्रस्तुत करना है। सिनेमा की वैश्विक पहुंच के दौर में लोकेशन-आधारित ब्रांडिंग किसी भी प्रदेश के लिए पर्यटन का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुकी है। एक लोकप्रिय फिल्म या वेब-सीरीज, वर्षों के विज्ञापन से अधिक प्रभाव डालती है और राजस्थान इस संभावना को नीति के माध्यम से अवसर में बदल रहा है।

नीति का सबसे सशक्त पक्ष इसके आकर्षक सब्सिडी प्रावधान हैं। फिल्म निर्माण व्यय पर अधिकतम 30 प्रतिशत तक की सब्सिडी, फीचर फिल्म के लिए 3 करोड़, वेब-सीरीज के लिए 2 करोड़, टीवी सीरियल के लिए 1.5 करोड़ और डॉक्यूमेंट्री के लिए 2 करोड़ की सब्सिडी निर्माताओं को राजस्थान की ओर आकर्षित करेगी।

न्यूनतम व्यय की शर्त (फीचर फिल्म 2 करोड़, अन्य 1करोड़) यह सुनिश्चित करती है कि राज्य में वास्तविक आर्थिक गतिविधि हो। लोकेशन स्क्रीन-टाइम के आधार पर 5-15 प्रतिशत पर 10 प्रतिशत, 16-30 प्रतिशत पर 20 प्रतिशत और 30 प्रतिशत से अधिक पर 30 प्रतिशत सब्सिडी का ढांचा यह संदेश देता है कि राजस्थान केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि कहानी का भी केंद्र बने।

इसके साथ ही 50 प्रतिशत शूटिंग दिवस राज्य में करने पर पूर्ण लाभ और 100 प्रतिशत शूटिंग पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन इस नीति को परिणामोन्मुख बनाता है। राजकीय लोकेशनों पर अधिकतम 5 दिन तक शुल्क की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली फिल्मों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन (अंतरराष्ट्रीय 1 करोड़, राष्ट्रीय 50 लाख) गुणवत्ता को भी प्रोत्साहित करता है। यह संदेश स्पष्ट है कि गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया है।

फिल्म पर्यटन नीति का एक महत्वपूर्ण आयाम मानव संसाधन विकास है। एफटीआई पुणे, सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कोलकाता और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, दिल्ली में राजस्थान के 10 छात्रों को प्रति वर्ष 50,000 ट्यूशन फीस और 5,000 मासिक स्टाइपेंड का भी प्रावधान किया गया है। यह निवेश भविष्य की प्रतिभाओं में है। इससे राज्य के युवा केवल लोकेशन सपोर्ट तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि निर्देशन, सिनेमैटोग्राफी, लेखन, अभिनय और तकनीकी क्षेत्रों में भी पहचान बनाएंगे।

प्रशासनिक सरलीकरण, शूटिंग लोकेशनों की डायरेक्टरी, ऑनलाइन पोर्टल और वन-स्टॉप समाधान जैसी सहायक सुविधाएं समय और लागत दोनों बचाएंगी।अक्सर फिल्म निर्माण की राह में अनुमति-प्रक्रियाएं बाधा बनती रही हैं। राजस्थान इस नीति से उस धारणा को बदलने की दिशा में अग्रसर है।

थिएटर रिलीज की अनिवार्यता की गई है। हिंदी फिल्मों के लिए 200 स्क्रीन, राजस्थानी के लिए 25, और अन्य भाषाओं के लिए 100 स्क्रीन की अनिवार्यता राज्य की फिल्म संस्कृति और बाजार की विश्वसनीयता को बढ़ाती है। सब्सिडी प्राप्त फिल्मों में राज्य सरकार और पर्यटन विभाग को श्रेय देने की शर्त भी रखी गई है।

इस नीति का व्यापक प्रभाव पर्यटन चक्र में दिखेगा। शूटिंग के दौरान होटल, परिवहन, स्थानीय कारीगर, कलाकार, तकनीशियन सभी को काम मिलता है। फिल्म रिलीज के बाद लोकेशन-टूरिज्म बढ़ता है। दर्शक परदे पर प्रदर्शित दृश्य देखने में अवश्य रुचि रखते हैं। इससे स्थानीय रोजगार, एमएसएमई, हस्तशिल्प और ग्रामीण पर्यटन को नई ऊर्जा मिलती है।

पर्यावरणीय संतुलन, विरासत स्थलों का संरक्षण, भीड़ प्रबंधन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी आदि चुनौतियां भी विद्यमान है। राजस्थान की पर्यटन सफलता के वर्तमान आंकड़े और फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 मिलकर यह संकेत देते हैं कि राज्य ने भविष्य की दिशा तय कर ली है। सिनेमा के फ्रेम में राजस्थान का परिदृश्य जितना भव्य दिखता है, उतनी ही ठोस उसकी नीति-रचना भी है। यह नीति राजस्थान को लोकेशन-हब से आगे बढ़ाकर क्रिएटिव-इकोनॉमी हब बनाने की क्षमता रखती है।

-अविनाश जोशी,
आईटी प्रोफेशनल

राजस्थानी बोली घरों से हो रही लुप्त, कैसे मिलेगी मान्यता

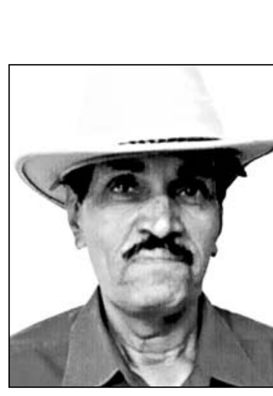

मिश्रीलाल पंवार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने साल 2025 के अंतिम दिन एक सभा में कहा कि लोगों को घर पर अपनी मातृभाषा बोलनी चाहिए।

भागवत के ये बयान राजस्थान के निवासियों के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। दरअसल भागवत छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में आयोजित 'हिंदू सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा, "कम से कम हमारे घरों के अंदर हमें अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यदि आप किसी अन्य राज्य या क्षेत्र में रहते हैं, तो आपको उस राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए, क्योंकि सभी भाषाएँ भारत की राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। उनका सभी का समान महत्व है।"

यह बात हर देशवासी के एक संदेश है। मगर राजस्थान में रहने वाले लोगों के लिए यह बात खासतौर से गौर करने लायक है। मातृभाषा किसी भी देश या क्षेत्र की संस्कृति और अस्मिता की संवाहक होती है। इसके बिना मौलिक चिंतन संभव नहीं है। नई शिक्षा नीति में भी कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा, स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा में रखने की बात कही गई है।

लेकिन राजस्थान भाषा को अभी तक संवैधानिक मान्यता नहीं मिली है। यानि इसे आठवीं अनुसूची में स्थान नहीं दिया गया है। ग़ौरतलब है कि 1936 में राजस्थानी को पहली बार संवैधानिक दर्जा देने की मांग उठी थी। लंबी जद्दोजहद के बाद 2003 में राज्य विधानसभा में इस पर सहमति बनी और प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया। इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा के वरिष्ठ साहित्यकार एस.एस. महापात्र के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया। एस.एस. महापात्र ने दो साल बाद रिपोर्ट सौंपी। इसमें राजस्थानी और भोजपुरी भाषा को संवैधानिक दर्जा देने के योग्य घोषित किया गया। 2006 में तत्कालीन गृह मंत्री ने चौदहवीं लोकसभा के कार्यकाल में राजस्थानी को संवैधानिक दर्जा देने का आश्वासन दिया। लिहाजा बिल भी तैयार कर लिया गया। लेकिन आज तक पेश नहीं किया गया। संविधान की मान्यता प्राप्त 22 भाषाओं में राजस्थानी 17 भाषाओं से बड़ी है। सिंधी केवल 10 लाख लोगों द्वारा बोली जाती है जबकि राजस्थानी बोलने वाले करीब 15 करोड़ लोग हैं। राजस्थानी भाषा को नेपाल, पाकिस्तान आदि देशों में मान्यता है। दुनिया के कई और विश्वविद्यालयों में राजस्थानी पढ़ाई जाती है। कृष्ण भक्त मीराबाई, संत पीपा जी, राजा मानसिंह सहित कई भक्तों ने अपने साहित्य की रचना राजस्थानी में ही की थीं। राजस्थान के लोकगीतों तथा भजनों में राजस्थानी का ही बोलबाला है।जोधपुर के विश्वप्रसिद्ध लोक गायक कालूराम प्रजापति ने कहा कि यह हर राजस्थानी के लिए अत्यंत कष्ट का विषय है कि राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए तरसना पड़ रहा है। मगर हम नागरिकों का भी कुछ कत्तर्व्य बनता है। क्या हम सभी राजस्थानी भाषा का प्रयोग अपने दैनंदिन के कार्यों में करते हैं? क्या हम अपनी संतानों को राजस्थानी भाषा बोलने के लिए प्रेरित करते हैं? जब तक हम खुद राजस्थानी भाषा को अपने जीवन में अनिवार्यत: उपयोग नहीं करेंगे सरकार भी इसकी मान्यता के प्रति गंभीर नहीं होगी।

जोधपुर के पूर्व नरेश गजसिंह भी राजस्थानी भाषा को राजभाषा बनाने और राजस्थानी भाषा को माध्यमिक शिक्षा मंडल में शामिल करने की मांग करते रहें हैं। इसके लिए केंद्र सरकार को कई पत्र लिखे जा चुके हैं। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग के अध्यक्ष गजसिंह राजपुरोहित राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए वर्षो से संघर्ष कर रहे हैं। वे कहते हैं यह राज्य के 15 करोड़ लोगों की भावनाओं का सवाल है। यह समझना होगा कि राजस्थानी भाषा को मान्यता न मिलने के कारण यहां की कला, संस्कृति, विरासत और संस्कार जड़ से नष्ट हो रहे हैं। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं कला मर्मज्ञ रमेश बोराणा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने मान्यता का मामला अटका रखा है। राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता मिलने से राजस्थान राज्य के प्रत्येक जिले के लोगों को शिक्षा और रोज़गार प्राप्त करने में मदद मिलेगी। मगर तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। राजस्थान में रहने वाले आम बोलचाल में राजस्थानी का प्रयोग बहुत कम करते हैं। घरों में भी यही हाल है। बच्चों के साथ भी हिन्दी में बात करते हैं। माता-पिता सोचते हैं कि बच्चे अगर राजस्थानी बोलेंगे तो उनका स्टैंडर्ड कम हो जाएगा। आम आदमी की तो बात छोड़िए, राजस्थानी की मान्यता के लिए आवाज उठाने वालों में भी अधिकांश विद्वान अपने दैनिक व्यवहार में हिन्दी को प्राथमिकता देते हैं। सच कहा जाए तो घरों में बच्चों के साथ मातृभाषा में बात करने का चलन खत्म होने की कगार पर है। इस संवाददाता ने अनेक घरों में सर्वे कर पाया कि अधिकांश बच्चे राजस्थानी में फर्राटे से बात नहीं कर पाए। वे राजस्थानी में बात करते असहज नजर आए। बच्चों की यह दशा देखकर उनके अभिभावकों की नियत पर शंका होना स्वाभाविक है। बाहर कुछ और भीतर कुछ और, यह नहीं चलेगा। पहले घर के भीतर राजस्थानी को मान्यता देनी होगी। परिजनों को आपस में मातृभाषा में बात करनी होगी।

इसलिए आज की तारीख में राजस्थान निवासी हर व्यक्ति के लिए भागवत का बयान महत्वपूर्ण संदेश है। अगर हम अपनी मातृभाषा को मान्यता दिलाना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने घरों में बच्चों से बातचीत राजस्थानी में करने की आदत डालनी होगी।इसी संदेश की उपेक्षा करते रहे तो राजस्थानी को मान्यता देने की मांग उठाना ही बेमानी होगी। कथनी और करनी का फर्क हमें मिटाना होगा।

-मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

पाले से फसलों के बचाव की एडवाईजरी जारी

भीलवाड़ा। जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड एवं शीत लहर से फसलों को बचाने के लिए कृषि विभाग ने एडवाईजरी जारी कर सभी कृषि पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये है कि वे किसानों को पाले से फसलों को बचाने की जानकारी दे।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि शीत लहर एवं पाले से सर्दी के मौसम में लगभग सभी फसलों को नुकसान होता है,पाले के प्रभाव से पौधों की पत्तियाँ एवं फूल झुलस कर झड़ जाते हैं तथा अध-पके फल सिकुड़ जाते हैं, फलियों एवं बालियों में दाने नहीं बनते हैं व बन रहे दाने सिकुड़ जाते हैं।

संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि शीत लहर एवं पाले से फसल की सुरक्षा के लिए पौधशालाओं के पौधों एवं सीमित क्षेत्र वाले उद्यानों या नगदी सब्जी वाली फसलों में भूमि के ताप को कम न होने देने के लिये फसलों को टाट, पोलीथिन अथवा भूसे से ढक देवें।

कड़कड़ाती ठंड में भी विधायक फ्लावर शो का अवलोकन करने पहुंचे

भीलवाड़ा। शहर की सोसाइटी में आयोजित फ्लावर शो 2026 में आज शहर विधायक अशोक कोठारी द्वारा फ्लावर शो का अवलोकन किया। सोसाइटी द्वारा पर्यावरण के संरक्षण और पर्यावरण में रुचि पैदा करने वाले कार्यों की सराहना की तथा विधायक कोठारी ने प्लांट लवर समिति द्वारा किए जा रहे पर्यावरण

■ फ्लावर शो के लिए कोठारी ने जमीन दिलाने का आश्वासन दिया

के क्षेत्र में कार्यों को देखते हुए भविष्य में एक स्थाई रूप से जमीन आवंटन करने का आश्वासन प्रदान किया । उनके साथ में सामाजिक प्रतिनिधि और उद्योगकर्मी भी साथ थे जिन्होंने सोसाइटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना, सचिव प्रियंका सोमानी और संजय राठी ने उन्हें विभिन्न प्रकार के पुष्प, केकटश आदि फूलों से अवगत कराया, जिसमें बाल किशन जी द्वारा संचालित किचन गार्डन ओन रूफ टॉप और बोनसाई पौधे का विशेष आकर्षण रहेगा। वित्त सचिव राकेश तिवारी ने भविष्य में किए जाने वाले राष्ट्रीय स्तर पर फ्लावर शो की महत्वाकांक्षा बताई । कैलाश सोनी ने बताया कि अपराह्न बाद एडिशनल एसपी हेमंत कुमारद्वारा भी फ्लावर शो का अवलोकन किया तथा उन्होंने सोसाइटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की, नियमित कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में भारती , हेमल , हर्षा कटियार,सुशील डांगी, रेणू मानसिंहका,भूपेंद्र राणावत, कुसुम कोगटा, रूपा परशुरामपूरियां, भारती शर्मा, मधु कोगटा,रेखा शर्मा, आशा खंडेलवाल, अंकुर जैन, हर्ष कटिहार, पूनम महादेव, हरविंदर कौर, प्रतिभा मानसिंहका, रेखा सोडाणी, संगीता काबरा, सीमा गोयल, सुनील तलेसरा, पंकज मिश्रा आदि मौजूद रहे।

विधायक अशोक कोठारी ने भीलवाड़ा शहर की सोसाइटी में आयोजित फ्लावर शो का अवलोकन किया।

राशिफल

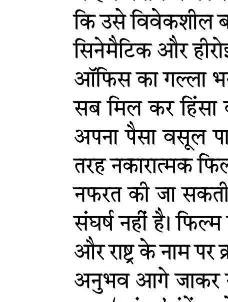

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 7 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र दिन 11:56 तक, आयुष्मान योग सायं 6:34 तक, कौलव करण सायं 6:43 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज कुमार दिन 11:56 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:57 तक, शुभ 11:15 से 12:33 तक, चर 3:09 से 4:27 तक, लाभ 4:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:44

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या के कारण परेशानी हो सकती है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित कारणों से अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। बकार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद हो सकते हैं।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ-मांगलिक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

गरीब को रोजगार और गांव का विकास भाजपा का लक्ष्य : मदन राठौड़

गरीब के 1 रूपए के हक में से 85 पैसे खाने वाले मचा रहे है हाय-तौबा : मदन राठौड़

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीबी राम जी के मामले में प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के सांसदों के द्वारा सांसद निधि को हरियाणा में खर्च करने के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ व भाजपा के राष्ट्रीय आईटी संयोजक अमित मालवीय दोनों के बयान एक दूसरे के विरोधाभासी है। वही प्रदेश में भाजपा की सरकार के द्वारा सोमवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर मैडम के

■ **प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का कहना है कि सांसद निधि कहीं भी दे सकते हैं जबकि आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय का कहना है कि सांसद निधि कही भी नहीं दे सकते**

द्वारा कांग्रेस के सांसदों के द्वारा सांसद निधि को खर्च करने पर एक बयान दिलाया गया। जिसमें कहलवाया गया कि यह गलत है लेकिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सांसद निधि को हरियाणा में खर्च करने के मामले गलत नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वे भी एक सांसद है और अपनी सांसद निधि को कहीं भी खर्च कर सकते हैं।

वही भाजपा के राष्ट्रीय आईटी के संयोजक अमित मालवीय सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस से बड़ी कोई धोखेबाज़ पार्टी नहीं हो सकती। इस बार निशाने पर हैं राजस्थान के लोग। राजस्थान के करदाताओं के पैसे का खुला दुरुपयोग करते हुए कांग्रेस के तीन सांसद - संजना जाटव (भरतपुर), राहुल कसवां (चूरू) और बृजेंद्र सिंह ओला (झुंझुनूं) ने अपने एमपीएलएडी फंड हरियाणा के कैथल विधानसभा क्षेत्र में खर्च करने की सिफारिश की है, जो कि कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के बेटे का निर्वाचन क्षेत्र है। यह सब केवल पिछले 3-4 महीनों में हुआ है।

यह विकास नहीं,यह वंशवाद और जनता के पैसे की खुली लूट है। राजस्थान के लोगों का पैसा सुरजेवाला जूनियर को हरियाणा में क्यों दिया जा रहा है?

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीबी राम जी के मामले में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पत्रकारों के सवाल पर कहा था कि सांसद कहीं भी अपने सांसद निधि का उपयोग कर सकते हैं हालांकि भाजपा की ओर से प्रेस नोट जारी हुआ जिसमें कहीं भी राठौड़ की इस बात का जिक्र नही किया।

विपक्ष द्वारा विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (वीबी-जी रामजी) के नाम को लेकर किए जा रहे विरोध पर कड़ी प्रतिकिया दी। राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को राम नाम से ही आपत्ति है, भाजपा ने रोजगार और आजीविका मिशन में विकसित भारत जोड़ते हुए नया कानून बनाया, तो इसमें विपक्ष को ऐतराज नहीं होना चाहिए। योजनाओं के नाम तो कांग्रेसियों ने स्वयं ने बदला और अपने एक ही परिवार के लोगों को खुश करने के लिए उनके नाम से योजनाएं शुरू कर दी। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम योजना का नाम राजीव गांधी ने जवाहर रोजगार योजना किया, फिर मनमोहन सरकार ने नरेगा और मनरेगा किया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने आवास योजना का नाम ग्रामीण आवास योजना से बदल कर इंदिरा आवास योजना कर दिया, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का नाम राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना कर दिया, इन्होंने हर योजना में गांधी-नेहरू परिवार का नाम जोड़ने का काम किया, करीबन 600 योजनाओं के नाम इन कांग्रेसियों ने बदले, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी योजना का नाम अपने या किसी के नाम पर जोड़ने की बजाए सेवा, सनातन से जोड़ने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजभवन को लोकभवन, राजपथ को कर्तव्य पथ, रेसकोर्स रोड को लोक कल्याण मार्ग और प्रधानमंत्री कार्यालय को सेवा तीर्थ नाम करने का काम किया है। मोदी ने भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्याय संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता करने का काम किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वीबी-जी रामजी के माध्यम से 125 दिन की रोजगार गारंटी मिलेगी, वहीं पहले 100 दिन की मिलती थी। अब ग्राम सभा गांव के विकास के लिए काम को तय करेगी और उसके आधार पर जल संरक्षण संबंधित कार्य, बुनियादी ढ़ांचा विकसित करने, आजीविका सरंचना निर्माण और आपदा से लड़ने की तेयारियों के काम किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का किया निरीक्षण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के माध्यम से आमजन की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्तर पर इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी की जाती है। इसी कड़ी में शर्मा मंगलवार को शासन सचिवालय परिसर स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पहुंचे और परिवादियों से बात कर अधिकारियों को उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देश दिए। शर्मा से जोधपुर जिले के ग्राम सुराणी निवासी छगनलाल ने उनके गांव में विद्युत वोल्टेज की समस्या का जिक्र करते हुए ट्रांसफॉर्मर लगाने का निवेदन किया। इस संबंध में मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने ट्रांसफार्मर लगा दिया है। साथ ही, विद्युत

■ **शिकायतों का हुआ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, आमजन को मिली त्वरित राहत**

आपूर्ति भी शुरू हो चुकी है।

करौली जिले के नादौती के ग्राम बरदाला निवासी नवल किशोर शर्मा ने मुख्यमंत्री से हैंडपंप के संबंध में निवेदन किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को परिवाद के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। देर शाम तक परिवादी के नजदीकी स्थान पर पीएचईडी अभियंताओं ने हैंडपंप को दुरुस्त कर पुनः शुरू कर दिया।

आसींद, भीलवाड़ा के ग्राम बाराखेड़ा निवासी विष्णु ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी में लंबित भुगतान के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उनकी समस्या को भारत सरकार के अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, परिवादी की शिकायत पंजीकरण तथा फॉलो-अप प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन राज्य सरकार और आमजन के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक अपनी परिवेदना राज्य सरकार तक पहुंचा सकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि सेंटर में दर्ज प्रत्येक समस्या का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हो जिससे नागरिकों को संतुष्टि मिले।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने वाला युवक गिरफ्तार

जयपुर। गलता गेट पुलिस ने जनहानि का कारण बन रहे प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए चाइनीज मांझा बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने चाइनीज मांझे के पांच गट्टे बरामद कर जब्त किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि खतरनाक और जनहानि कारित करने वाले मांझे के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में निषेधाज्ञा जारी कर आमजन को सचेत किया गया था। इसके चलते गलता गेट थाना क्षेत्र में खतरनाक प्लास्टिक युक्त चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग से मानव जीवन, पशु-पक्षियों को होने वाले नुकसान को लेकर सतत निगरानी रखी जा रही थी।

अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। गलता गेट थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है और साथ ही उसके पास से 04.24 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक भी बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि गलता गेट थाना पुलिस ने जयपुर शहर में चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाली महिला तस्कर श्यामा देवी (57) निवासी दिल्ली बाईपास रोड गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार किया गया। साथ ही आरोपी के कब्जे से 04.24 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद कर जब्त की गई। पुलिस आरोपित महिला तस्कर अवैध मादक पदार्थ स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

भाषा, अनुवाद, तकनीक और नवाचार पर वैश्विक संवाद

जयपुर। दक्षिण एशिया के अग्रणी बी2बी प्रकाशन मंच जयपुर बुकमार्क (जेबीएम) का 13वाँ संस्करण 15 से 19 जनवरी 2026 के बीच जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल के साथ आयोजित किया जाएगा। यह मंच भारत और दुनिया भर से प्रकाशकों, लेखकों, अनुवादकों, साहित्यिक एजेंटों, पुस्तकों के विक्रेताओं और प्रकाशन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को एक साथ लाता है, ताकि समकालीन प्रकाशन जगत में उभरते रुझानों, अंतरराष्ट्रीय सहयोगों और प्रकाशन-जगत के नये विचारों पर चर्चा की जा सके।

■ **जेबीएम का 13वाँ संस्करण 15 से 19 जनवरी 2026 के बीच जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल के साथ आयोजित किया जाएगा**

आगामी संस्करण के बारे में बोलते हुए जयपुर बुकमार्क की निदेशक, मनीषा चौधरी ने कहा, जयपुर बुकमार्क 2026 का पूरा कार्यक्रम गहन सोच-विचार के साथ तैयार किया गया है जो प्रकाशन उद्योग की गतिशील और निरंतर विकसित होती प्रकृति को प्रतिबिंबित करता है। उभरते रुझानों और नई कथात्मक विधाओं की पड़ताल से लेकर भारतीय भाषाओं में प्रकाशन का उत्सव मनाने और तकनीक के प्रभाव को समझने तक-इस वर्ष का संस्करण सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करने, जानकारी प्रदान करने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल की सह-संस्थापक एवं सह-निदेशक तथा जयपुर बुकमार्क की निदेशक नमिता गोखले ने कहाजयपुर बुकमार्क की स्थापना 2014 में प्रकाशन के मूल्यों का उत्सव मनाने और पुस्तक व्यापार के पेशेवर पहलुओं से संवाद के उद्देश्य से की गई थी। कथाओं और संस्कृति के संरक्षक के रूप में प्रकाशन उद्योग साहित्य तथा विचारों की अभिव्यक्ति और प्रसार की बुनियाद बना हुआ है। हम भाषाओं और मंचों के पार प्रकाशन की दुनिया का एक समुदाय बना रहे हैं, जो नई और पारंपरिक-दोनों तकनीकों के माध्यम से अपनी कहानियाँ साझा कर रहा है।

जयपुर बुकमार्क एक समृद्ध और व्यापक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा, जो वैश्विक प्रकाशन परिदृश्य में हो रहे परिवर्तनों को दर्शाता है। सम्मेलन का उद्घाटन प्रख्यात कवि, सांस्कृतिक विचारक और क्यूरेटर रणजीत होस्कोटे के भाषण से होगा, जो बौद्धिक विमर्श की दिशा तय करेगा।

'इल्यूमिनेटिंग ट्रांसलेशंस' सत्र में कनिष्क गुप्ता, पुरस्कार-विजेता अनुवादक दीपा भस्थी और संपादक मौतुशी मुखर्जी बानू मुश्ताक के बुकर पुरस्कार-विजेता संग्रह हार्ट लैम्प (दीपा भस्थी द्वारा अनूदित) के संदर्भ में अनुवाद और पुस्तक-विविधता की संभावनाओं पर संवाद करेंगी।

कुरैशी समाज की नो दहेज, नो गार्डन मुहिम का दिख रहा असर

जयपुर। कुरैशी समाज की ओर से शुरू की गई नो दहेज, नो डिनर, नो गार्डन मुहिम का असर राजस्थान के विभिन्न शहरों में नजर आ रहा है। वहीं इस मुहिम में अब इस्लाहे मआशरा कमेटी ने बागडोर संभाली है और कदम आगे बढ़ाते हुए अपना अहम रोल अदा कर रही है।

इस मुहिम का आगाज राजधानी जयपुर से वरिष्ठ समाजसेवी एवं बिजनेसमैन झोटवाड़ा निवासी छुट्टन कुरैशी ने अपनी पुत्री एवं ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नईम कुरैशी के लड़के की सादगी के साथ संपन्न हुई निकाह की रस्म अदायगी से 24 दिसम्बर 2024 झोटवाड़ा से हुई थी। जिसमें बिजनेसमैन छुट्टन कुरैशी ने अपनी पुत्री आलिमा का निकाह नईम कुरैशी के लड़के के साथ झोटवाड़ा की नूरानी मस्जिद में सादगी के साथ कराया था। इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराज अहमद कुरैशी सहित समाज के कई वरिष्ठजन शामिल हुए थे। सादगी के साथ संपन्न हुए इस निकाह अदायगी रस्म की सभी ने प्रशंसा की। तत्पश्चात

■ **मस्जिद कुरैशियान में सादगी के साथ हुई निकाह की रस्म अदायगी**

जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों में इस प्रकार के आयोजनों का शुभारंभ हुआ। इसी कड़ी में अब मंगलवार 6 जनवरी को झोटवाड़ा निवासी मेराज कुरैशी के पुत्र सोहेल का निकाह एमडी रोड निवासी नासिर कुरैशी की लड़की अंजुम के साथ मस्जिद कुरैशियान में सादगी के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर सभी आगंतुकों को खिजूर पेश की गई।

इसी सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 8 जनवरी 2026 को झोटवाड़ा निवासी मेराज कुरैशी की पुत्री शहनाज का निकाह रामनगर, शास्त्री नगर निवासी जहीरूद्दीन के पुत्र जुनैद के साथ झोटवाड़ा स्थित नूरानी मस्जिद में बाद नमाजे जोहर दोपहर करीब ढाई बजे शरीयत के मुताबिक होगा। इस दौरान निकाह की रस्म सादगी के साथ अदा की जाएगी और सभी आगंतुकों को खिजूर पेश की जाएगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की

जयपुर। इस दौरान राजस्थान की दो अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, उत्तरी जयपुर रिंग रोड (99.35 किमी) एवं जयपुर से अमृतसर तथा जामनगर कॉरिडोर (394 किमी) के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

साथ ही वर्षों से लम्बित भिवाड़ी

■ **इस अवसर पर वन परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव , राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत जी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे**

में जल भराव की समस्या के समाधान पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव , राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत जी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चेयरमैन डिस्कॉम्स ने डवलपरों एवं किसानों से किया संवाद

चेयरमैन डिस्कॉम सुआरती डोगरा ने सोलर पॉवर डवलपरों तथा किसानों से संवाद किया।

जयपुर। चेयरमैन डिस्कॉम सुआरती डोगरा ने मंगलवार को विद्युत भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में कुसुम योजना के अन्तर्गत सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने वाले सोलर पॉवर डवलपरों तथा किसानों से संवाद किया। इस दौरान जयपुर डिस्कॉम के सभी वृत्तों के अधीक्षण अभियन्ता वी.सी के माध्यम से जुड़े।

सुडोगरा ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में कुसुम योजना के प्लांट स्थापित हैं वहां दिन के समय ट्रिपिंग न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इससे प्लांट के एकाएक बंद होने तथा पुनः प्रारम्भ होने के दौरान जनरेशन की हानि को रोका जा सके। जहां तक संभव हो जीएसएस, फीडर अथवा लाइनों की नियमित मेंटेनेंस के कार्य को इस प्रकार सम्पादित किया जाए ताकि सौर ऊर्जा उत्पादन की हानि न्यूनतम हो। उन्होंने डवलपरों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से उचित समन्वय किया जा सके।

बैठक में सोलर पॉवर जनरेटरों तथा किसानों ने डिस्कॉम्स चेयरमैन को अपनी समस्याएं बताईं। सुडोगरा ने संबंधित अभियन्ताओं को इन समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए।

प्रांतीय कार्यकारिणी का 36 घंटे का उपवास प्रारंभ

जयपुर। राज्य सरकार की संवाद हीनता एवं संवेदनहीनता के विरोध में आज अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य शहीद स्मारक पर 36 घंटे के उपवास पर बैठे एवं राज्य सरकार से महासंघ के सात संकल्पों एवं 11 सूत्री मांग पत्र पर सकारात्मक कार्यवाही की मांग की गई ।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महावीर शर्मा ने बताया कि अधिवेशन में बजट घोषणा के बाद भी राज्य सरकार द्वारा अधीनस्थ सेवाओं के कर्मचारियों का कैडर पुनर्गठन नहीं करने , वेतन विसंगति दूर नहीं करने, संविदा कार्मिकों का नियमितिकरण नहीं करने एवं पारदर्शी स्थानांतरण नीति जारी नहीं करने तथा पुरानी पेंशन से छेडछाड करने के विरोध में संघर्ष को तेज करने का निर्णय किया गया , जिसके तहत प्रदेश में भर चरणबद्ध आंदोलन करते हुए आज शहीद स्मारक पर उपवास प्रारंभ किया गया।

इसके बाद भी यदि राज्य सरकार द्वारा मांगो पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई तो 12 जनवरी को राजधानी जयपुर में विशाल चेतावनी महारैली आयोजित की जाएगी ।

सार-समाचार

बॉलीवुड अभिनेता हीमैन धर्मेन्द्र को संगीतमय ट्रिब्यूट देंगे अनेक कलाकार

जयपुर। बॉलीवुड फिल्मों के ही मैन धर्मेन्द्र को समर्पित लाइव बैंड म्यूजिकल कार्यक्रम म्यूजिक दीवाने 10 जनवरी, शनिवार को शाम 5.30 बजे यहां महाराणा प्रताप सभागार में होगा। एएमजी जयपुर की ओर से होने वाले इस कार्यक्रम में अनेक चर्चित सिंगर्स मरहूम सुपरस्टार धर्मेन्द्र को संगीतमय ट्रिब्यूट देंगे। इस बारम्यूजिक दीवानेके मंच पर एएमजी जयपुर कुछ एकदम फ्रेश और उभरते हुए कलाकारों को लंबे समय की कड़ी रिहर्सल और मेहनत के बाद प्रस्तुत कर रहा है। जयपुर के कुछ जाने-पहचाने और अनुभवी कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियां भी दर्शकों के दिलों को छूएगी। एएमजी जयपुर के मेंटर्स केपी सक्सेना, गीतिका चतुर्वेदी एवं लक्ष्मण वाधवानी के मार्गदर्शन में सभी रिहर्सल पुरजोश रही हैं। संस्था संरक्षक राजीव कुमार, लक्की कपूर, उत्तम डुंडलोदिया एवं सुधीर शर्मा ने बताया किम्यूजिक दीवाने का अहम मकसद स्थानीय नए कलाकारों का आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें लाइव बैंड संगीत का अनुभव देना तथा भविष्य के सितारों को तैयार करना है। संस्था प्रेजिडेंट भारत जोशी ने बताया कि इस बार भी मेलोडियस सिंगिंग कार्यक्रम दर्शकों को लुभाएगा। संस्था फाउंडर अभिषेक माथुर ने बताया कि इस कार्यक्रम में संजय माथुर का ऑर्केस्ट्रा लाइव बैंड संगीतमय शाम को और भी खूबसूरत बनाएगा। केवल पास से ही कार्यक्रम में एंट्री होगी।

राष्ट्रीय पक्षी दिवस के पर युवाओं ने पक्षियों को बचाने की शपथ ली

जयपुर। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय मालवीय नगर जयपुर में राष्ट्रीय पक्षी दिवस के अवसर पर युवाओं की एक सभा आयोजित हुई। इस अवसर पर पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन ने युवाओं से आव्हान किया कि पक्षी बचेंगे, पर्यावरण बचेगा तभी पृथ्वी बचेंगे। युवाओं ने इस अवसर पर पक्षियों को बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मकर संक्रांति पर पतंग की डोर से घायल होने वाले पक्षियों की मदद के लिए जयपुर में अलग-अलग स्थान पर 25 कैंप लगाने का निर्णय लिया गया द्य कमल लोचन ने बताया कि कोई भी व्यक्ति घायल पक्षियों को संस्थान के मालवीय नगर स्थित पक्षी चिकित्सालय में पहुंच कर सेवा कर सकते हैं। यहां पक्षियों का चिकित्सा रखना, खाना पीना सभी सुविधा निशुल्क है। युवाओं ने पक्षियों को बचाने की शपथ ली और आम शहरवासी से घायल बीमा पक्षियों को पहुंचाने की अपील की।

पुलिस दिवस का आयोजन 16 अप्रैल को

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा पुलिस दिवस 2026 का आयोजन 16 अप्रैल 2026 को राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर सहित समस्त रेंज एवं जिला मुख्यालयों पर किया जाएगा। कार्यक्रमों की श्रृंखला 15 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगी। पुलिस दिवस के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए विभिन्न समन्वय एवं आयोजन समितियों का गठन किया गया है। जो परेड, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्विज प्रतियोगिता, बैंड प्रदर्शन, प्रचार-प्रसार एवं अतिथि प्रबंधन सहित सभी गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करेंगी। इस मौके पर राजस्थान पुलिस अनुशासन, सेवा और जन सुरक्षा के प्रति अपने अडिग संकल्प के साथ पुलिस दिवस का आयोजन कर पुलिस बल के योगदान को सम्मानित करेगी।

अवैध गांजे मय बाईक जब्त

जयपुर/उदयपुर। जिले के बैकरिया थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान बाइक सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से अवैध गांजा मय बाईक जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक डूंगरसिंह के सुपरवीजन में बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह मय टीम ने नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार दो युवकों को रोड़ तलाशी ली तो उनके पास रखे 5 किलों 400 ठाम अवैध गांजा मिला। इस पर पूछताछ की तो बाइक चालक ने अपना नाम ईश्वरसिंह पुत्र भेरूसिंह निवासी प्रेमपुरा कुवारिया राजसमन्द तथा पिछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम ईश्वरसिंह पुत्र भुरसिंह निवासी प्रेमपुरा कुवारिया राजसमन्द निवासी होना बताया। इस पर दोनों को गिरफ्तार कर अवैध गांजा मय बाईक जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पीएम विद्यालयों को जारी राशि के व्यय की समीक्षा बैठक आयोजित

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् की ओर से गत माहों में जारी की गई राशि के व्यय की समीक्षा के लिए मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन किया ।

जयपुर। पीएम योजनांतर्गत संचालित पीएम विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों हेतु राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् की ओर से गत माहों में जारी की गई राशि के व्यय की समीक्षा के लिए मंगलवार

■ **शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने बैठक में जुड़े सभी जिलों के प्रतिनिधियों को पीएम विद्यालयों में सभी गतिविधियां संचालित करने व आवंटित राशि का समयबद्ध रूप से पूर्ण व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**

को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया।

शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने बैठक में जुड़े सभी जिलों के प्रतिनिधियों को पीएम विद्यालयों में सभी गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित करने व आवंटित राशि का समयबद्ध रूप से पूर्ण व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद मुख्यालय से राज्य परियोजना निदेशक व आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने सभी जिला प्रतिनिधियों से व्यय में हो रही देरी के कारणों की जानकारी ली व बकाया व्यय समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में परिषद मुख्यालय से उपायुक्त सुमन देवी, आकाशदीप अरोड़ा, निधि सिंह सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

सभी जिलों के एडीपीसी, सीबीईओ, प्रभारी पीईईओ, पीएम विद्यालयों के संस्था प्रधान व अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

गौरतलब है कि मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने सोमवार को शिक्षा संकुल में शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर पीएम विद्यालयों की स्थिति व उनमें संचालित गतिविधियों की जानकारी ली थी। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग पीएम विद्यालयों के गहन निरीक्षण की तैयारी कर रहा है।

ज्वेलरी शॉप से लाखों की पायलें चोरी

जयपुर। एयरपोर्ट थाना इलाके में स्थित एक ज्वेलरी शॉप से लाखों रुपए की चांदी की पायलें चोरी होने का मामला सामने आया है। ग्राहक बनकर आईं तीन अज्ञात महिलाओं ने ज्वेलर की नजर बचाकर पूरी ट्रे चोरी कर ली और मौके से फरार हो गईं। चोरी की यह वारदात शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

जांच अधिकारी पुलिस हेड कांस्टेबल गिर्राज प्रसाद ने बताया कि जवाहर सर्किल क्षेत्र निवासी नरेंद्र सोनी (31) ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी जगतपुरा बाजार में श्याम ज्वेलर्स नाम से दुकान है। जहां तीन महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान पर आईं और चांदी की पायलें दिखाने को कहा और महिलाएं करीब आधे घंटे तक पायलें देखती रहीं। वे पायलों को एक ट्रे से दूसरी ट्रे में बदल-बदल कर अपने पैरों में पहनकर देखती रहीं। इसी दौरान शॉप पर मौजूद ज्वेलर रामजीलाल की नजर बचाकर तीनों महिलाओं ने चांदी की पायलों से भरी एक पूरी ट्रे अपनी शॉल में छिपा ली। इसके बाद एक पायल का डिजाइन पसंद करने का बहाना बनाकर वे दुकान से निकल गईं।

■ **ज्वेलर रामजीलाल की नजर बचाकर तीनों महिलाओं ने चांदी की पायलों से भरी एक पूरी ट्रे अपनी शॉल में छिपा ली। इसके बाद एक पायल का डिजाइन पसंद करने का बहाना बनाकर वे दुकान से निकल गई**

महिलाओं के जाने के बाद जब पायलें वापस रखी गईं तो एक ट्रे गायब मिली। इसके बाद शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें तीनों महिलाओं की चोरी की करतूत साफ तौर पर रिकॉर्ड पाई गई। सूचना मिलने पर एयरपोर्ट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार फिलहाल आरोपी महिलाओं की पहचान नहीं हो सकी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला चोर गैंग की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान होते ही उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

2 करोड़ 58 लाख से अधिक कॉपर की चोरी की वारदात का मात्र 10 घंटे में खुलासा

3 अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त दो कन्टेनर बरामद

कोटपूतली । जिले की प्रागपुरा थाना पुलिस ने मात्र 10 घण्टे में त्वरित कार्यवाही करते हुये 02 करोड 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के मुल्य के कॉपर की चोरी की वारदात का खुलासा किया हैं। साथ ही घटना में शरीक 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं। घटना में प्रयुक्त दो कन्टेनर नं. एचआर 55 एवाई 4639 व आरजे 02 जीबी 3929 मय 02 करोड़ 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के मूल्य का कॉपर बरामद भी किया हैं। जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने प्रैस वार्ता आयोजित कर जानकारी देते हुये बताया कि प्रागपुरा थाने के प्रकरण की घटना की गम्भीरता को देखते हुये घटना का खुलासा व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु एएसपी नाजीम अली खान के सुपरविजन व विराटनगर डीएसपी उमेश निठारवाल के निर्देशन में थानाधिकारी भजनाराम के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

कोटपूतली जिले की प्रागपुरा थाना पुलिस ने मात्र 10 घण्टे में 02 करोड 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के कॉपर की चोरी की वारदात का खुलासा किया ।

- एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी घटना की जानकारी

गत 04 जनवरी को परिवादी राजेश सिंह ने बताया कि मेरी गाडी ट्रक नं. आरजे 02 जीबी 3929 दिनांक 01 जनवरी को महशाना गुजरात से कॉपर कीमत बिल अनुसार 2,58,12500 रुपये का भरकर भिवाड़ी जाने के लिये निकली थी, जिससें मेरा ड्राईवर अनिल सिंह शेखावत पुत्र इन्द्र सिंह निवासी कैरोड़ी ढ्राणी नंदा जी मोबाइल नं. 9116929834 को लेकर चला था जो 03 जनवरी को रात 08 बजे शाहंजहांपुर टूल टैक्स पर पहुंचा था, जिसके टोल कटने का रुपयों का मेसेज मेरे पास आया, उसके बाद उसी रात करीब 12.12 बजे बर्डाद टोल टैक्स का मेसेज आया तो मुझे शक हुआ तो मैंने रात्रि को 01 बजे फोन किया तो ड्राईवर अनिल का फोन बंद आ रहा था। दिनांक 04 जनवरी को गाड़ी मेरे द्वारा तलाश करने पर गाडी प्रागपुरा ममता होटल से पहले खड़ी मिली तथा उसमे भरा माल कॉपर ना तो भिवाड़ी पार्टी के पास पहुंचा और ना ही गाड़ी में मिला गाड़ी मौके पर खाली थी होटल पर गाड़ी के पास गये तो होटल का गार्ड बता रहे थे की ये गाड़ी रात को 01.30 से 02 बजे के बीच आई थी व उसके पीछे एक सफेद रंग की कार आई थी जिसमें बैठकर ड्राईवर चला गया। मेरी गाड़ी से कॉपर चोरी हुआ जिसकी किमत 2,58,12500 रुपये थी। जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान व तलाश शुरु की गई। टीम द्वारा मुल्जिमानों की गिरफ्तारी को एक चैलेंज के रुप में स्वीकार कर अपने स्तर आसूचना संकलन व तकनीकी सुझबुझ के आधार से प्रकरण का खुलासा करते हुये प्रकरण की घटना में चोरी हुये 02 करोड 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के मुल्य के कॉपर मय घटना प्रयुक्त वाहन कन्टेनर नं. एचआर 55 एवाई 4639 व आरजे 02 जीबी 3929 अभियुक्त इरफान (37) पुत्र साजिद अली जाति मुसलमान निवासी मकान नं. जे-02/140 वेलकम सिलमपुर दिल्ली, रिंकु बागड़ी (34) पुत्र श्रीपाल बागड़ी जाति खटीक निवासी अशोक विहार कालोनी रंगाला थाना तावडु जिला नुंह मेवात व मिन्टु उर्फ सुखबीर पुत्र श्री रामेश्वर गुर्जर निवासी बुरहेड़ा थाना खुशखेड़ा जिला भिवाड़ी को गिरफ्तार कर अनुसंधान किया जा रहा हैं।

रावला मंडी में विदेशी युवक-युवती डिटेन

अनूपगढ़। भारत - पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित श्री गंगानगर के रावला मंडी में गुरु गोविंद सिंह जयंती पर हो रहे नगर कीर्तन में एक विदेशी युवक और युवती को सीआईडी ने डिटेन किया है। कीर्तन में विदेशी होने की सूचना मिलने पर सीआईडी ने दोनों को नगर कीर्तन से ले जाकर रावला पुलिस के सुपुर्द कर दिया, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है।

एसपी अमृता दुहन ने बताया- प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह युवक और युवती चेकोस्लोवाकिया के निवासी हैं। शुरुआती जांच में उनसे किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। पुलिस दोनों से गंभीरता से पूछताछ कर रही है। रावला भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। इस संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में किसी भी विदेशी नागरिक को बिना पूर्व अनुमति के प्रवेश की इजाजत नहीं है। इसी कारण पुलिस सभी पहलुओं से दोनों से पूछताछ कर रही है।सूत्रों के अनुसार, युवक और युवती रावला क्षेत्र में रह रहे अपने किसी दोस्त के घर आए हुए थे और आज नगर कीर्तन में शामिल हो गए थे। पुलिस अब उनके रावला आने के उद्देश्य और अनुमति संबंधी दस्तावेजों की जांच कर रही है। बिना वैध वीजा और जरूरी दस्तावेजों के बीकानेर में रह रही दो विदेशी महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों महिलाएं कोटगेट थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में रह रही थीं, लेकिन उनके पास अनिवार्य सी-फॉर्म और अन्य वैध दस्तावेज नहीं मिले।

विदेशों में दवा रजिस्ट्रेशन के नाम पर अजमेर की फार्मा कंपनी से 1.5 लाख यूरो की ठगी

अजमेर । क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में विदेशों में दवा निर्यात के लिए अनिवार्य रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का हवाला देकर अजमेर की एक फार्मा कंपनी के डायरेक्टर से बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। पंचशील क्षेत्र स्थित मेलिरोन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर से सात देशों में 11 उत्पादों का रजिस्ट्रेशन कराने के नाम पर 1.5 लाख यूरो हड़पने का आरोप लगाया गया है।

- सात देशों में पंजीकरण का झांसा, पुलिस जांच में जुटी

पीड़ित की शिकायत पर क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सागर विहार कॉलोनी निवासी दिनेश ने रिपोर्ट में बताया कि उनकी कंपनी अफ्रीकी देशों में दवाओं की आपूर्ति करती है, जहां नियमानुसार उत्पाद बिक्री से पहले स्थानीय रेगुलेटरी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होता है।

वर्ष 2023 में सेनेगल स्थित कंपनी फार्मा डिस अफ्रीका के एजेंट सौलेमाने म्बेंगुए ने संपर्क कर बुर्किना फासो, माली, नाइजर, कांगो ब्रजाविल, आइवरी कोस्ट, सेनेगल सहित अन्य देशों में तय समय में रजिस्ट्रेशन कराने का भरोसा दिलाया। इसके बदले दस्तावेज और फीस के नाम पर बैंकिंग चैनल से अलग-अलग किश्तों में एक लाख पांच हजार यूरो जमा करवा लिए गए। आरोप है कि करीब 18 महीने बीतने के बाद भी किसी भी देश में एक भी उत्पाद का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया।

बोर्ड एग्जाम से पहले 100 से ज्यादा प्रिंसिपल का ट्रांसफर

शिक्षा विभाग ने 2 दो लिस्ट जारी की, अधिकांश का जिला बदला

- अधिकारियों को बीच सत्र में स्कूल छोड़कर अन्यत्र जाना पड़ा
- मंगलवार को निदेशक ने लिस्ट को जारी
- ट्रांसफर के बाद सिफारिश के दम पर कई शिक्षकों ने अपना तबादला कैंसिल करवा लिया है, वहीं कुछ को शिकायत के आधार पर इधर-उधर किया गया है।

बीकानेर । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की दसवीं और बारहवीं क्लास के फाइनल एग्जाम 12 फरवरी से शुरू होने वाले है, इससे ठ्ठीक एक महीने पहले शिक्षा विभाग ने सौ से ज्यादा प्रिंसिपल के ट्रांसफर कर दिए हैं और करीब इतने ही प्रिंसिपल की लिस्ट अभी आनी शेष है। करीब दो महीने पहले हुए ट्रांसफर के बाद सिफारिश के दम पर कई शिक्षकों ने अपना तबादला कैंसिल करवा लिया है, वहीं कई प्रिंसिपल को शिकायत के आधार पर इधर-उधर किया गया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी ये लिस्ट भी करीब एक महीने पहले ही शिक्षा निदेशालय से जयपुर सचिवालय पहुंच गई थी। इसके बाद 5 जनवरी को सचिवालय ने निदेशालय को ट्रांसफर की स्वीकृति दी। मंगलवार को निदेशक ने इस आशय की लिस्ट को जारी कर दिया। ये 2 लिस्ट है। एक में 39 प्रिंसिपल के नाम है, जबकि दूसरी लिस्ट में 78 प्रिंसिपल को इधर से उधर किया गया है। हालांकि इन 117 प्रिंसिपल के बाद भी बड़ी संख्या में प्रिंसिपल अपने ट्रांसफर की कवायद में जुटे हुए हैं।

लिस्ट की खास बात ये है कि इसमें 50 फीसदी से ज्यादा ट्रांसफर तो एक से दूसरे जिले में ही किए गए हैं। वहीं अधिकांश के ट्रांसफर उनके आवेदन पर हुए हैं, ऐसे में उन्हें टीए और डीए देय नहीं होगा। वहीं कुछ को ट्रांसफर होने पर टीए और डीए देय है, यानी उन्होंने ट्रांसफर के लिए आवेदन नहीं किया था। ऐसे में ऐसे अधिकारियों को बीच सत्र में स्कूल छोड़कर अन्यत्र जाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार, जो प्रिंसिपल 31 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं, उनकी पोस्ट पर एडवांस में ही दूसरे प्रिंसिपल का ट्रांसफर कर दिया गया है। ऐसे ट्रांसफर के आगे आदेश एक फरवरी से प्रभावी होने का रिमार्क लिखा गया है। ऐसे 5 से ज्यादा प्रिंसिपल के ट्रांसफर हैं। ट्रांसफर का सारा काम जयपुर स्थित शिक्षा संकुल से हुआ है, जबकि बीकानेर ये फाइल सिर्फ हस्ताक्षर के लिए ही आई। निदेशालय स्तर पर सिर्फ ये देखा गया कि लिस्ट में कोई खामी तो नहीं है। इस बार भी संबंधित अनुभाग से सिर्फ लिस्ट चैक ही करवाई गई। निदेशालय ने भी आदेश में साफ लिखा है कि राज्य सरकार से मिले पत्र के आधार पर ट्रांसफर किया जा रहा है।

फलोदी में जमीन विवाद में फायरिंग

जोधपुर, (कासं) । फलोदी क्षेत्र के रिण मलार में भूमि विवाद को लेकर फायरिंग की घटना सामने आई है। हमलावरों ने पीड़ित को जमीन की पैमाइश के बहाने बुलाकर हमला किया। पीड़ित ने समय रहते दरवाजा बंद कर लिया, जिससे बंदूक के छर्रे उसके हाथों में लगे और उसकी जान बच गई। घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया।

अस्पताल में भर्ती युसुफ खान ने पुलिस को बताया कि मलार रिण क्षेत्र में हाफिज मार्केट के पीछे उनकी लगभग 50 बीघा जमीन है। इसी जमीन की पैमाइश को लेकर पड़ोसी अजीज ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया था। युसुफ खान अपने साथ इमामद्दीन, फारुख खान और हसन को लेकर अजीज की फैक्ट्री पहुंचे। पीड़ित के अनुसार, कुछ ही देर बाद कई कारों, जेसीबी और दो ट्रैक्टरों में सवार करीब 20 से 25 लोग हथियारों के साथ मौके पर पहुंच गए। इनमें कासम खान, फहीम, मकसूद, असलम उर्फ कालू, सलीम, रायदाम सहित अन्य लोग शामिल थे। हमलावरों ने पहले उनकी गाड़ी को पलटकर क्षितठास्त किया और मारपीट शुरू कर दी।

निवेशकों के करोड़ों रूपये डकारने वाला गिरफ्तार

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। गांधीनगर थाना पुलिस ने काफी समय से फरारी काट रहे वीआईपी ट्रेड घोटाले के मुख्य आरोपी को निम्बाहेड़ा से गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी गांधीनगर निवासी अब्दुल समद (63) पुत्र अनवर है। आरोपी अब्दुल समद व लोकेश चौधरी के खिलाफ गांधीनगर थाना व मदनगंज थाना में 30 पीड़ितों ने लगभग 80 करोड़ रूपये को लेकर मुकदमे दर्ज करा रखे है। थाना इंचार्ज संजय शर्मा ने बताया की पहले ही पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हरमाडा निवासी लोकेश चौधरी व अब्दुल समद ने वीआईपी ट्रेड कम्पनी के जरिये 10 माह में दो-तीन गुणा राशि देने का प्रलभोन देना शुरू कर दिया। कुछ लोगों द्वारा जिंदगी भर की कमाई इनके हवाले करने का सिलसिला शुरू हो गया, शुरूआती दौर में जमा

आरोपी अब्दुल समद

रकम का बड़ा मुनाफा भी वितरण किया जाने लगा। लालच में आये निवेशकों की संख्या बढ़ती रही। पांच सितारा होटलों में सेमिनार करने के साथ बेशकीमती जमीने दिखाकर निवेशक इनके झांसे में फंसते गये और करोड़ों रूपये निवेश कर दिया। इस बीच सुनियोजित षड्यंत्र के तहत भुगतान में देरी होनी शुरू हो गई। मामले की नजाकत को भांप तकाजा बढ़ता हुआ देख लोकेश चौधरी व अब्दुल समद फरार हो गये। गांधीनगर थाना पुलिस ने काफी मशकक्त के बाद लोकेश चौधरी को पहले ही गिरफ्तार कर अदालत के आदेशानुसार जेल भेज दिया, जबकि मुख्य आरोपी चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत अब्दुल समद को मंगलवार को धरदबोचा। इससे पहले लोकेश चौधरी, धीरज गहानी, बलवीर वैष्णव, हिदायत अली, नरेंद्र चौधरी व कैलाश चौधरी गिरफ्तार हो चुके है। पुलिस टीम में हैंड कॉस्टेबल सांवरलाल, प्रेमचंद मीणा, कांस्टेबल राजूराम गुर्जर, कालूराम मीणा व सिताराम शामिल रहे

साइबर फ्रॉड करने वाला गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं) । शहर की उदयमंदिर पुलिस ने एक साइबर फ्रॉड के केस में एक आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ गत साल सितंबर में फ्रॉड का केस दर्ज हुआ था। एक मिठाई की दुकान में काम करने वाले युवक से यह ठगी हुई थी।

उदयमंदिर थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि नई सड़क पर एक मिठाई की दुकान में काम करने वाले अनोप सामंता की तरफ से गत 23 सितंबर को रिपोर्ट दी गई थी। उसने रिपोर्ट में बताया कि उसके पास में किसी शख्स ने दोस्त बनकर कॉल किया और मां के इलाज के नाम पर खाते में 40 हजार के आसपास रकम को डलवा दिया था। मगर बाद में पता लगा कि उसके साथ धोखा हुआ है। थानाधिकारी खोजा ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की गई। इस पर अब एक आरोपी मध्यप्रदेश के अन्नासागर, गोविंदपुरा भोपाल निवासी आकाश पुत्र दिनेश बलाई को गिरफ्तार कर जोधपुर लाया गया है।

मजदूर महापंचायत आयोजित

कोटा । ब्यावर स्थित निजी होटल में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की 24वें महा-अधिवेशन मजदूर महापंचायत में राजस्थान इंटक की प्रदेश कार्यसमिति बैङ्गक प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली की अध्यक्षता में एवं केंद्रीय इंटक द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक झारखंड इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे के मुख्य अतिथि में संपन्न हुई। बैङ्गक में 21 प्रस्ताव लिए गए जो महासम्मेलन में प्रतिनिधि सभा द्वारा अनुमोदन पश्चात केंद्र सरकार व राज्य सरकार को भेजे जाएंगे। इस अवसर पर श्रीमाली ने कहा कि 21वां अधिवेशन जयपुर में, 22वां अधिवेशन ब्रह्माकुमारी में, 23वां अधिवेशन उदयपुर में और 3 जनवरी को 24 वां अधिवेशन औद्योगिक ब्यावर में शुभारंभ हुआ।

शिक्षा निदेशालय में मारपीट पर 15 कर्मचारी तलब

- केंटीन के पास प्रदर्शन पर भी सवाल

बीकानेर । यहां शिक्षा निदेशालय परिसर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के साथ मारपीट और सोशल मीडिया कमेंट के मामले में जांच तेज हो गई है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश पर संयुक्त निदेशक ने इस मामले से जुड़े 15 कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दोपहर में तलब किया है। संयुक्त निदेशक जयदीप ने प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े कर्मचारियों को अलग अलग नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में 24 दिसंबर 2025 की दोपहर सहायक प्रशासनिक अधिकारी और समाज शिक्षा के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के बीच हुई गाली गलौच और मारपीट की घटना को लेकर जानकारी और साक्ष्य मांगे गए हैं।

सभी कर्मचारियों को दोपहर 2 बजे माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। उनसे पूछा जाएगा कि घटना के समय उन्होंने क्या देखा, क्या सुना और उनके पास क्या साक्ष्य हैं। जांच के दौरान केंटीन के पास कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है।

ज्ञापन देने वाले कर्मचारियों से भी इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। तलब किए गए कर्मचारियों में अधिकांश कर्मचारी नेता शामिल हैं। प्रारम्भिक शिक्षा में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोस्वामी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी जितेंद्र पडिहार, अनिल कुमार पुरोहित, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी उमेश आचार्य, मनीष कुमार रंगा और राजेश व्यास को नोटिस जारी कर बुलाया गया है।

कोहरे और शीतलहर से अजमेर ठिठुरा, यातायात प्रभावित

अजमेर । पिछले दिनों हुई बारिश के बाद अजमेर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है।

मंगलवार सुबह शहर घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में रहा। गलन भरी ठंड ने जनजीवन को खासा प्रभावित किया। शहर के प्रमुख मार्गों, रेलवे स्टेशन और रेल पटरियों के आसपास इतनी घनी धुंध छाई रही कि कुछ दूरी पर इमारतें, संकेतक और वाहन नजर नहीं आ रहे थे।

कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो गई, जिससे दोपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चलाने पड़े। कई स्थानों पर सुबह के समय यातायात रेंगता नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों तक इसी तरह का मौसम बने रहने और तापमान में और गिरावट की संभावना है।

कोहरे के कारण ब्रेकिंग डिस्टेंस बढ़ने से दुर्घटना की आशंका बनी रही। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में प्रमुख चौराहों पर हल्का जाम भी देखने को मिला।

ठंड का असर बाजारों पर भी पड़ा। नया बाजार, केसरगंज और दरगाह बाजार जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में दुकानों के खुलने में देरी रही। व्यापारियों के अनुसार ठंड और कोहरे के कारण ठााहक देर से घरों से निकल रहे हैं, जिससे सुबह की बिक्री प्रभावित हो रही है । अस्पतालों में बढ़े मरीज- ठंड बढ़ने के साथ ही अस्पतालों में सर्दी-जुकाम, खांसी और श्वसन संबंधी रोगों के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। चिकित्सकों ने बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

कार्यालय नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर (राज.)
Ph. 01422-272066 Email- shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांक :-न0प0शा0 / 2025-26 / 850 दिनांक :- 02.01.2026

निविदा सुचना वर्ष 2025-26

नगर परिषद शाहपुरा जयपुर द्वारा निम्नानुसार कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है विस्तुत विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर कार्यालय समय सूचना बोर्ड पर देखा जा सकता है।

NIB CODE	SPPP UBN
DLB2526A9805	DLB2526WSOB29179, DLB2526WSOB29181, DLB2526WSOB29182, DLB2526WSOB29184

राज.संवाद / सी / 25 / 17169
आयुक्त नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- अ.अ./जोविप्रा/जोन-एमपीएमएलए लैड/2025-26/राजकाज 19759384 दिनांक :- 06/01/2026

ई-निविदा सूचना संख्या :- 07 जोन-MLALAD/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदार से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद एवं ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। NIB CODE:- JOD2526A0228
UBN No.:- JOD2526WSOB00510
राज.संवाद/सी/25/17197 अधिशाषी अभियंता (MP-MLALAD)

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner
क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2025-26/923 - 933 दिनांक :- 05/01/2026

निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2025-2026

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। UBN No.: VAU2526WLOB00094
राज.संवाद/सी/25/17203 भू-सम्पदा अधिकारी

स्मैक तस्करी के दो आरोपी पकड़े

कोटा । नशे के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन गरूड़व्यूह के तहत उद्योग नगर पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्यवाही करते हुए एक लग्जरी कार से अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित महिला और एक आरोपी पुरूष को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों के पास से पुलिस टीम अवैध मादक पदार्थ 72.47 ग्राम स्मैक एवं 9 लाख 75 हजार नकद राशि बरामद की है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये ऑपरेशन गरूड्व्यूह अभियान चलाया जा रहा है।

शहर एसपी ने बताया कि उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह मय जाप्ता दांई मुख्य नहर फोरलेन के स्लीपलेन उम्मेदगंज रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस की नाकाबंदी को देखकर एक कार चालक ने अचानक से ब्रेक लगाये और कार को वापस फोरलेन की तरफ घुमाया, मौके पर मौजूद पुलिस टीम को संदेह होने पर पुलिस टीम ने कार का पीछा कर आगे घेराबंदी कर कार को रूकवाया।

वन क्षेत्र में पेड़ काटने के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

माण्डलगढ़। माण्डलगढ़ में मोहनपुरा वन खण्ड में स्थित सतबड़ी आरक्षित वन क्षेत्र में खैर पेड़ों की अवैध कटान करने वालों पर वन विभाग ने शिकंजा कसते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। वन विभाग द्वारा अवैध पेड़ कटान एवं अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत माण्डलगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी मनेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने वनपाल नाका मोहनपूरा में दबिश देकर खैर के पेडों की अवैध कटार्ड में लिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। वन विभाग ने गिरफ्तार तस्करों से 2.10 लाख का जुर्माना वसूला है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय तस्करों में हडकंप मच गया है। वन विभाग ने जंगल से लकड़ी काट कर बेचने ओर खरीददार को शिकंजे में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। तस्करों ने अपना जुर्म स्वीकार किया हैं।

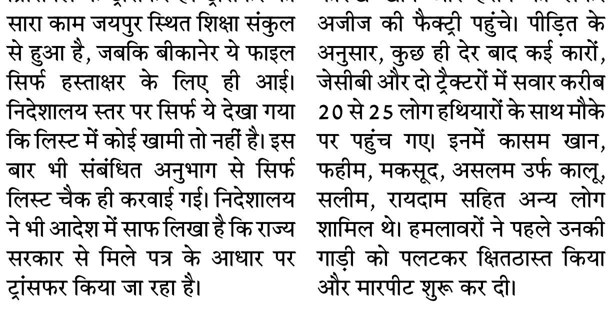

माण्डलगढ़ में वन क्षेत्र में पेड़ काटने के आरोप में 5 आरोपियों को वन विभाग ने पकड़ा हैं।

- 2.10 लाख की जुर्माना राशि वसूल की
- राजस्व भूमि में लम्बे समय से पेड़ काट कर मोटी कमाई कर रहा था गिरोह
- लकड़ियों से मिली राशि को मौज मस्ती में उड़ा रहे थे वन तस्कर

क्षेत्रीय वन अधिकारी विमल रैगर बिजौलिया ने बताया कि आरक्षित वनखंड सतबडी में 1 जनवरी को रात अंधेरे का फायदा उठाकर 2 कीमती खैर के पेड़ अवैध रूप से काटे गए थे। सूचना मिलते ही वन विभाग हरकत में आया और गहन जांच ओर मुखबिरी तंत्र से सुराग हाथ लगने के बाद मंगलवार को इस कार्रवाई को अंजाम देकर आरोपियों तक टीम पहुंची हैं। दिया। वन विभाग की टीम ने लकड़ी के खरीददार मोहम्मद आजम पिता मुबारिक निवासी बीगोद, वन क्षेत्र से अवैध पेड़ कटाई के आरोप में बाबू पिता फोरू दरोगा. रोशन पिता रामप्रसाद दरोगा, ईश्वर पिता उदा दरोगा एवं सोराज पिता गोपी मीणा निवासी मोहनपूरा को राजस्थान वन अधिनियम की धारा 1953 के तहत गिरफ्तार किया हैं।

वन विभाग ने पांचों आरोपियों से खैर के पेड़ काटने व तस्करी के मामले में 2 लाख 10 हजार राशि का जुर्माना वसूला किया हैं। माण्डलगढ़ रेंजर मनिंदरपाल सिंह ने कहा कि आरक्षित वन क्षेत्रों में अवैध पेड़ कटान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा।

कैटरिंग स्टॉल का उद्घाटन

कोटा । रेल यात्रियों की सुविधा, स्वच्छता एवं बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कोटा मंडल द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना एवं स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से आवंटित कैटरिंग स्टॉलों का उद्घाटन किया गया। इन कैटरिंग स्टॉलों का उद्घाटन एक यात्री बालक द्वारा किया गया, जो रेलवे की यात्री-केंद्रित एवं मानवीय सोच को दर्शाता है। इस अवसर पर वरिष्ङ्घ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक किशोर कुमार पटेल उपस्थित रहे। यात्रियों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कोटा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 12 कैटरिंग स्टॉलों का आवंटन किया गया है। इनमें कोटा स्टेशन पर 5, सवाई माधोपुर स्टेशन पर 2, भरतपुर स्टेशन पर 1, रामगंजमंडी स्टेशन पर 1, भवानीमंडी स्टेशन पर 2 तथा बूंदी स्टेशन पर 1 कैटरिंग स्टॉल शामिल है। इन स्टॉलों के माध्यम से प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधाजनक खानपान सेवा उपलब्ध होगी।

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / निर्माण / 2025-26 / 141 दिनांक 05.01.2026

ई- निविदा-सूचना सं0 171/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 35.00 लाख
UBN Number DLB2526WSOB29390
राज.संवाद / सी / 25 / 17179
आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2414165, 2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262 ई.मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com
क्रमांकः- गैराज / ननिउ / 2025-26 / 1107 दिनांक :- 05.01.2026

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 09 /2025-2026

नगर निगम के विभिन्न कार्यो हेतु ट्रेक्टर मय वाटर टेंकर एक वर्ष के लिए उपलब्ध कराने का कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 25.00 लाख रू. है। बिड से संबंधित विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा की प्रारंभ तिथि 06.01.2026, अंतिम तिथि 13.01.2026 एवं निविदा खुलने की तिथि 14.01.2026 है।
UBN NO. UNP2526GLRC00130
अधिशाषी अभियन्ता (यांत्रिक) नगर निगम उदयपुर
आयुक्त नगर निगम उदयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 17185

जागरूकता कार्यशाला आयोजित

जयपुर। राज्य सरकार के परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग राजस्थान की ओर से 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सचिव परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग श्रीमती शुचि त्यागी तथा आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा के निर्देशन में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, जयपुर द्वितीय (विद्याधर नगर परिसर) में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला परिवहन अधिकारी अतुल कुमार शर्मा ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित एवं अनुशासित ड्राइविंग व्यवहार को प्रोत्साहित करना है।

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जन-धन की हानि को रोकने के लिए विभाग निरंतर जागरूकता, प्रशिक्षण एवं प्रभावी प्रवर्तन के माध्यम से कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा नियमों, हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व, गति नियंत्रण, लेन अनुशासन, मोबाइल का उपयोग न करने, नशे में वाहन न चलाने, ओवरलोडिंग से बचाव तथा वाहन फिटनेस एवं मेंटेनेंस जैसे विषयों पर जागरूकता व्याख्यान दिया गया।यह व्याख्यान निरीक्षक दिनेश सिंह, राजेश चौधरी एवं जिला परिवहन अधिकारी अतुल कुमार शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया।

डिजिटल क्रांति से नागरिक सेवाएं बनीं त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट में तीसरे दिन मंगलवार को नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आईटी के माध्यम से शहरी शासन की पुनर्कल्पना विषय पर प्रभावशाली संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राजस्थान सरकार तकनीक आधारित, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शहरी प्रशासन की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

मंत्री खर्रा ने कहा कि यूनिक प्रॉपर्टी आईडी की पहल से नागरिकों को बार-बार केवाईसी कराने की बाध्यता से मुक्ति मिली है।

आधार आधारित ई-केवाईसी और ई-नगर प्रणाली के माध्यम से सेवाएं अब पूरी तरह डिजिटल हो चुकी हैं, जिससे पहले मैन्युअल प्रक्रियाओं में होने वाली मानवीय त्रुटियों की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। उन्होंने बताया कि अब पट्टों से संबंधित

राजस्थान डिजिफेस्ट में तीसरे दिन नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आईटी के माध्यम से शहरी शासन की पुनर्कल्पना विषय पर प्रभावशाली संबोधन दिया।

कार्यों के लिए नागरिकों को जयपुर विकास प्राधिकरण के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है।

यूडीएच मंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) को राज्य की सभी विकास प्राधिकरणों के लिए रोल मॉडल बताया और कहा कि जेडीए ने तकनीकी नवाचारों के माध्यम से सुशासन का प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

निवेश के परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए खर्रा ने कहा कि राजस्थान अब केवल एमओयू साइनिंग राज्य नहीं, बल्कि एमओयू एक्जीक्यूशन राज्य बन चुका है। यही कारण है कि निवेशकों में राज्य के प्रति विशेष विश्वास और रुचि है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रदेश में 400 से अधिक एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं, जिनसे 37,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर मंचासीन प्रमुख अधिकारियों में देबाशीष पृष्टी, प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन, निशांत जैन, सचिव, जयपुर विकास प्राधिकरण, ललित गोयल, आयुक्त, यूआईटी भीलवाड़ा तथा रामजी भाई कलबी, उप आयुक्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण उपस्थित रहे।

- **यूनिक प्रॉपर्टी आईडी, ई-नगर प्रणाली और आधार आधारित ई-केवाईसी से नागरिकों को मिली बार-बार केवाईसी से मुक्ति- नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री**

कार्यक्रम में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की आईटी आधारित पहलों ने शहरी शासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिकों के अनुकूल बनाया है तथा यह मॉडल आने वाले समय में देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

पेपर लीक के ईडी केस की चार्जशीट हाईकोर्ट में पेश करने के लिए प्रार्थना पत्र

जयपुरी। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक से जुड़े मामले में चल रही सुनवाई में प्रार्थी पक्ष ने प्रार्थना पत्र पेश कर ईडी की ओर से पेश चार्जशीट को हाईकोर्ट में तलब कराने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया है। कैलाश चन्द्र शर्मा ने यह प्रार्थना पत्र पर हाईकोर्ट की खंडपीठ में अमर सिंह व अन्य की अपील में पेश किया है। इस पर हाईकोर्ट की खंडपीठ बुधवार को सुनवाई करेगी।

मामले से जुडे अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने बताया कि प्रार्थना पत्र में बताया कि आरपीएससी की ओर से आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के साक्षात्कार में बडे पैमाने पर गडबडियां हुई है। वहीं आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा ने भी ईडी को दिए बयानों में माना है कि उसने सदस्य बनने के लिए 1.20 करोड रुपए की डील की थी और इसके लिए दो बार में 40 लाख रुपए नकद डूंगरपुर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश खोडनिया के सहयोगी को दिए थे। वहीं कटारा को

- **सुनवाई में प्रार्थी पक्ष ने प्रार्थना पत्र पेश कर ईडी की ओर से पेश चार्जशीट को हाईकोर्ट में तलब कराने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया**

आरपीएससी सदस्य बनाने के लिए कई प्रभावशाली लोगों ने भी सिफारिश की थीं। कई प्रतियोगी परीक्षाओं के साक्षात्कार के दौरान उन्हें कई प्रभावशाली लोगों की ओर से मदद की सिफारिश की जाती थी। यह सिफारिशें चेयरमैन व सदस्यों के पास भी आती थी। ऐसे में स्पष्ट है कि आरपीएससी की ओर से आयोजित की गई भर्ती परीक्षाओं के साक्षात्कार में गडबडी हुई है। इसलिए ईडी की ओर से जांच के बाद पेश चार्जशीट को अदालत में पेश किया जाए।

राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 8 जनवरी से आरपीए में होगा

जयपुर। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने वाली डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस के अनुक्रम में इस बार राज्य स्तर पर राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में मुख्यमंत्री राजस्थान भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में 8 व 9 जनवरी को डीजी-आईजी सम्मेलन आयोजित होगा। दो दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन का यह आयोजन राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में आईआईएम छत्तीसगढ रायपुर में आयोजित 60 वें राष्ट्र स्तरीय डीजी-आईजी पुलिस सम्मेलन के परिणाम व सिफारिशों के क्रम में आयोजित होगा। जिसमें सभी जिलों के एसपी,सभी रेंज आईजी जयपुर मुख्यालय पर पदस्थापित सभी वरिष्ठ अधिकारी इसमें प्रतिभागी होंगे। दो दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्रीय स्तर के जाने-माने विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे, चिंतन मनन करेंगे तथा पुलिस व्यवस्था के महत्त्वपूर्ण विषय व विकसित भारत में पुलिसिंग के विषयों पर मंथन होगा।

सहकारिता मंत्रालय की जोनल रिव्यू कॉन्फ्रेंस 8 एवं 9 जनवरी को उदयपुर में होगी

केन्द्र और राज्यों के कार्यों की होगी समीक्षा, सहकारिता क्षेत्र की प्रगति पर होगा मंथन

जयपुर/उदयपुर । सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 8 एवं 9 जनवरी को उदयपुर में दो दिवसीय जोनल रिव्यू कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र में केंद्र एवं राज्यों द्वारा संचालित विभिन्न पहलों की प्रगति की समीक्षा करना तथा भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श करना है।

कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी संबोधित करेंगे जबकि, राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास वीसी के माध्यम से उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर सहकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव (सीटीपी प्रभाग) द्वारा विषय पर ओवरव्यू प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा तथा सहकारिता विभाग, राजस्थान की शासन सचिव द्वारा स्वागत उद्बोधन होगा। सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां आनन्दी ने बताया कि दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर आधारित कुल 12 सैशन्स होंगे। सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही देश के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से सहकारिता विभाग के सचिव एवं रजिस्ट्रार इस कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। समापन सत्र के बाद 9 जनवरी को प्रतिभागियों द्वारा राजसमन्द एवं उदयपुर जिले में सहकारी संस्थाओं एवं एफपीओ का भ्रमण किया जाना प्रस्तावित है। प्रैक्स द्वारा दी जा रही अतिरिक्त सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। सहकारी बैंकिंग को सशक्त बनाने के लिए एनयूसीएफडीसी, सहकार सारथी, आधार सीडिंग, डिजिटल भुगतान, डोर-स्टेप बैंकिंग, नई शाखाओं के विस्तार एवं आधुनिक बैंकिंग सेवाओं पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, राष्ट्रीय स्तर पर गठित तीन बहुराज्यीय समितियों बीबीएसएसएल, एनसीओएल एवं एनसीईएल की सदस्यता तथा श्वेत क्रांति 2.0 की प्रगति पर भी विचार किया जाएगा।

- **सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी व देश के सभी राज्यों/ केन्द्र शासित प्रदेशों से सहकारिता विभाग के सचिव एवं रजिस्ट्रार होंगे शामिल**

आनन्दी ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के एक महत्वपूर्ण सत्र में राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के सुदृढ़ीकरण एवं बहु-राज्य सहकारी समितियों से संबंधित सुधारों पर संवाद आयोजित किया जाएगा।

धार्मिक तीर्थ यात्रा पर भेजने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धार्मिक तीर्थ यात्रा पर भेजने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच के अनुसार आरोपी पर फर्जी हवाई टिकट देकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उमराह (धार्मिक तीर्थ यात्रा) पर भेजने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले मोईनुद्दीन जुबैर भाटी (28) निवासी ख्वास जी का रास्ता सुभाष चौक जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने स्थानीय इलाके में ई-मित्र की दुकान खोल रखी थी और उसी की आड़ में लोगों को धार्मिक यात्रा के

ठगी करने वाले मोईनुद्दीन जुबैर भाटी निवासी ख्वास जी का रास्ता सुभाष चौक जयपुर को गिरफ्तार किया।

टिकट उपलब्ध कराने का झांसा देता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने करीब 35 से 40 लाख रुपए तक की राशि लोगों से वसूल की। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य पीड़ितों व संभावित सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। थानाधिकारी कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि 2 जनवरी को पीड़ित शाहनवाज निवासी रामगंज जयपुर सहित 8-9 अन्य व्यक्तियों ने थाने में मामला दर्ज कराया था कि मोईन और मुब्बशीर निवासी ख्वाजा जी का रास्ता ने स्वयं को अधिकृत ट्रेवल एजेंट और टिकट बुकिंग सेवा प्रदाता बता कर उमराह यात्रा के इच्छुक लोगों से नकद, बैंक ट्रांसफर और ऑनलाइन माध्यम से बड़ी रकम वसूल की। आरोपियों ने उन्हे उमराह यात्रा के लिए फर्जी हवाई टिकट उपलब्ध कराए,जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन कार्रवाई करते हुए आरोपी मोईनुद्दीन जुबैर भाटी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम लागू करने के लिए अब तक क्यों नहीं बनाए नियम : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव और अतिरिक्त स्वास्थ्य सचिव को नोटिस जारी कर पूछा है कि स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम, 2022 को लागू करने के लिए अब तक नियम क्यों नहीं बनाए गए हैं। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा ने यह आदेश नरेन्द्र कुमार गुप्ता की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रेम किशन शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम, 2022 बनाया है। जिसमें प्रदेश के निवासियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। इस कानून को बताए करीब ढाई माह से अधिक का समय बीत चुका है। इसके बावजूद भी इस अधिनियम को लागू करने के लिए अभी तक नियम नहीं बनाए गए हैं। ऐसे में अधिनियम के कल्याणकारी प्रावधानों का लाभ आमजन को नहीं मिल पा रहा है। याचिका में कहा गया कि संबंधित नियमों के अभाव में स्वास्थ्य सेवाओं की न तो सीमा स्पष्ट है और ना ही अस्पताल व प्रशासन की जिम्मेदारी का निर्धारण हो रहा है। याचिका में सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि प्रदेश में पचास फीसदी से अधिक मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं। जिससे उनकी जेब से भारी खर्च होता है। इसके अलावा स्वास्थ्य की लागत से देशभर की करीब सात फीसदी आबादी प्रतिवर्ष गरीबी की ओर जा रही है। प्रदेश में यदि इस अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आमजन को काफी राहत मिलेगी।

मोबाइल बस, रात्रि केंद्र और विशेष कार्यक्रमों से जुड़ेगा शिक्षा अभियान

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा घुमन्तु जाति, गड़िया लुहार समाज, स्लम एवं सांसी बस्तियों में निवासरत बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए गए हैं। इन एमओयू के माध्यम से वंचित और प्रवासी समुदायों के बच्चों की शैक्षिणक पहुंच सुनिश्चित करने के साथ-साथ ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। इन पहलों का उद्देश्य ऐसे बच्चों तक शिक्षा पहुंचाना है, जो स्थायी विद्यालय व्यवस्था से अब तक नहीं जुड़ पाए हैं।

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल की अध्यक्षता में सेवा भारती समिति राजस्थान एवं रमेश शिक्षा फाउंडेशन के साथ ये एमओयू संपन्न हुए। दोनों संस्थाएं बच्चों की पहचान, नामांकन, विद्यालय से निरंतर जुड़ाव एवं

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल की अध्यक्षता में एमओयू संपन्न हुए।

शैक्षिणक सहयोग के माध्यम से शिक्षा विभाग के प्रयासों को सशक्त बनाएंगी।

इस अवसर पर अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक सीमा शर्मा, उपायुक्त सुमन देवी, सहायक निदेशक डॉ. स्नेहलता शर्मा, सेवा भारती समिति राजस्थान के अध्यक्ष रामबाबू गुप्ता, रमेश शिक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष अंकुश गुप्ता सहित उदयसिंह कुंतल एवं मूलचन्द्र सैनी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

- **घुमन्तु और गड़िया लुहार समाज के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ेगा शिक्षा विभाग**
- **वंचित और प्रवासी समुदायों के बच्चों के लिए शिक्षा विभाग की पहल**

शिक्षा विभाग का यह प्रयास शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे समाज के हाशिए पर रहने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़कर उनके भविष्य को सशक्त बनाया जा सकेगा। एमओयू के अंतर्गत सेवा भारती समिति राजस्थान द्वारा घुमन्तु जाति, गड़िया लुहार समाज, स्लम एवं सांसी बस्तियों में रहने वाले बच्चों को मोबाइल बसों एवं रात्रि शिक्षण केंद्रों के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यालयों को अधिक चाइल्ड फ्रेंडली बनाने हेतु मिट्टी की प्रयोगशाला, डिजिटल एवं स्मार्ट कक्षाएं विकसित की जाएंगी तथा वेस्ट मैनेजमेंट से लर्निंग मटेरियल तैयार किया जाएगा।

इसके साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य के रिक्त अथवा अनुपयोगी भवनों में स्किलिंग एवं एजुकेशन सपोर्ट सेंटर स्थापित कर शिक्षा के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। ड्रॉपआउट दर कम करने के लिए छह माह के विशेष कैंप एवं शिक्षा पुनर्संयोजन कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

ट्रेन से गिरने से रेलवे कर्मचारी की मौत

कोटा, (निसं)। केश्वरायपाटन थाना क्षेत्र में चलती टेन से गिरने से रेलवे कर्मचारी की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार रेलवे में टैक्नीशियन के पद पर तैनात कर्मचारी केशवरायपाटन इलाके में चलती टेन से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

ट्रेन से गिरने की सूचना पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेन से गिरकर घायल हुए युवक को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। जीआरपी पुलिस ने बताया कि कोतवाली गंगापुर सिटी निवासी भरत गुर्जर जो चेन्नई स्थित रेलवे में टेक्श्नीशियन के पद पर कार्यरत थे। छुट्टी के चलते घर पर आये हुए थे। तीन जनवरी को जयपुर-चैन्नई एक्सप्रेस से चैन्नई जाते समय केश्वराय पाटन में चलती टेन से गिरकर घायल हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई।

सार-समाचार

दुपहिया वाहन चुराने वाला शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस थाना गलता गेट ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी का एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि पुलिस थाना गलता गेट ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक वाहन चोर फरीद नकवी (27) निवासी मालपुरा जिला टोंक हाल गलता गेट को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है और नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। मामले में आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

2026 के कैलेंडर का विमोचन

जयपुर। ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे एम्प्लाइज एसोसिएशन, उत्तर पश्चिम रेलवे के नववर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन अमिताभ, माननीय महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। विमोचन के अवसर पर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ज़ोनल सचिव-उत्तर पश्चिम रेलवे बी. एल. बैरवा एवं जोनल अध्यक्ष टीकाराम मीना सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर। शहर के प्रतापनगर थानाक्षैत्र में सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर जेवरात व नकदी चुराले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित विक्रमसिंह पुत्र अमरसिंह चौहान निवासी नाकोड़ानगर प्रथम ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 4 जनवरी को परसादी होने से गांव गया था दूसरे दिन लौटा तोमकान का ताला टूआ हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो सोने के दो तोला जेवरात व 1 लाख रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण जर्द करवाया।

लाखों की नकदी हडपी

उदयपुर। सुखेर थाना पुलिस ने कंपनी के केशियर के खिलाफ लाखों की नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित नमन जोशी पुत्र हेमन्त जोशी निवासी नेला सेक्टर 14 गोवर्धन विलास हॉल यशांता सकोड़ा कर्मचारी ने कंपनी के केशियर जयपुर नगर पुरोहित जयपुर निवासी अजय कुमार बुनकर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी जय जुलाई 25 से कमपनी में केशियर पद पर काम करता था। गत दिनों आरोपी कंपनी में प्राप्त 21 लाख65 हजार रूपये नकदी कंपनी खाते में जमा नहीं करवा लेकर फरार हो गया। इसका पता चलने पर तलाश की लेकिन सुराग नहीं लगा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सामान व नकदी चोरी

उदयपुर । शहरके गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में अज्ञात चोर सूने मकान से सामान व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र सूरजपोल थाना क्षैत्र में पान की दुकान से चोर सामान व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित देवाली निवासी हेमेन्द्र कटारा पुत्र जीवतराम ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। कि 2 जनवरी को मैं डूंगरपुर गया था एवं चार दिन बाद लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो गैस सिलेण्डर, पंखे, सहित घरेलू सामान तथा 2 लाख रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इसी तरह सूरजपोल थाना क्षैत्र गुलाबबाग रोड़ पर स्थित टीकम पान वाले की दुकान का 5 जनवरी रात में अज्ञात चोर दरवाजा तोड़ कर बीड़ी,सिगरेट, गुटखा सहित करीब एक लाख रूपये का सामान तथा गल्ले से 2 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। मंगलवार सवेरे इसकी सूचना मिलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

जयपुर/उदयपुर। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ पीडिता के साथ धोखाधड़ी करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित सुनिल पुत्र पितुराम शर्मा निवासी मातेश्वरी नगर बेदला बडगांव लिंक रोड़ बडगांव ने आरोपी कमला डांगी पत्नी गोपीलाल शर्मा नामक महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि आरोपियों के साथ व्यापारी कारोबा था । जिसका वर्ष 2023 में हिसात किताब हो गया तथा लिखा पढ़ी भी कर ली इसके बावजूद 15 अक्टूबर 25 को आरोपी ने मेरे नाम का चैक में नकदी भर कर बैंक में प्रस्तुत कर दिया। बैंक से सूचना मिलने पर इसका खुलासा हुआ।

धोखे से नकदी हडपी

जयपुर। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने महिला के खिलाफ उधार दी गई नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित गिरधारीलाल पुत्र व्यापारीमल छाबड़ा निवासी गांधीनगर मल्लातलाई ने आरोपी निशा पत्नी फिरोद खां पुत्री शफी मोहम्मद निवासी एसबी नगर फैक्ट्री के सामने सविना के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि परिचय होने से आरोपी को 1 लाख 80 हजार रूपये उधार दिए। बदले में आरोपी ने चैक दिया जो निर्धारित समय पर बैंक में प्रस्तुत करने गया तो बैंक द्वारा कारोबार बंद करने का पता चला। इस पर संपर्क किया तो आरोपी ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

युवक ने की आत्महत्या

जयपुर। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र शिकारवाड़ी रेजीडेंसी निवासी गौरव (39) पुत्र नरेन्द्र सक्सेना ने सोमवार रात में अपने फ्लेट में फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरूकी।

हादसे में युवक की मौत

जयपुर। नाई थाना क्षेत्र में राह चलते युवक को जीप ने चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सांय नाई थाना क्षेत्र उभेश्वरजी घाटे में जीप ने राह चलते युवक डोडावल7ी नाई निवासी लालुराम पुत्र उदाजी को चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल दिनेश ने मौके पर पहुंच कर हादसे में गंभीर घायल होने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई। इस पर हेडकांस्टेबल संदीप ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। लालूराम पैदल पैदल उबेश्वर के घाटे में जा रहा था। इसी दौरान उदयपुर की तरफ से उबेश्वर जा रहे जीप के चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाल चालक जीप लेकर फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

National Tempura Day: A Crispy Celebration of Japanese Cuisine

National Tempura Day honours the art of tempura, a beloved Japanese dish of lightly battered and deep-fried seafood, vegetables, and more. The day encourages food enthusiasts to explore the delicate balance of crispiness and flavor that tempura offers, whether at home or in restaurants. Celebrations can include cooking tempura using fresh ingredients, pairing it with traditional dipping sauces, or enjoying it at local Japanese eateries. Beyond being a culinary treat, the day also highlights Japanese culture, culinary techniques, and the joy of sharing delicious, golden-battered creations with family and friends.

#PAPACY

The Great Western Schism

A Major Crisis in the Catholic Church

The Great Western Schism, also known as the Papal Schism, was one of the most profound crises in the history of the Catholic Church. It lasted from 1378 to 1417 and involved multiple claimants to the papacy, dividing Christendom politically, spiritually, and geographically. The schism weakened the authority of the papacy and contributed to the conditions that later encouraged calls for church reform.

Background: The Avignon Papacy

The roots of the schism lay in the Avignon Papacy (1309-1377), during which the popes resided in Avignon, France, rather than in Rome. This period, sometimes referred to as the 'Babylonian Captivity of the Church,' was marked by growing resentment across Europe, especially among Italians, who felt that the papacy had become subservient to French interests. When Pope Gregory XI finally returned the papal seat to Rome in 1377, his death the following year reignited tensions about where the papacy should reside and who should lead it.

The Division Begins: Two Popes

In 1378, after Gregory XI's death, the Roman populace demanded an Italian pope to ensure that the papacy remained in Rome. Under intense pressure, the cardinals elected Urban VI, an Italian. However, Urban's harsh and reform-minded leadership alienated many cardinals, who soon declared his election invalid, claiming it was made under duress.

They then elected Clement VII, who reestablished a papal court in Avignon. The result was two rival popes, each claiming to be the legitimate head of the Church, one in Rome and one in Avignon.

Europe Divided

The schism split Europe along political and national lines:

- France, Scotland, Spain, and parts of southern Italy supported the Avignon papacy.
- England, the Holy Roman Empire, and northern Italy supported the Roman pope.

This division was not only theological but also deeply political, as monarchs often aligned with the pope who best served their national interests.

Attempts at Resolution

Numerous efforts were made to resolve the schism. The most notable was the Council of Pisa (1409), which attempted to end the division by deposing both existing popes and electing a new one, Alexander V. However, neither of the original popes accepted this decision, resulting in three rival popes instead of two. The crisis finally came to an end under Emperor Sigismund's initiative at the Council of Constance (1414-1418). The council deposed or accepted the resignation of all claimants and elected Pope Martin V in 1417, restoring unity to the Church.

Consequences and Legacy

The Great Western Schism gravely damaged the prestige and moral authority of the papacy. Many Christians grew disillusioned with the Church's political entanglements, leading to widespread calls for reform. The schism also strengthened the idea of conciliarism, the belief that Church councils held authority over the pope, a notion that would influence later church debates and reform movements. Ultimately, while the election of Martin V restored papal unity, the wounds left by nearly four decades of division never fully healed. The schism's legacy echoed into the Protestant Reformation of the sixteenth century, as reformers challenged the Church's structure and authority.

The Great Western Schism (1378-1417) was more than a conflict over leadership, it was a profound spiritual and institutional crisis that reshaped the medieval Church. By exposing the vulnerability of papal authority to politics and human ambition, it marked a turning point in the history of Western Christianity and set the stage for the transformative religious movements that followed.

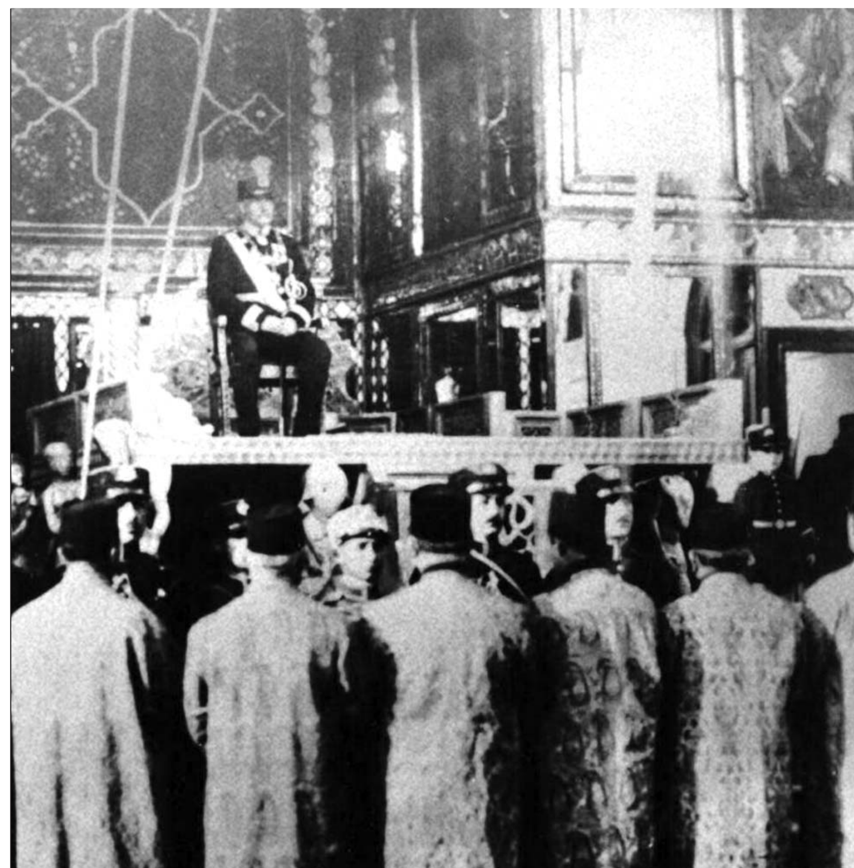

Birth of the Pahlavi Dynasty

PART:1

"In the name of the welfare of the people of Iran, Parliament hereby declares the abolition of the Qajar Dynasty. It, within the bounds of the Constitution and other prevailing laws of Iran, entrusts the provisional government to Reza Khan." *The official order abolishing the Qajar dynasty - 1925.* As soon as these words were spoken, multiple protocols, put forth by the prime minister, got activated. Reza Khan, the soon-to-be king, resigned from his prime minister position. Mohammad Foroughi, the finance minister of his government, became the acting prime minister. The Minister of Interior informed all provinces and their governors of the new ruling of Majlis and the change in political systems. The foreign minister did the same but for all foreign allegations. While the government was busy with its bureaucracy, the army took over the royal palaces. They got rid of all relics of the Qajar rule and evicted all its residents. One of the residents was Mohammad Hassan Mirza, the brother of Ahmad Shah and Prince Regent.

Bulbul Joshi

Reza Khan sat at his desk, unmoving, lost in thought as the hours slipped by. The weight of his decision pressed down on him.

The decision was not one that would alter the fate of the nation or shift the tides of his regime. Yet, for him, it carried more weight… This was a personal issue for him. A choice that would reverberate through generations, carving its place into the legacy of his bloodline.

Reza Khan had to pick a name.

Ancient Naming Traditions in Iran

Throughout the Qajar dynasty, Iranians, much like the ancient Arab world, had a peculiar naming system.

They identified themselves through traditional methods rooted in lineage, occupation, geography, religion, or tribal affiliations. In a largely oral culture with decentralized governance, people did not require fixed family names for identification. Instead, they relied on patronymic customs, referring to someone by their father's or ancestor's name. In other cases, a person's profession shapes their identity. Individuals were commonly known by their trade or craft, like 'Najjar' (carpenter) or 'Attar' (herbalist). Religious titles also played a significant role in naming conventions. For example, those who completed the pilgrimage to Mecca earned the honorific 'Hajji.' Or alleged descendants of the Prophet Muhammad were given the revered title 'Sayyed.' Among tribal communities, particularly in rural areas, individuals identified themselves by their tribal affiliation. Such as belonging to the Bakhtiari, Qashqai or Qajar tribes. These systems were deeply embedded in Iran's pre-modern social fabric.

Portrait of Mohammad Ali Foroughi (1877-1942).

Within the noble and elite community, awarded titles were a significant part of the traditional naming system. These titles, often granted by the monarchy, served not only as markers of social status but also as symbols of power and political privilege. Individuals from influential families or those who served in high-ranking administrative or military roles were awarded titles that reflected their rank, responsibilities, or favour with the ruling monarch.

For example, 'Qavam al-Saltaneh' meant 'Strength of the Monarchy.' It was a prestigious honorific given to one of Ahmad Shah's prime ministers. Or 'Sardar Sepah' which meant commander of the army and was awarded to Reza Khan himself.

Titles like this were often hereditary or remained attached to influential individuals across generations, becoming informal family identifiers.

Iran's Shift to Standardized Surnames

However, this patchwork of identification methods posed challenges for modern governance and record-keeping. The lack of standardized surnames became a barrier to implementing state institutions and reforms, which required more systematic control.

On May 5th, 1925, the parliament approved a broad and important piece of legislation. Through this law, all titles, civilian, trade-related, religious and pseudo-military were revoked. All Iranians, old and young, were now required to select a family name. A surname that would continue through their generations and be used as their tracking ID by the newly established registrar officers.

In the past decade, the titles awarded to individuals for various reasons had become so many and so unnecessary that they have lost all their significance and meaning. Anyone could get an honorary title from the Qajar kings by donating some gold and doing a favour for the monarchy. Or simply delighting the kings in any way. The Law of 'Identity and Personal Status' aimed at curbing this unnecessary overuse of prestigious titles. It was about grounding the nation into a more structured system of recognition. Reza Khan himself had decided to give up on the 'Sardar Sepah' title to set an example.

But now, he had to pick a family name. One that would reverberate through generations, carving its place into the legacy of his bloodline.

Iranians in the Qajar dynasty.

Reza Khan Chooses His Legacy

After hours of deliberation, he settled on a name.

The name embodied centuries of history, tradition and prestige. It was an ancient language that the old kings of Persia spoke. The name aligned with Reza's nationalistic vision and his goal to revert his country to its past golden glory.

It was a name that Reza hoped one day would rule the country. This time not based on tribal affiliation, religious beliefs or ethnic belongings, but on pure personal ambition. One that would reflect the rise of a simple soldier who had united a shattered country out of chaos.

The prime minister signed the papers with his new name.

He glanced at the drying ink that reflected his new identity.

Reza of the House Pahlavi.

#RULE

Members of Iran's Fifth National Consultative Assembly (Majlis).

The Aftermath: The Day After the Fall of the Qajar Dynasty

On October 31, 1925, Majlis with an overwhelming majority, voted to abolish the Qajar dynasty.

"In the name of the welfare of the people of Iran, Parliament hereby declares the abolition of the Qajar Dynasty. It, within the bounds of the Constitution and other prevailing laws of Iran, entrusts the provisional government to Reza Khan."

The official order abolishing the Qajar dynasty - 1925.

As soon as these words were spoken, multiple protocols, put forth by the prime minister, got activated. Reza Khan, the soon-to-be king, resigned from his prime minister position. Mohammad Foroughi, the finance minister of his government, became the acting prime minister. The Minister of Interior informed all provinces and their governors of the new ruling of Majlis and the change in political systems. The foreign minister did the same but for all foreign allegations.

While the government was busy with its bureaucracy, the army took over the royal palaces. They got rid of all relics of the Qajar rule and evicted all its residents. One of the residents was Mohammad Hassan Mirza, the brother of Ahmad Shah and Prince Regent.

The Exile of the Crown Prince: Mohammad Hassan Mirza's Fate

After Ahmad Shah's departure from Iran, Mohammad Hassan Mirza, the prince regent, took residence in Golestan Palace and began calling it his home.

Golestan Palace, located in Tehran, was the official residence of the Qajar kings and a symbol of their authority. Originally built in the 16th century and expanded in the 19th, it served as the center of government and the royal court. Believing himself to be the rightful heir to the throne, Mohammad Hassan Mirza claimed the palace as his own. This belief was further reinforced when Ahmad Shah abandoned plans to return to Iran.

As soon as the abolishment of the Qajar dynasty, Reza Khan wasted no time demanding that the prince regent be thrown out of the palace and ordered him to leave the country. The prince regent didn't have a great relationship with Reza Khan but he requested an audience with him before his departure.

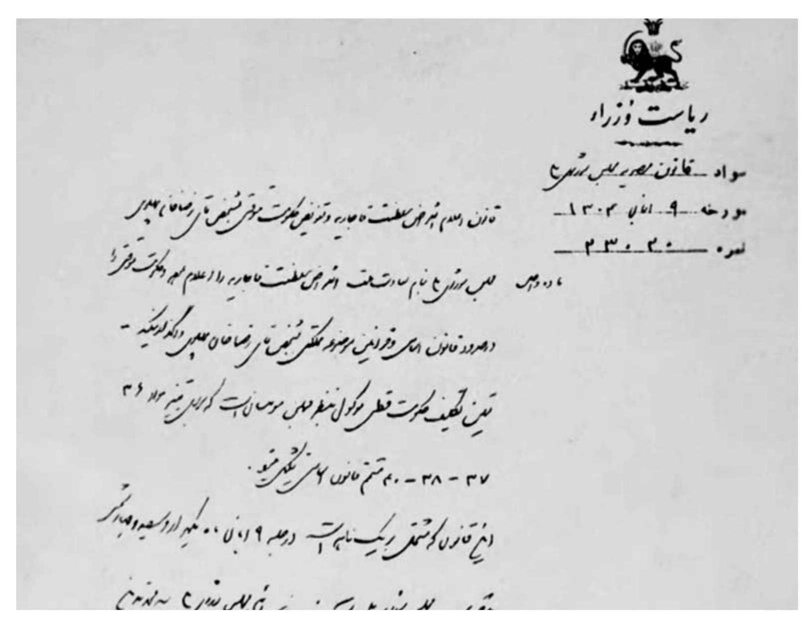

The official order abolishing the Qajar dynasty - 1925.

Members of the Constituent Assembly - December 1925.

Reza Khan refused.

The Crown Prince was escorted by guards into a car. He was taken to the border of Iraq. He pleaded that the government owed him 20 thousand tomans, around $450,000 in today's money. Reza Khan settled on giving him 5 thousand tomans, a quarter of that amount.

His forces shortly deported Mohammad Hassan Mirza to Iraq, where he travelled to Paris to meet his brother.

The Public's Indifference to Monarchy Change

With that last Qajar prince gone, it was time to switch gears. A three-day official holiday was announced; with streets lit up and fireworks shows on full display at night. The country was finally rid of the Qajars and there was nothing but great things on the horizon. These holidays were announced as a measure to excite the general populous.

Despite Qajar's unpopularity among the people, the masses didn't have great excitement for the change. Some weren't even aware that a change of monarchy was happening!

The everyday Iranians weren't aware of the political games each side played, the constant changes in the government or what the politicians were up to. They respected Reza Khan for his achievements but Reza Khan's strict personality and his stern military appearance made it harder for people to have enthusiasm for him. He wasn't a typical politician, he was older, and thus, the people had to be pursued into liking him.

Reza Khan Sets Out His Vision: Islam and the Welfare of Iranians

On November 2nd, Reza Khan, who now had the title of His Imperial Highness, issued a notice as the head of the provincial government. In it, he mentioned that he had two objectives for his rule. To put into effect the true religious tenets of Islam and to work for the peace of mind and tranquillity of Iranians.

The announcement was another step in garnishing support from the people but it was also a signal to the clergy. It had been 48 hours since the abolishment of the previous regime but the Ulamas of Qom, Najaf and Karbala hadn't announced their position.

Reza Khan wanted to court their approval.

With Qajars out of the country; provincial and international leaders informed of the changes; and the declaration made to people, it was time to make things official. Reza Khan had to establish a Constituent Assembly to officiate his ascend to the throne.

Portrait of Mohammad Hassan Mirza (1899-1943).

What is a Constituent Assembly?

A constituent assembly is a body assembled for the purpose of drafting or revising a constitution. Or in this case, for creating a new political entity to rule the country.

Reza Khan asked Foroughi, the acting prime minister to organize the elections for this chamber. The ministries of War and Interior took all the precautionary methods to make sure that only the qualified candidates could make it through.

For Reza Khan, a qualified candidate was anyone with a guaranteed vote in his favour. All parliament members who had voted in favour of abolishing the previous monarchy became members of the assembly by default.

Urban cities held elections, more distant places had rigged elections and some regions didn't even leave things to chance. The delegates were notified by telegram that they had to show up and represent their region. With elections and non-elections out of the way, the constituent assembly held its inaugural meeting on December 6th, 1925. Reza Khan opened the chamber with a short speech and asked the members to hasten the process so that the country could get back to normalcy.

The Constituent Assembly Convenes

There was no real objection in the assembly. All members were pro Reza Khan. Its job wasn't about selecting him as the next king. It was about making necessary changes to the constitution so that everything would be legitimate and official. As their first order of business, they selected Reza Khan to be the new sovereign of Iran and for the succession of his kingdom to lie in his male descendants in direct line, only if born of an Iranian mother. They also speculated that in the event of no son in the bloodline, the sovereign could designate an heir apparent subjected to parliament's approval. The only exception was that no one of Qajari descent could be chosen for this. Even after their demise, Reza Khan couldn't help but carry his grudge for the previous monarchy.

Out of 260 members of the body, 257 voted in favour of changes to the constitution. Interestingly, the only three abstaining members were those who strongly supported Reza Khan's bid for republicanism a few years earlier. They argued that they were inherently against another monarchy and couldn't support the proposed changes. The only remaining matter was the name of Reza Khan's new dynasty.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

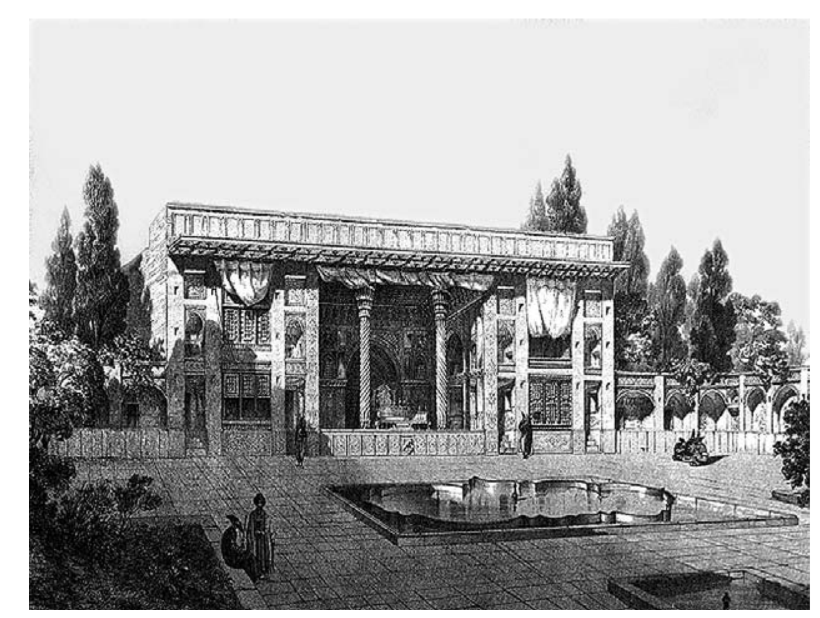

Outside of the Golestan Palace - Qajar Era.

THE WALL

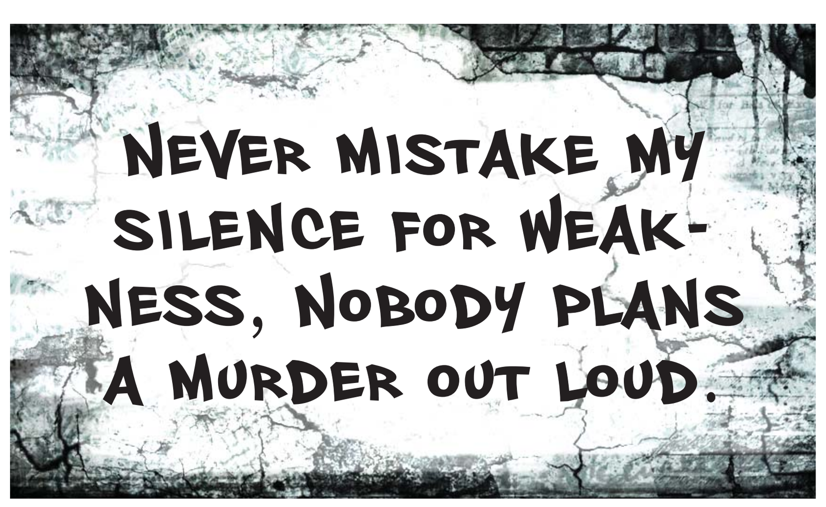

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

कलेक्टर की आधी रात ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई

6 वाहनों को मौके पर ही सीज किया, जुर्माना वसूला

डीडवाना। सड़क सुरक्षा माह के तहत डीडवाना-कुचामन जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के नेतृत्व में चली इस विशेष मुहिम में प्रशासन ने 37 वाहनों के चालान काटकर 9 लाख 23 हजार रुपये का जुर्माना वसूला, वहीं 6 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया।

मैदान में उतरे खुद कलक्टर: रात 2 बजे तक टोल पर डटे रहे।`अमूमन सरकारी कार्रवाई के निर्देश वातानुकूलित कमरों से जारी होते हैं, लेकिन इस बार नजारा बदला हुआ था। जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत और अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया खुद छापरी टोल प्लाजा पर मोर्चा संभाले नजर आए। कलक्टर को अचानक सड़क पर देखकर ओवरलोड वाहन चालकों और माफियाओं के पसीने छूट गए। कलक्टर की मौजूदगी में टीम ने एक-एक वाहन के भार और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। यह कार्रवाई देर रात करीब 2:00 बजे तक चलती रही।

जिला कलक्टर डॉ खड़गावत के निर्देशन में प्रशासन ने रणनीतिक तरीके से जिले के उन सभी रास्तों पर चेक प्वाइंट्स बनाए थे, जहाँ से ओवरलोड वाहनों के गुजरने की संभावना रहती है। संयुक्त टीमों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में सघन जांच की जिसमें छापरी टोल प्लाजा मुख्य केंद्र छोटी खाटू और निंबी जोधा कोलिया और तवरा लाडनूं रोड और रहमान गेट रहे। जांच के दौरान नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहनों पर प्रशासन ने कड़ी सख्ती दिखाई। ओवर लोडिंग की गंभीरता के आधार पर न्यूनतम 5,000 रुपये से लेकर 1,00,000 रुपये तक के भारी-भरकम चालान काटे गए। जिला कलक्टर के निर्देश पर प्रशासन, परिवहन विभाग और पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई का उद्देश्य आर्थिक दंड के जरिए जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग वाहनों की रोकथाम करना है। जिला कलक्टर डॉ खड़गावत ने बताया कि हमारा मकसद केवल चालान काटना नहीं, बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना है। ओवरलोड वाहन न केवल सड़कों को नुकसान पहुँचाते हैं, बल्कि ये जानलेवा दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण हैं। यह अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा। इस पूरी कार्रवाई में उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और जिला परिवहन अधिकारी सहित भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

सड़क सुरक्षा माह के तहत डीडवाना-कुचामन जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की।

- 37 ओवरलोड वाहनों पर 9.23 लाख का जुर्माना लगाया 6 वाहन सीज किये

उदयपुर में यूरिया उर्वरक की रिकॉर्ड आपूर्ति

उदयपुर। उदयपुर जिले में रबी मौसम 2025-26 के दौरान किसानों द्वारा फसलों की बुवाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस वर्ष जिले में बुवाई का कुल रकबा लक्ष्य से भी अधिक रहा है। निर्धारित 1,36,000 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध 1,40,295 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फसल बुवाईदर्ज की गई है, जो कृषि क्षेत्र में सकारात्मक प्रगति का संकेत है।

संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुधीर वर्मा ने बताया कि जिले में सर्वाधिक 91,210 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई हुई है। इसके अतिरिक्त चना फसल 21,410 हेक्टेयर, सरसों 11,320 हेक्टेयर तथा जौ 10,250 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बोई गई है। बुवाई का कार्य पूर्ण होने के साथ ही अब फसलों की बढ़वार एवं संतुलित पोषण के लिये यूरिया उर्वरक की मांग निरंतर बनी हुई है। वर्मा ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में यूरिया उर्वरक की आपूर्ति माह अक्टूबर 2025 से लगातार की जा रही है। सहकारी एवं निजी क्षेत्र के अधिकृत प्राधिकार पत्र प्राप्त संस्थानों पर रेलमार्ग एवं सड़क मार्ग से यूरिया का नियमित परिवहन एवं विक्रय सुचारू रूप से संचालित है।

रबी मौसम के दौरान अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 की अवधि में उदयपुर जिले में यूरिया की कुल मांग 23,600 मेट्रिक टन आंकी गई थी। इसके विरुद्ध अब तक 27,780 मेट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जा चुकी है, जो मांग से लगभग 4,000 टन अधिक है। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि पूरे जनवरी माह में यूरिया उर्वरक की आपूर्ति आगे भी जारी रहेगी।

रतनपुर बॉर्डर पर अवैध शराब पकड़ी

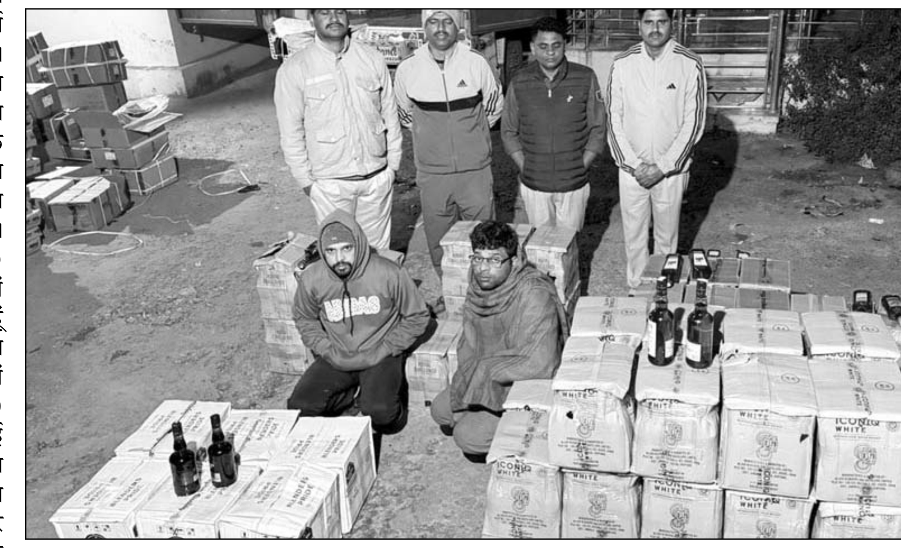

बिछीवाड़ा पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। सुधीर जैन

डूंगरपुर। जिले में बिछीवाडा थाना पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर बडी कार्यवाही करते हुए इलेक्ट्रिक उपकरणों की आड में गुजरात ले जाई जा रही 8 लाख रुपए मूल्य की हरियाणा निर्मित अवैध शराब जब्त की है। इस मामले में कंटेनर ड्राइवर सहित 2 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

- इलेक्ट्रिक सामान की आड में हो रही थी तस्करी
- कंटेनर से 8 लाख की शराब जब्त

बिछीवाडा थानाधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध शराब तस्करी रोकने के लिए ऑपरेशन स्वच्छता चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत नेशनल हाईवे 48 के जरिए शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी कर वाहनों की तलाशी शुरू की।

नाकाबंदी में पकड़ा कंटेनर : तलाशी के दौरान उदयपुर की ओर से आ रहे एक बंद बॉडी कंटेनर को रोका गया। ड्राइवर से पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो उसमें इलेक्ट्रिक उपकरणों के पीछे हरियाणा निर्मित अवैध शराब की पेटियां भरी हुई मिलींए जिनके कोई वैध कागजात नहीं थे। पुलिस ने तत्काल कंटेनर को जब्त कर शराब की पेटियों को उतरवाया। कंटेनर से विभिन्न ब्रांड की कुल 74 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की गईए जिसकी बाजार कीमत लगभग 8 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में प्रदीप पुत्र सुरेश कुमार अग्रवाल निवासी घंगाला,भिवानी हरियाणा और अजय पुत्र फूलसिंह सुनार निवासी गुडा कैमला, महेंद्रगढ हरियाणा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वे शराब को गुजरात ले जा रहे थे।

गैस तापिय विद्युत गृह में 50 फीट की ऊंचाई से मजदूर गिरा, मौत

मुआवजे व नौकरी की मांग को लेकर रामगढ़ बंद रहा

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के रामगढ़ स्थित गैस तापीय विद्युत गृह में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ड्यूटी के दौरान करीब 50 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण एक ठेका श्रमिक नथमल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण हो गया । मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे व नौकरी की मांग को लेकर मंगलवार को रामगढ़ बंद रखा और बिजलीघर प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मॉर्च्यूरी के बाहर धरना दिया। उनकी मांग है कि मृतक के आश्रित को तुरंत सरकारी नौकरी दी जाए व पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का नकद मुआवजा मिले। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। जानकारी के अनुसार रामगढ़ निवासी नथमल (50) पुत्र आदूराम सुथार पिछले 6 वर्षों से बिजलीघर में ठेका श्रमिक के रूप में काम कर रहा था। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे वह यार्ड क्षेत्र में अपने काम पर तैनात था। इसी दौरान वह संदिग्ध परिस्थितियों में लगभग 50 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। कुछ समय बाद वहां से गुजर रहे एक सुरक्षा गार्ड ने नथमल को लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा देखा। आनन-फानन में उसे रामगढ़ हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही सुथार समाज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण हॉस्पिटल और बिजलीघर के बाहर जमा हो गए। ग्रामीणों ने मंगलवार को रामगढ़ कस्बा बंद रखने का आ ान किया, जिसका व्यापक असर दिखा। चाय की थड़ियों से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान तक पूरी तरह बंद रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजलीघर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण आए दिन श्रमिकों की जान जोखिम में रहती है।

- अस्पताल प्र रार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी
- ग्रामीणों का आरोप है कि बिजलीघर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है

एक ही टाइम में धोखाधड़ी से दो डिग्री लेने का खुलासा

जोधपुर, (कासं) । करवड़ थाना इलाके में फर्जी तरीके से डिग्री लेने का एक मामला सामने आया है। इसमें मंडलनाथ स्थित निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज प्रबंधन पर आरोप है कि उसने नियमों को ताक पर रखकर एक छात्रा को जाली दस्तावेजों के आधार पर बीएड करवाई। छात्रा ने एक ही समय में दो अलग-अलग कॉलेजों से नियमित स्टूडेंट के तौर पर पढ़ाई पूरी कर ली, जो कि शारीरिक रूप से संभव नहीं है।

- दस साल बाद युवती व कॉलेज प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज

सूरसागर के सोढ़ों की ढाणी, तिलजी का बेरा निवासी विनोद सोलंकी की शिकायत पर घटना के करीब 10 साल बाद, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी युवती और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया है।

एफआईआर के अनुसार महामंदिर निवासी आरोपी मोनिका ने साल 2014 में राजकीय आवासीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज जोधपुर में टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स में एडमिशन लिया। यह एक पूर्णकालिक नियमित कोर्स था। उसने वर्ष 2015 में प्रथम वर्ष पास किया, जिसकी मार्कशीट 7 जुलाई 2015 को जारी हुई। जबकि, वर्ष 2016 में द्वितीय वर्ष पास किया, जिसकी मार्कशीट 28 जून 2016 को जारी होना बताया गया है।

परिवादी विनोद सोलंकी ने आरोप लगाया कि जिस समय मोनिका पॉलिटेक्निक कॉलेज में नियमित छात्रा थी, ठीक उसी दौरान उसने निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, मंडलनाथ से बीएड का कोर्स भी रेगुलर स्टूडेंट के तौर पर कर लिया। इसके उत्तीर्ण करने की मार्कशीट 6 फरवरी 2016 को जारी हो गई। यानी 2014 से 2016 के बीच वह एक ही समय पर दो अलग-अलग परिसरों में पढ़ाई कर रही थी।

एफआईआर में निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज प्रबंधन को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने आरोपी मोनिका के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा। कॉलेज ने जानबूझकर उपस्थिति रजिस्टर में कूटरचना की और फर्जी हाजिरी भरकर उसे परीक्षा के लिए पात्र बताया। परिवादी ने आशंका जताई है कि मोनिका कभी कॉलेज गई ही नहीं, और हो सकता है कि परीक्षा में उसकी जगह किसी और (डमी कैंडिडेट) को बैठाया गया हो। परिवादी विनोद सोलंकी ने बताया कि उसने पहले पुलिस थाना करवड़ और पुलिस कमिश्नर को 23 सितंबर 2025 को शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। हारकर उसने 14 अक्टूबर 2025 को न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 9, जोधपुर महानगर की कोर्ट में इस्तगासा पेश किया।

जैसलमेर शहर के नाले में मिला नहर परियोजना के रिटायर अधिकारी का शव

जैसलमेर, (नि.सं.)। शहर के नाले में रिटायर्ड अधिकारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक संपतलाल भार्गव (60) इंदिरा गांधी नहर परियोजना में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पोस्टेड थे। वे 6 महीने पहले ही रिटायर्ट हुए थे।

मामला शहर के कोतवाली थाना इलाके के रेलवे कॉलोनी में देर रात डेढ़ बजे का है। कॉलोनी के पास बने एक नाले में उनका शव ऑटो ड्राइवर ने देखा था, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला।

- टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालने का प्रयास शुरू किया

शहर कोतवाली के एएसआई श्रवण विश्नोई ने बताया कि मृतक संपत लाल भार्गव शहर के सूली डूंगर में रहते थे। नाले के पास ही ऑटो स्टैंड है। एक ऑटो वाले ने नाले में जब व्यक्ति को गिरे हुए देखा तो उसने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालने का प्रयास शुरू किया। उन्होंने बताया कि अंधेरा और नाला गहरा होने के कारण संपत लाल को निकालने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस दौरान वहां मौजूद ऑटो रिक्शा के ड्राइवरों की मदद से करीब करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाल शहर के जवाहिर हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

21 प्रतिभाएं सम्मानित

बूंदी । कोटा शहर के अग्रवाल सेवा सदन में हाडोती गौरव सम्मान 2026 का आयोजन न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी के तत्वाधान में आयोजित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला थे।

अध्यक्षता संभागीय आयुक्त अनिल अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन युवा व्यवसायि सुरेश, संरक्षक परमानंद गोयल, संभागीय संयोजक लोकेश शर्मा रहे। जिला संयोजक भरत शर्मा व कार्यक्रम संयोजक केके शर्मा ने यह जानकारी दी।

बेटे ने मां का गला घोंटा

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर शहर के निकटवर्ती जाजीवाल खिंचियान गांव में बेटे ने अपनी वृद्ध मां की हत्या कर दी। प्लास्टिक रस्सी से गला घोंटकर मां को मार दिया। बाद में कान की टोटियां और कंठी आदि जेवरात चोरीकर छुपा दिए। घर पर पोता आया तो वृद्ध दादी का शव चारपाई पर पड़ा पाया। आरोपी को पुलिस ने दस्यताब कर अब गिरफ्तार कर लिया है। उससे सोने के जेवरात बरामद किए जाने के साथ शव का भी मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है।

बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि जाजीवाल खिंचियान गांव में रहने वाली 75 साल की परमादेवी उर्फ परमुड़ी की हत्या उसके पुत्र ओमप्रकाश जाट ने कर दी। ओमप्रकाश नशे का आदी है। 4 जनवरी की शाम को मां बेटा दोनों ही घर पर थे। परमादेवी चारपाई पर सो रही थी।

उसके दो पोते जितेंद्र और रविंद्र बाहर गए हुए थे। शाम छह बजे छोटा पोता रविंद्र घर आया तब पता लगा कि दादी परमादेवी का शव चारपाई पर पड़ा है। वह मृत पाई गई। इस पर बाद में पुलिस को सूचना दी गई। मौका तस्दीक और जांच में पता लगा कि ओमप्रकाश ने अपनी मां परमादेवी का प्लास्टिक की छोटी रस्सी से गला घोंट कर मार दिया और फरार हो गया। थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि मौका तस्दीक और आसपास साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया। बाद में आरोपी की तलाश करने पर वह मिल गया।

आरोपी ओमप्रकाश ने अपनी मां की हत्या किए जाना कबूल कर लिया । उसने हत्या के बाद मां के पहने गहने टोटियां, कंठी आदि तोड़ कर छुपा दिए। पुलिस ने गहनों को जब्त कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर अभिरक्षा में लिया गया है।

लोकार्पण समारोह

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में पल्लवी दरक न्याती की तीन पुस्तकों का लोकार्पण मौजी बाबा धाम पर किया गया। उनकी तीनों पुस्तकों नमक मीङ्गा चीनी खारी (काव्य संग्रह), दर्शन वंदन (भक्ति गीत संग्रह)और सागर सीप (आलेख संग्रह)को सभी साहित्यकारों ने सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महापौर महेश विजय (अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद कोटा इकाई) ने की। डॉक्टर बी.सी.तेलंग (इथोस हास्पिटल) मुख्य अतिथि रहे व डॉक्टर आदित्य कुमार गुप्ता (प्रोफेसर कोटा यूनिवर्सिटी) विशिष्ट अतिथि रहे।

चौथमाता के दर्शनों को श्रद्धालुओं की भीड़ रही

बूंदी। श्रद्धा के आगे सुबह की गलनभरी सर्दी बौनी नजर आई। बाणगंगा में पहाड़ी पर स्थित चौथ माता का पांच दिवसीय मेले के दूसरें दिन संकट चतुर्थी के अवसर पर माता के दर्शन और अपनी मनोकामना के लिए बून्दी सहित आसपास के सभी क्षेत्रों से श्रद्धालु माता के दरबार में मत्था टेकने पहुंचे। अलसुबह से ही चौथ माता मंदिर के रास्ते में श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। शहर के हर मार्ग पर पैदल जाने वाले श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए नजर आए। इस दौरान कई श्रद्धालु नंगे पैर भी दिखाई दिए। शीतलहर के बावजूद आज सुबह से महिलाएं व युवतियों का समूह के रूप में माताजी के जयकारे लगाते हुए चौथ माता मंदिर के लिए जाना शुरू हो गया था। दोपहर को धूप खिलने से श्रद्धालुओं को राहत मिली और उनकी संख्या लगातार बढ़ती गई। बाणगंगा में स्थित चौथमाता मंदिर में श्रद्धालुओं का आना बीती रात से ही शुरू हो गया। अलसुबह से ही शहर से बाणगंगा जाने वाले सभी रास्तों में श्रद्धालुओं के समूह नजर आने लगे थे। दर्शन को आने वाले सभी श्रद्धालु माता के जयकारे लगाकर नाचते गाते हुए मंदिर प्रांगण में पहुँचे। जहाँ आंकड़े के अनुसार 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार और विश्व की सुख समृद्धि की कामना की ढोक लगाई।

विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दंपती से 13.75 लाख की धोखाधड़ी

जोधपुर, (कासं) । विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और अमानवीय प्रताड़ना का एक मामला पुलिस में दर्ज हुआ है। इस घटना ने एक बार फिर 'डंकी रूट'(अवैध तरीके से विदेश जाना) के खतरों को उजागर कर दिया है। शातिर ठगों ने एक दंपती को अमेरिका और जापान में नौकरी का सपना दिखाया, लेकिन ट्रंप सरकार का बहाना बनाकर अचानक प्लान बदल दिया और हकीकत में अमेरिका-जापान की बजाय उन्हें बैंकॉक, मकाऊ और कोरिया जैसे देशों में भटकने पर मजबूर कर दिया, जहां उन्हें मानसिक और शारीरिक यातनाएं झेलनी पड़ीं। इस बीच में पीड़िता और उसके पति को विदेशी जेल में रहना पड़ा, भूखे-प्यासे दिन गुजारने पड़े और अंत में दुबई में बंधक बनाकर रखा गया। पीड़ित दंपती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में कुल 13 लाख 75 हजार रुपए की ठगी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

- दुबई में पक्की नौकरी के लिए फिर से फांसा
- दुबई से भाग कर जोधपुर पहुंचे

चौहाबो पुलिस ने बताया कि बीआर बिड़ला स्कूल के पास आदेश्वर नगर निवासी एक दंपती विदेश में नौकरी करना चाहते थे। अप्रैल 2025 में उनकी बात कुचामन के डीडवाना निवासी इशा अग्रवाल और बाबूलाल पंवार से हुई। आरोपियों ने दंपती को भरोसे में लेने के लिए विदेश भेजने के कई झूठे किस्से सुनाए। शुरुआत में आरोपियों ने यूएसए या जापान में नौकरी दिलाने का वादा किया और इसके बदले 21 लाख रुपए की मांग की। भरोसे के तौर पर 50 हजार रुपए एडवांस ले लिए। कुछ दिन बाद आरोपियों ने कहा कि अभी यूएसए में ट्रंप सरकार है और वहां काम की अनिश्चितता है, इसलिए वे उन्हें यूके या जापान भेज देंगे। अंत में कोरिया (जेजू) में अच्छी नौकरी और रहने-खाने की सुविधा का झांसा देकर डील पक्की की गई।

आरोपियों ने दंपती को दिल्ली बुलाया। वहां दो दिन रोका और कोरिया भेजने के नाम पर 4 हजार यूएस डॉलर एक्सचेंज करवाए। साथ ही एक लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। दिल्ली एयरपोर्ट पर आरोपियों ने दंपती को सीधे कोरिया के बजाय बैंकॉक का टिकट थमा दिया। कहा गया कि यह रूट है- बैंकॉक से मकाऊ, फिर सिंगापुर होते हुए कोरिया। जैसे ही दंपती बैंकॉक पहुंचे, इमिठोशन ने उन्हें रोक लिया। घबराकर उन्होंने आरोपियों को कॉल किया तो आरोपियों ने कहा कि 3 लाख रुपए भेजो तभी एंट्री मिलेगी। मजबूरी में पैसे ट्रांसफर किए गए। वहां खाने-पीने का खर्च भी खुद उठाना पड़ा। बैंकॉक से उन्हें मकाऊ भेजा गया। वहां फिर वही कहानी दोहराई गई। इमिठोशन ने रोका और आरोपियों ने छोड़ने के नाम पर फिर 3 लाख रुपए ठग लिए। मकाऊ से उन्हें शिप (जहाज) के जरिए हांगकांग भेजा गया। वहां दो दिन अपने खर्च पर रुकने के बाद वे कोरिया के लिए रवाना हुए। कोरिया (जेजू) एयरपोर्ट पहुंचते ही इमिठोशन अधिकारियों ने दंपती को हिरासत में ले लिया। उन्हें चार दिन तक जेल में रहना पड़ा। आरोपियों ने यहां भी खेल खेला और वकील करने के नाम पर 25 हजार रुपए ऐंठ लिए, लेकिन कोई वकील नहीं आया। दंपती जेल में भूखे-प्यासे रहे और अंततः उन्हें भारत डिपोर्ट कर दिया गया।

भारत लौटने पर जब पीड़ितों ने आरोपियों से अपने पैसे वापस मांगे और नाराजगी जताई, तो आरोपी उनके पैरों में गिर गए। उन्होंने माफी मांगी और कहा कि पिछला काम बिगड़ गया था, लेकिन अब वे दुबई में पक्की नौकरी लगवा देंगे। फिर दंपती उनके झांसे में आ गया। आरोपी उन्हें साथ लेकर दुबई गए। वहां दो लाख रुपए नकद लिए और एक ऑफिस में ले जाकर परमानेंट जॉब का भरोसा दिलाकर 6 लाख रुपए और ट्रांसफर करवा लिए।

जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस अब ढींढा स्टेशन पर रुकेगी

कोटा, (निसं)। यात्रियों की सुविधा, स्थानीय आवागमन की आवश्यकताओं एवं क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल से होकर गुजरने वाली जोधपुर-भोपाल-जोधपुर प्रतिदिन एक्सप्रेस ट्रेन का जयपुर मंडल के ढींढा स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर आगामी आदेशों तक ठहराव प्रदान किया गया है।

इस निर्णय से ढींढा स्टेशन सहित आसपास के ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के यात्रियों को सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुगम, समयबद्ध एवं सुविधाजनक बन सकेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल प्रतिदिन एक्सप्रेस 7 जनवरी से जोधपुर से प्रस्थान कर ढींढा स्टेशन पर सायं 4.01 बजे पहुंचेगी तथा 4.02 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर प्रतिदिन एक्सप्रेस 7 जनवरी से भोपाल से प्रस्थान कर ढींढा स्टेशन पर प्रातः 10.53 बजे पहुंचेगी तथा 10.54 बजे आगे के लिए रवाना होगी। रेल प्रशासन द्वारा यह ठहराव यात्रियों की मांग एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए प्रायोगिक रूप से प्रदान किया गया है।

चोरी का माल खरीदने वाला गिरफ्तार

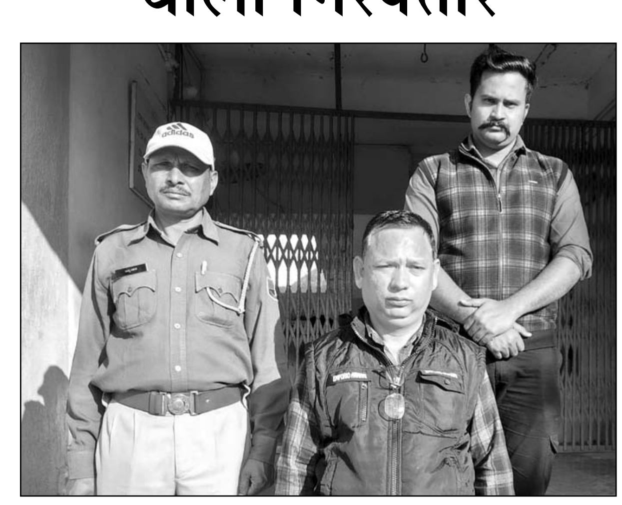

ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी के मामले में चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर । चितरी थाना पुलिस ने एक ज्वेलरी शॉप में हुई चोरी के मामले में चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी व्यापारी के कब्जे से चोरी की गई 2 किलो 55० ग्राम चांदी भी बरामद की है। इससे पहले, पुलिस इस मामले में चोरी करने वाले 2 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया गया था।

चितरी थाने के एएसआई ने बताया कि चितरी निवासी मोहिता जैन ने 3 अप्रैल 2025 को एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि 2 अप्रैल की रात को चितरी स्थित उनकी ज्वेलरी शॉप से 2 किलो 550 ग्राम चांदी के आभूषण चोरी हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चोरी किए गए चांदी के जेवर घाटा का गांव निवासी व्यापारी नितिन जैन को बेचे थे। इसके बाद पुलिस ने नितिन जैन की तलाश शुरू कीए लेकिन वह फरार हो गया था।

कपिल गुप्ता ने डोनेट की एसडीपी

कोटा । टीम जीवन दाता ने अपने सेवा कार्यों में विस्तार करते हुए समय रहते एसडीपी उपलब्ध कराने का सेवा संकल्प लिया हैं, उसी के तहत गंभीर बीमारी से पीड़ित ज्ञानेंद्र विजय को समय पर एसडीपी उपलब्ध कराई जिससे उन्हें काफी राहत मिली। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि ज्ञानेंद्र को बी पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, उनके पुत्र आदित्य विजय जो की शिक्षा विभाग में अधिकारी हैं, उन्होंने भी काफी प्रयास किया लेकिन वह एसडीपी के लिए डोनर्स नहीं ढूंढ पाए, ऐसे में वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश विजय ने एसडीपी के लिए आदित्य विजय को आश्वस्त किया और भुवनेश गुप्ता को कॉल किया, तत्काल ही कपिल गुप्ता को कॉल किया गया। कपिल गुप्ता हमेशा मानवता की सेवा के लिए तैयार रहते हैं और वह शीघ्र ही अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे उनके साथ उनकी पत्नी ज्योति गुप्ता भी रही, कपिल ने एसडीपी डोनेट कर ज्ञानेंद्र विजय के जीवन में नई रोशनी लाने का प्रयास किया। कपिल गुप्ता का कहना है कि वह मानवता के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और लोगों को भी प्रेरित करते हैं। गुप्ता के अनुसार कपिल 30 बार रक्तदान व 40 बार एसडीपी डोनेट कर चुके है।

प्रागपुरा में चार दुकानों के ताले व शटर तोड़कर हजारों की चोरी, पुलिस की निष्क्रियता पर उठे सवाल

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच जांच शुरू की।

पावटा(निसं)। क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि एक बार फिर बेखौफ बदमाशों ने प्रागपुरा कस्बे के नारायणपुर मोड पर स्थित चार दुकानों के ताले व शटर तोडकर चोरी की बडी वारदात को अंजाम दे दिया। सोमवार देर रात बेखौफ बदमाशों ने प्रागपुरा कस्बे के नारायणपुर रोड पर स्थित चार दुकानों हरिओम जनरल स्टोर ज्यों कि विक्रम सिंह शेखावत की है से 10 हजार रूपये की नकदी, श्याम मिष्ठान भंडार ज्यों कि शिवपाल सैनी

- **सीसीटीवी फुटेज के बावजूद पुलिस के हाथ खाली, चोर बेखौफ होकर दे रहे वारदातों को अंजाम**

की है से 35 हजार रूपये की नकदी, एम एस मोबाइल की दुकान ज्यों कि ईश्वर सैनी की है से 28 हजार रुपए की नकदी एवं मानवी हेल्थ केयर की दुकान ज्योंकि अंकित की है से 22 हजार रुपए की नकदी चुराकर फरार हो गए। चोर दुकानों से नकदी सहित कीमती सामान समेटकर फरार हो गए, जिससे व्यापारियों को हजारों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। वही ग्राम मंढा में प्रहलाद राठौड की रेडिमेड कपडों की दुकान व रामकरण सोनी की मां अम्बे ज्वेलर्स की दुकान का ताला तोड चोरी का प्रयास किया गया, लेकिन जाग होने के कारण चोर चोरी करने में सफल नहीं हो पाए। जहां ग्राम प्रागपुरा व मंढा में पता चलने पर पीड़ित दुकानरो व ग्रामीणों ने बाजार बंद कर रोड जाम कर पुलिस प्रशासन के मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया। रात को एक साथ इन दुकानों में हुई इस घटना से व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। चोर दुकानों से नकदी सहित कीमती सामान समेटकर फरार हो गए, जिससे व्यापारियों को हजारों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस कार्रवाई की औपचारिकता निभाते हुए जांच शुरू करने की बात कही। वही पीड़ित दुकानदारों ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। हालांकि स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का आरोप है कि पुलिस केवल प्रतिक्रिया देने तक सीमित रह गई है, जबकि क्षेत्र में इससे पहले भी लगातार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनका आज तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। व्यापारियों का कहना है कि बार-बार चोरियां होने के बावजूद न तो गश्त बढ़ाई जा रही है और न ही संदिग्धों पर कोई ठोस कार्रवाई की जा रही है। इससे चोरों के हौसले और मजबूत हो रहे हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जल्द से जल्द चोरियों का खुलासा करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। चोरियों के मामलों में सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद भी पुलिस के हाथ अब तक खाली नजर आ रहे हैं। फुटेज में संदिग्ध गतिविधियां कैद होने के बावजूद न तो आरोपियों की पहचान हो सकी है और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई सामने आई है। इससे आमजन में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही चोरियों का खुलासा नहीं किया गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार और रिहायशी इलाकों में लगातार वारदातें हो रही हैं, लेकिन पुलिस सिर्फ जांच का आश्वासन देकर मामले को टाल रही है। पहले भी कई चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनका आज तक खुलासा नहीं हुआ है।

महिला की संदिग्ध हालत में मौत, पीहर पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

टोंक(निसं)। बरौनी थाना क्षेत्र की मंडावर ग्राम पंचायत में मुख्तार नगर में सोमवार को एक महिला की अपने ही कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पंहुचे पीहर पक्ष के परिजनो ने पति पर मारपीट कर हत्या करने के गंभीर आरोप में मामला दर्ज कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका नरेशा उर्फ निशा केवट पत्नी शंकर लाल उम्र 32 साल निवासी मुख्तायार नगर जिसकी आठ साल पहले नाथा प्रथा से शादी की गई थी। परिजनों ने मृतका के पति पर शराब पीकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट करने तथा घरेलू हिंसा के चलते महिला की हत्या का मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्यवाही की मांग की है। इस दौरान बरोनी थाना पुसिल ने प्रारंभिक जांच के आधार पर मृतका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वही पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा, फिलहाल मामले की जांच जारी है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव 13 को खैरथल में जनसभा को संबोधित करेंगे

- **राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव ने तैयारी को लेकर 7 जनवरी को कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों की बुलाई बैठक।**
- **बैठक में आगामी होने वाले पंचायती राज व नगर निकाय के चुनाव को लेकर गहन एवं विस्तृत होगी चर्चा**

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर सांसद एवं केंद्र सरकार में मंत्री भूपेंद्र यादव 13 जनवरी को खैरथल में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके आगमन को लेकर भाजपा संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य व किशनगढ़ बास के पूर्व विधायक रामहेत यादव ने इस संबंध में 7 जनवरी को कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है।

भाजपा मण्डल किशनगढ़बास के उपाध्यक्ष तेजसिंह सैनी ने बताया कि बैठक बुधवार 7 जनवरी को प्रात: 9 बजे अनाज मण्डी स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित होगी। बैठक में पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों की रणनीति पर गहन एवं विस्तृत चर्चा की जाएगी।

साथ ही मंत्री भूपेंद्र यादव के खैरथल आगमन पर होने वाली जनसभा की व्यवस्थाओं, कार्यकर्ताओं की भागीदारी, जनसंपर्क और भीड़ प्रबंधन को लेकर जिम्मेदारियां तय की जाएंगी।

इस बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, विधानसभा प्रभारी अनूप यादव, विधानसभा प्रभारी मंडल प्रभारी सलोना यादव सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

पूर्व विधायक रामहेत यादव ने कहा कि आगामी स्थानीय चुनाव संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इन्हें लेकर कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाएगी।

बैठक में वर्तमान व पूर्व जिला पदाधिकारी, मोर्चा व मण्डल पदाधिकारी, वर्तमान तथा पूर्व चेयरमैन-उप चेयरमैन, जेडपी सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, पार्षद, सरपंच, पंच, बूथ अध्यक्ष, बीएलए-2 तथा भाजपा विचारधारा से जुडे सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है। संगठन की ओर से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

मंत्री भूपेंद्र यादव की खैरथल जनसभा में क्षेत्र के विकास कार्यों, केंद्र सरकार की योजनाओं और भाजपा की भावी नीतियों को जनता के सामने रखा जाएगा। माना जा रहा है कि यह जनसभा स्थानीय चुनावों से पूर्व कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगी और पार्टी के लिए निर्णायक माहौल तैयार करेगी।

'लोकतंत्र की नींव है मतदाता जागरूकता'

दौसा(निसं)। राजकीय महाविद्यालय नांगल राजावतान में मंगलवार को लोकतंत्र की नींव, मतदाता जागरूकता थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. रामवीर चौधरी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह गुर्जर ने की। विशेष अतिथि ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कमलेश मीणा एवं मिमिक्री कलाकार डॉ. अशोक खेडला रहे। मुख्य अतिथि डॉ. रामवीर चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की असली शक्ति मतपत्र में नहीं, बल्कि जागरूक मतदाता की चेतना में निहित होती है।

उन्होंने युवाओं को लोकतंत्र की धुरी बताते हुए कहा कि यदि युवा वर्ग अपने मताधिकार के महत्व को समझ ले, तो लोकतंत्र स्वत: सशक्त हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता जागरूकता केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सतत नागरिक दायित्व है, जो संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार भागीदारी से जुड़ा हुआ है।

डिजिटल युग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने बदली युवाओं की मानसिकता

सांभरझील, (निसं)। हमारे देश की हजारों साल पुरानी प्रमाणिक प्राचीन पद्धितयां अब धीरे-धीरे विलुप्तप्राय: होती जा रही है। ऐसे गुरुओं की कमी और और वैश्विक स्तर पर तेजी से बदलती सोच। डिजिटल युग और उसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने भी एक प्रकार से नई क्रांति भी पैदा कर दी है। तेजी से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और आगे बढ़ने की लालसा मजबूरन युवाओं को इस दिशा की ओर खींच रही है। सबसे अहम एक कारण और है कि पाश्चात्य सभ्यता का हमारे भारत में जिस प्रकार से अनुकरण हुआ है उसकी वजह से भी युवाओं ने महत्वपूर्ण इतिहास को खंगालने की कभी आवश्यकता महसूस नहीं की। शिक्षा के क्षेत्र में पूरी तरह से आध्यात्मिकता का गायब हो जाना एक बहुत बड़ा नुकसान है। यहां के अनेक बुद्धिजीवियों से बात की गई विशेष कर दार्शनिक रूप में अपनी पहचान रखने वाले सांभर के प्रमोद जोशी बताते हैं कि हमारी मौलिक आदतों का धीरे-धीरे लुप्त होना एक गहरा संकट है।

कल तक जिस घर की सुबह अखबार वाचन और स्याही की महक से होती थी, लेकिन अब सुबह का स्वागत मोबाइल की नीली रोशनी और नोटिफिकेशन की टिंग-टिंग से होता है। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि हमारी बौद्धिक गहराई के कम होने का संकेत है।

21 सदी के इस युग में आज की युवा पीढ़ी के पास सूचनाओं का भंडार तो है, अनुभव को गहराई से समझने वाला ज्ञान भी जरूरी है। अखबार से लोगों का इसलिए विश्वास बना हुआ है कि उसकी सत्यता पर विश्वास रखते हैं और ज्ञान अर्जन का सबसे सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। इंटरनेट पर मौजूद शॉर्ट्स और रील्स जहाँ तथ्यों को आधा-अधूरा पेश करते हैं, वहीं अखबार का संपादकीय पृष्ठ छात्रों में तर्क करने की क्षमता और एक स्वतंत्र नजरिया विकसित करता है। एक समय था जब हम स्याही की दवात में होल्डर और जीभ वाली नीब डुबोकर लिखा करते थे। उस समय लिखना केवल कागज काले करना नहीं था, बल्कि एक साधना थी। आजकल बच्चों का लिखना बहुत कम हो गया है। सारा काम की-बोर्ड और टचस्क्रीन पर टाइपिंग तक सिमट गया है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि लिखावट बेहद खराब होती जा रही है। उंगलियों का वह तालमेल भी खत्म हो गया जो सुंदर अक्षरों को जन्म देता था। लिखने की आदत कम होने का एक और भयावह परिणाम मात्राओं और वर्तनी की अशुद्धियों के रूप में सामने आ रहा है। डिजिटल माध्यमों पर ऑटो-करेक्ट और अठोंजी के बढ़ते चलन ने बच्चों को सही हिंदी लिखना भुला दिया है।

जब बच्चा हाथ से लिखता है, तो उसका मस्तिष्क मात्राओं की बनावट पर ध्यान केंद्रित करता है। लेकिन आज, लिखना कम होने से अनुस्वार की गलतियाँ इतनी बढ़ गई हैं कि भाषा का स्वरूप ही बिगड़ता जा रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता संतोष गुप्ता का निधन

- **बीमारी के चलते ली अंतिम सांस, क्षेत्र में शोक की लहर**
- **पार्टी के प्रति समर्पित, अनुशासित और कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे- धनकड**

पावटा,(निसं)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं वस्त्र व्यापार मंडल प्रवक्ता पावटा निवासी संतोष गुप्ता का बीमारी के चलते रविवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड गई। पार्टी कार्यकर्ताओं, व्यापारियों और आमजन में गहरा दुख व्याप्त है। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से बीमारी से पीड़ित थे और उपचार चल रहा था। रविवार शाम को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से न केवल भाजपा संगठन को बल्कि व्यापारिक जगत को भी अपूरणीय क्षित पहुंची है। अंतिम संस्कार में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने बताया कि वे पार्टी के प्रति समर्पित, अनुशासित और कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे। संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्होंने हमेशा पार्टी की विचारधारा और नीतियों को मजबूती से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। वही वस्त्र व्यापार मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र गोयल ने बताया कि संतोष गुप्ता ने वस्त्र व्यापार मंडल के प्रवक्ता के रूप में भी हमेशा व्यापारियों की समस्याओं को मुखरता से उठाया है। निधन की सूचना मिलते ही भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

जरूरतमंद परिवारों को मिला संबल, विशाल नि:शुल्क कंबल वितरण समारोह सम्पन्न

विधायक कुलदीप धनकड़ जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए।

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों को मजबूती देते हुए गरीब, बेसहारा, असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए सोमवार को प्रात 11 बजे रिलायंस पेट्रोल पंप जयपुर हाईवे लाडाकाबास में 11वाँ विशाल नि:शुल्क कंबल वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कड़ाके की सर्दी को देखते हुए 1100 जरूरतमंद परिवारों को नि:शुल्क कंबल वितरित किए गए, जिससे सर्द रातों में उन्हें राहत मिल सके। आयोजन स्थल पर सुबह से ही लाभार्थियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव की अध्यक्षता एवं रितु आईवीएफ सेंटर जयपुर निदेशक डॉ ज्योति बंसल, पूर्व उप महापौर जयपुर मनीष, युवा नेता महेश चोरियां, पूर्व सरपंच मदन यादव, कैरली सरपंच रामजीलाल यादव, पूर्व सरपंच राजाराम गुर्जर, पूर्व सरपंच भागीरथ यादव, रतिराम पटवारी, हरि चोरियां, विजेश मुहानिया के विशिष्ट आतिथ्य में दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

- **कंबल वितरण जैसे कार्यक्रम न केवल सर्दी से बचाव करते हैं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर मुस्कान भी लाते हैं : धनकड**

क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। कंबल वितरण जैसे कार्यक्रम न केवल सर्दी से बचाव करते हैं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर मुस्कान भी लाते हैं।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-9574 दिनांक-06.01.2026

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 86/151 (HIG), (एरिया 189.00 वर्गमीर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री मुकेश चन्द चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री भैरो प्रसाद चतुर्वेदी को किया जाकर आवंन पत्र क्रमांक 3033 दिनांक 28.02.2001 को जारी किया गया। श्री मुकेश चन्द चतुर्वेदी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 14.03.2001 को उप पजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री मुकेश चन्द्र चतुर्वेदी की मृत्यु दिनांक 25.10.2025 को हो जाने के कारण इनके उत्तराधिकारी 1. श्रीमती वंदना चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री मुकेश चन्द चतुर्वेदी 2. श्री राम चन्द्र चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री मुकेश चन्द्र चतुर्वेदी 3. श्री विशाल चतुर्वदी पुत्र स्व. श्री मुकेश चन्द चतुर्वेदी द्वारा उक्त आवास स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालयमें 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, 1. श्रीमती वंदना चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री मुकेश चन्द चतुर्वेदी 2. श्री राम चन्द्र चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री मुकेश चन्द्र चतुर्वेदी 3. श्री विशाल चतुर्वदी पुत्र स्व. श्री मुकेश चन्द चतुर्वेदी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर कैरिज अजमेर द्वारा खुली ई-निविदा संख्या : कैरिज-04-2026 दिनांक 03.01.2026 आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेंडर स्वीकार नहीं किया जायेगा और यदि कोई मैन्युअल टेंडर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **(1) कार्य का नाम एवं स्थान :** वंदे भारत चेयर कार सीटों के लिए अपहोल्स्ट्री की सप्लाई और रिप्लेसमेंट रिलेटेड कार्य। **(2) अनुमानित लागत:** ₹3,03,83,961.6/- **(3) टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्ट:** ₹0.00 **(4) बयाना राशि:** ₹3,01,900.00/- **(5) ई-टेंडर फॉर्म जमा करने का समय व तारीख:** 24.01.2026 समय 13.30 बजे तक **(6) वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in **(7) पात्रता मानदंड:** लागू है। **नोट:** बयाना राशी केवल IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे सुविधा द्वारा ऑनलाइन जमा किये जाने है। 16-DK/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

आवश्यक सूचना

आवास संख्या 1/74, एस.डब्लयू.बी. योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री वेद प्रकाश को आवंटन पत्रांक 6844 दिनांक 11.07.1983 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके बेचान उपरांत मण्डल द्वारा आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 2389 दिनांक 07.11.1997 को श्री अमीर चन्द पुत्र श्री खेमचन्द के नाम जारी कर दिया गया था। श्री अमीर चन्द द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 13.01.2022 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री अमीर चन्द की मृत्यु दिनांक 04.08.2022 को हो जाने के उपरांत उनके उत्तराधिकारी पुत्र श्री भारत भूषण पुत्र स्व. श्री अमीर चन्द द्वारा जयें पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 12.07.2022 को उप पंजीयकी कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवा कर प्रस्तुत की है। श्री भारत भूषण द्वारा प्रस्तुत उक्त पंजीकृत वसीयतनामा एवं मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथपत्रों, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रपत्रों के आधार पर उक्त आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने हेतु शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 1/74, एस.डब्लयू.बी. योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री भारत भूषण पुत्र स्व. श्री अमीर चन्द के पक्ष में आवास के मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 25/25

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थना पत्र

प्रार्थी अमित भार्गव पुत्र श्री कैलाश नाथ भार्गव उम्र 52 वर्ष निवासी मकान नंबर 3 एफ 254 ए, नजदीक राधा किशन मंदिर नेहरू नगर, गाजियाबाद-201001 उत्तरप्रदेश।

मृतक श्रीमती निर्मल भार्गव पत्नि स्व. श्री अजय कुमार पुत्री स्व. श्री मोहनलाल भार्गव, स्थाई निवास 166, गांधी नगर मोड बापू नगर लाल कोठी, पुलिस थाना लालकोठी जिला जयपुर राजस्थान के श्रीमान शाखा प्रबन्धक महोदय, बैंक पंजाब नेशनल बैंक, शाखा ए-415 शिवानन्द मार्ग, मालवीय नगर, जिला जयपुर राजस्थान में खाता संख्या A/c 4110000100130072 एवं FD 5 Year (Locker ABO 1018) तथा U SPECIAL DEPOSIT QRTLY में जमाशुदा राशि की प्राप्ति के बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान करने।

पेशी दिनांक- 12.02.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी को श्रीमती निर्मल भार्गव पत्नि स्व. श्री अजय कुमार पुत्री स्व. श्री मोहन लल भर्गव, स्थाई निवास 166, गाँधी नगर मोड, बापू नगर, लाल कोठी, पुलिस थाना-लालकोठी जिला जयपुर राजस्थान का उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेर ऑफ एडमिनिस्ट्रिशन, प्रदान किया जावें।

अत उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 02 सन 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 03 माह 01 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत — रीडर, अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या11, जयपुर महानगर प्रथम

खोया पाया

मैं अथार्त चेनाराम चौधरी पुत्र श्री मेघा राम जाट की भूखण्ड संख्या सी-212 केदार विहार योजना का आवंटन पत्र कहीं खो गया है मिलने पर संपर्क करें मो. 9950708282

मेरे प्लॉट डी-143 पीताम्बरा योजना आगरा रोड का मूल आवंटन पत्र, पट्टे के स्टाम्प पेपर सिविल लाइंस में कहीं गिर गए हैं मिलने पर सूचित करें। शशिकला-9828504410

मेरे राजस्थान आवासन मण्डल के मानसरोवर स्थित मकान नम्बर 34/3-ए, के आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, अदेय प्रमाण पत्र व DECLARATION कहीं गुम हो गए। मिलने पर सूचित करे। प्रेमचंद मूलचंदानी 7877273621

मेरे भूखंड संख्या एल-127 जेडीए की आवासीय योजना गोविन्दपुरा सांगानेर जयपुर का जेडीए पट्टा विक्रय पत्र कहीं पर गुम हो गया है मिलने पर संपर्क करें। जयकिशन झूरानी-9928929026

नाम परिवर्तन

मैं आदित्या ए वॉल पुत्र श्री आशुतोष वॉल निवासी बी-53, साकेत कॉलोनी, आदर्श नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम आदित्या आशुतोष वॉल से बदलकर आदित्या ए वॉल (Aaditya A Wol) रख लिया है। भविष्य में मुझे आदित्या ए वॉल के नाम से जाना जाये।

मैंने मेरा नाम रितु मल्होत्रा से बदलकर रितु कुमारी राजोरा रख लिया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना जाए। रितु कुमारी राजोरा पत्नी श्री रजत मल्होत्रा निवासी 86/170 कुम्भा मार्ग प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

मेरी 10वीं क्लास की मार्कशीट में मेरा नाम रिचा (Richa) एवं आधारकार्ड में रिचा बब्बर (Richa Babbar) दर्ज है। भविष्य में मुझे रिचा बब्बर (Richa Babbar) पुत्री श्री राज कुमार बब्बर निवासी एसवाई 10, रिद्धी एन्कलेव, लाल चौक, रिद्धि सिद्धी 1, सैक्टर 4, श्री गंगानगर, राजस्थान 335001 के नाम से जाना जावें।

मैं हरिहर चौरसिया पिता नं. 15741799H रैंक LNK जितेन्द्र चौरसिया, गाँव पांडेयपुर पोस्ट कुशहरी, जिला देवरिया पिन-274001, उत्तर प्रदेश यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम हरिहर चौरसिया से बदलकर हरिहर कालेश्वर चौरसिया कर लिया है क्योंकि मेरे बेटे के आर्मी सर्विस रिकार्ड में यह गलती से हरिहर चौरसिया के रूप में दर्ज है।

मैं मुन्नीदेवी माँ नं. 15741799H रैंक LNK जितेन्द्र चौरसिया, गाँव पांडेयपुर पोस्ट कुशहरी, जिला देवरिया पिन-274001, उत्तर प्रदेश यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम मुन्नी देवी से बदलकर मुन्नी देवी हरिहर चौरसिया कर लिया है क्योंकि मेरे बेटे के आर्मी सर्विस रिकार्ड में यह गलती से मुन्नी देवी के रूप में दर्ज है।

मैं सुनीता जोशी, पत्नी रोहित जोशी, यह सार्वजनिक रूप से घोषित करती हूँ कि जन्म प्रमाण पत्र नं. 110047560 मे हमारे पुत्र का नाम तुषार जोशी है जिसके स्थान पर हमारे पुत्र का नाम नीलाक्ष जोशी दर्ज किया जाना प्रस्तावित है। अतः भविष्य में हमारे पुत्र की निलाक्ष जोशी नाम से जाना पहचाना जाए।

मैंने अपना नाम Elsy Poovathukuzhy Varghese से बदलकर Elsy Jiju Thomas पत्नी Jiju Kuroor Thomas रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता- एसडीम हॉस्पिटल भवानी सिंह रोड, बापूनगर, लालकोठी, जयपुर, राजस्थान

लोक सूचना — जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2025-26/100448 दिनांक: 06.01.2026

श्री SHREE GOVINDAM DEVELOPERS पुत्र श्री KAMLESH CHOUDHARY जाति JAT निवासी PLOT NO.02 GOVIND AVENUE AJMER ROAD BHANKROTA JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का **आवासीय** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हैक्टे.)
भीमपुरा,फागी (जयपुर)	1.) कैलाश चंद चौधरी जरिये पार्टनर श्री गोविन्दम डवलपर्स पुत्र उम्दा राम जाट हिस्सा पूर्ण	26/4	0.3541	0.3541
		27/3	0.1012	0.1012
	जाति जाट मकान संख्या PLOT NO. 2 कॉलोनी	35	1.6944	1.6944
	गोविन्द एवेन्यू क्षेत्र/स्थान अजमेर रोड भांकरोटा शहर		कुल	2.1497
	जयपुर पिन कोड 302012 जिला JAIPUR राज्य RAJASTHAN खातेदार			

[illegible]

प्राधिकृत अधिकारी जोन-21

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा

सं. एस एण्ड टी प्रोजेक्ट-जेपी-2025-26-04, दिनांक 02.01.26

उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/ जयपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से खुली निविदा सं. एस एण्ड टी-प्रोजेक्ट-अजमेर-2025-26-04 जिसकी बंद होने की तिथि 02.02.2026 को ऑनलाइन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। कोई भी मैन्युअल टेण्डर संबंध में स्वीकार नहीं किया जावेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है उसको देखा नहीं जावेगा। **(1) कार्य का नाम एवं लोकेशन:** उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मण्डल में एलटीई/यूएचएफ और कवच कार्य के सम्बध में लेटीस टावरों को लगाने का प्रावधान **(2) अनुमानित लागत:** ₹ 698686878.88/- **(3) धरोहर राशि:** ₹ 3643400/- (केवल ऑनलाइन भुगतान) **(4) टेण्डर जमा करने की अंतिम तारीख:** 02/02/2026 सायं 15:00 बजे। **(5) वेबसाइट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन:** www.ireps.gov.in or उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/ परियोजना/ अजमेर ऑफिस। 20-DK/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 485/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री राम अवतार शर्मा निवासी 190 मिलाप नगर, टोंक रोड जयपुर राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास रामकुंवरजी रामप्यारी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट 181, मिलाप नगर, टोंक रोड जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोसि प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोसि के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 30.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 09.03.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1075

चूंकि प्रार्थी श्री ALKA PANDEY, 371 A VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास दाधी बाबा चैरिबल ट्रस्ट JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 01.04.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/829

चूंकि प्रार्थी श्री सुरेन्द्र कुमार गोलछा सी-83, सोहन सदन, सी-स्कीम जयपुर राजस्थान 302005 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास गोलछा फाउंडेशन, गोलछा ट्रेन्ड सेंटर एम.आई. रोड जयपुर राजस्थान 302004 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोसि प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोसि के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 31.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 07.01.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1064

चूंकि प्रार्थी श्री ALKA PANDEY, 371 A VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास विद्या समिति JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 06.03.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

MUNICIPAL CORPORATION KOTA (RAJ.)

Add :- C.A.D. Circle, Dusshehra Ground, kota

No. :NNK/ELECT/2025-26/215-222 Date : 02-01-2026

Notice Inviting Bid

Bid for "Electrification and lighting, sound system related work at kishorepura muktidham (Vth phase)" are invited from interested bidders from 05-01-2026 to 15-01-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and www.kotamc.org department website.

Estimated Amount : 150.96 Lac

NIB code : DLB2526A9804

UBN : DLB2526WSOB29183

Raj.Samwad/C/25/17181

Executive Engineer, Municipal Corporation, Kota

JAIPUR METRO RAIL CORPORATION LIMITED

Room No. 314, 1st & 3rd Floor, Administrative Building, Metro Depot, Bhrigu Path, Mansarovar, Jaipur-302020 Tel. No. 0141-2822116 & 2822106 (O); E-mail: nagendra.singh@jaipurmetrorail.in & edst@jaipurmetrorail.in

Date :- 02/01/2026

NOTICE INVITING BID

JMRC invites bids from the eligible contractors/suppliers for the NIB's as mentioned below:

1. No. JMRC/O&S/EL/2025-26/NIB/026 "Rate Contract of Miscellaneous Electrical Work in JMRC." With estimated cost ₹ 29,01,137 (incl. all taxes). Scheduled Last Date and Time for Online Submission of Bids is 21.01.2026 by 15:00 Hrs. (UBN No. JMR2526SLRC00138)
2. No. JMRC/O&S/EL/2025-26/NIB/027 "Rate Contract of Supply, Refilling and Hydraulic Pressure Testing of Fire Extinguishers including replacement of faulty parts of Extinguishers and Repairing of Fire Hydrants/Sprinklers system for One Year at various locations in JMRC." With estimated cost ₹ 38,47,197 (incl. all taxes). Scheduled Last Date and Time for Online Submission of Bids is 22.01.2026 by 15:00 Hrs. (UBN No. JMR2526SLRC00137)
3. No. JMRC/O&S/S&T/NIB/2025-26/12 "Creation of PIDS/PAS server cluster of OCC Phase-1A at Jaipur Metro Rail Corporation Ltd.." With estimated cost ₹ 71,98,000. Scheduled Last Date and Time for Submission of Bids is 22.01.2026 by 18:00 Hrs. (UBN No. JMR2526WSOB00134)

Please visit JMRC website **https://transport.rajasthan.gov.in/jmrc**, SPPP Portal **https://sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in** for all Corrigendum/clarification/addendum.

Raj.Samwad/C/25/17250 **Bid Inviting Authority**

प्रदूषण रहित, सस्ता, सुरक्षित एवं आरामदायक सफर - जयपुर मेट्रो

कार्यालय ग्राम पंचायत गाडोता

पंचात समिति मौजमाबाद जिला जयपुर (राज.)

क्रमांक-2025-26/262-67 दिनांक-09.12.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है पिंचायतीराज नियम 1996 के नियम 156 के तहत निम्न आवेदकों को ग्राम गाडोती की आबादी भूमि के खसरा नं. 177 में आपत्ति बातचीत के आधार पर भूखण्ड विक्रय किया जाना प्रस्तावित है।

क्र.सं.	नाम मय पिता/पति का नाम	ग्राम	भूखण्ड स्थल का विवरण	क्षेत्रफल
1	सुरेन्द्र सिंह जाखड पुत्र मांगीलाल चौधरी	गडोती	ग्राम गाडेती के खसरा नं. 177 में में स्थित है आबादी भूमि	99.55 वर्गगज
2	मनोहर कुमार सिंह पुत्र मांगीलाल चौधरी	गडोती	ग्राम गाडेती के खसरा नं. 177 में में स्थित है आबादी भूमि	99.43 वर्गगज
3	रमेश चन्द्र जांखड पुत्र मांगीलाल चौधरी	गडोती	ग्राम गाडेती के खसरा नं. 177 में में स्थित है आबादी भूमि	99.43 वर्गगज
4	महेन्द्र सिंह पुत्र मांगीलाल चौधरी	गडोती	ग्राम गाडेती के खसरा नं. 177 में में स्थित है आबादी भूमि	99.43 वर्गगज
5	मदन सिंह पुत्र मांगीलाल चौधरी	गडोती	ग्राम गाडेती के खसरा नं. 177 में में स्थित है आबादी भूमि	99.43 वर्गगज

ग्राम पंचायत गाडोता द्वारा पंचायत राज नियम 1996 के नियम 156 के तहत उक्त आवेदकों की भूखण्ड विक्रय के निर्णय के क्रम में आपत्तियां आमंत्रित करने हेतु मयाद 30 तीस दिवस का नोटिस/सूचना प्रसारित की जाती है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद कार्यालय ग्राम पंचायत गाडोता मे लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मियाद दर्ज आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा सूचित रहे।

सुगन चन्द शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत-गाडोता, पं.स. मौजमाबाद (जयपुर)

शिवजीराम खुर्डिया, प्रशासक, ग्राम पंचायत गाडोता, पं.स. मौजमाबाद (जयपुर), मो.नं. 9588253330

संक्षिप्त

30 वर्ष से फरार इनामी अपराधी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिह के निर्देशन में वृत्ताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत एवं पुलिस निरीक्षक चेनाराम बेडा के नेतृत्व में गठित मालपुरा थाना टीम द्वारा दौराने तलाश कर करीब 30 वर्ष से फरार व 5 हजार रूपये के ईनामी वांछित रामजीलाल उर्फ रामी पुत्र नगु गुर्जर उम्र 60 साल निवासी मोढान का पुरा तिछरिया थाना नई मण्डी हिण्डोन सिटी जिला करोली से डिटेन कर न्यायालय एसीजेएम मालपुरा से जारी वारण्ट पर गिरफ्तार किया गया हैं।

सिंधी भाषा लर्निंग कोर्स की परीक्षा 11 को

किशनगढ़ बास (निसं)। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली की ओर से भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के सहयोग से चल रही सिंधी भाषा की कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा आगामी 11 जनवरी रविवार को आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुपरवाइजर हीरानंद व प्रीति भूरानी ने बताया कि माउंट ओएसिस एस के आए स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। उन्होंने ने बताया किशनगढ़ बास मे राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद् की ओर सिन्धी भाषा के सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा कोर्स की कक्षायें चल रही है जिनमें 5 शिक्षामित्रों के सहयोग से 10 कक्षाओं में 164 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। मीटिंग में प्रदेश महामंत्री गिरधारी लाल ज्ञानानी, सुपर वाइजर हीरानंद व प्रीति भूरानी, शिक्षा मित्र योगिता वाधवा, सिल्की मगनानी, माउंट ओएसिस एस के आर ओर किडजी स्कूल की ऑर्डिनेटर आशु हरवानी उपस्थित थे।

पृथ्वी सिंह गुर्जर प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत

दौसा। भारतीय किसान यूनियन धर्मसिंह कोतवाल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुर्जर ने खूंटला दौसा निवासी पृथ्वी सिंह गुर्जर को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। इधर पृथ्वी सिंह गुर्जर को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुर्जर एवं प्रदेशाध्यक्ष भूपसिंह पोसवाल का आभार व्यक्त किया है।

चमत्कारी भैरू बाबा के पौष बड़ा महोत्सव

शाहपुरा (निसं)। शहर के रजनीश हॉस्पिटल जोशाला की ढाणी के पास भैरू बाबा के स्थान पर पौषबडा महोत्सव का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि एससी- एसटी महा संगठन के विधानसभा अध्यक्ष राजेश मंडोवरा ने भैरू बाबा की महा आरती करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंदिर पुजारी बंशीधर शर्मा, रामस्वरूप सिसोदिया, राकेश सैनी, मूलचंद सैनी, शंकर लाल सैनी ने मंडोवरा को षौषबडा महोत्सव के दौरान साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। सभी भक्तों के सहयोग से भैरू बाबा मंदिर को रोशनी से जगमगाया गया और फूलों से सजाया गया। समाजसेवी रामस्वरूप सिसोदिया व मूलचंद सैनी ने भैरू बाबा के भोग लगाकर भक्तों को पंगत प्रसादी वितरित की गई। प्रसादी में हलवा, पकोड़े, पूरी व सब्जी की प्रसादी लगभग 3 हजार भक्तों ने ग्रहण की। इस दौरान सभी भक्तों ने व्यवस्था बनाने में सहयोग प्रदान किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026 का आयोजन

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस लाईन में वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान 03 जनवरी को वृत बानसूर व विराटनगर की टीम के मध्य मैच का आयोजन हुआ, जिसमें विराटनगर की टीम विजेता रही। दूसरा मैच वृत बहरोड़ व नीमराना की टीम के मध्य हुआ, जिसमें नीमराना की टीम विजेता रही। 04 जनवरी को यातायात शाखा कोटपूतली व वृत कोटपूतली की टीम के मध्य मैच का आयोजन रिर्जव पुलिस लाईन कोटपूतली में हुआ, जिसमें यातायात शाखा की टीम विजेता रही। 05 जनवरी को वृत नीमराना व जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की टीम के मध्य मैच का आयोजन हुआ, जिसमें जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की टीम विजेता रही, दूसरा मैच वृत विराटनगर व यातायात शाखा की टीम के मध्य हुआ, जिसमें यातायात शाखा की टीम विजेता रही। फाईनल मैच रिर्जव पुलिस लाईन कोटपूतली-बहरोड़ में पुलिस अधीक्षक कार्यालय व यातायात शाखा टीम के मध्य हुआ।

स्पीड ब्रेकर की मांग, ग्रामीणों ने जाम लगाया, विराटनगर-पावटा मार्ग बंद रहा

पावटा(निसं)। छीतौली ग्राम पंचायत के खरबूजी गांव के ग्रामीणों का कई वर्षों से लंबित स्पीड ब्रेकर की मांग को लेकर आक्रोश आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने पत्थर और कांटे डालकर विराटनगर-पावटा मुख्य सड़क मार्ग पर रोड जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम लोमोड सहित ग्रामीणों का कहना है कि गांव के मुख्य चौराहे एवं आबादी क्षेत्र से होकर गुजरने वाली इस सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। कई सालों से खरबूजी गांव में जो कि विराटनगर - पावटा सड़क मार्ग है। जहां से रोज हजारों वाहन निकलते है। ठेकेदार एमडीआर रोड तो बना दिया पर इसकी ब्रेकर नहीं बनाया। जिससे आए दिन सड़क मार्ग पर हादसे से होते हैं। सुबह स्कूली बच्चों को लेने के लिए बस आती है वह भी यही से निकलती है बच्चे सड़क मार्ग से गुजरते हैं तो कई बार हादसे से हो चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को लिखित व मौखिक रूप से स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग की गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में भारी रोष है। रोड जाम की सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियो ने दूरभाष के जरिए ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास किया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक स्पीड ब्रेकर बनाने का लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक जाम नहीं खोला जाएगा।

कई वर्षों से लंबित स्पीड ब्रेकर की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। आश्वासन के बाद रास्ता खोला।

- **तीन दिन में स्पीड ब्रेकर निर्माण का आश्वासन देने और समस्या के समाधान का भरोसा दिलाने पर ग्रामीणों ने जाम हटाया**

साइबर फ्रॉड आरोपी गिरफ्तार

गोविंदगढ़ / अलवर। जिला पुलिस अधीक्षक अलवर सुधीर चौधरी के नेतृत्व में लगातार चलाए जा रहे साइबर फ्रॉड अभियान के तहत गोविंदगढ़ थाना पुलिस के द्वारा कार्रवाई के चलते साइबर संग्राम अभियान 2.0 के तहत साइबर फ्रॉड करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया वही साइबर फ्रॉड में प्रयुक्त 2 मोबाइल बरामद किये।

आरोपी मीडिया पर पैन पेन्सिल पैकिंग संबंधी जॉब दिलाने व शादी विवाह करवाने के लिये सम्पर्क करते हैं, जिनसे रजिस्ट्रेशन के नाम पर 999 रुपये व दुल्हन के लिये शॉपिंग व अन्य अलग अलग खर्चों के नाम पर ऑनलाईन पैसे डलवाने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी करते हुए वासीद खान पुत्र फकरुदीन जाति मेव उम्र 19 साल निवासी गौर पहाडी पुलिस थाना लक्ष्मणगढ जिला अलवर व असलम पुत्र उमरदीन जाति मेव उम्र 25 साल निवासी बझेडी थाना गोविन्दगढ जिला अलवर को गिरफ्तार किया। पुलिस उनसे अभी और पुछताछ कर रही है कि और मामले भी है क्या।

एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई के डीआईजी पद पर पदौन्नत होने पर अभिनंदन

कोटपूतली,(निसं) कोटपूतली-बहरोड जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई के डीआईजी पद पर पदौन्नत होने पर जाट समाज के प्रतिनिधिमंडल द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिकों एवं प्रतिनिधियों ने एसपी बिश्नोई को साफा व माला पहनाकर, प्रतीक चिन्ह प्रदान कर एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनायें प्रेषित की। अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी एवं महामंत्री एड. मनोज चौधरी ने कहा कि एसपी बिश्नोई का कोटपूतली-बहरोड़ जिले में कार्यकाल सराहनीय एवं अनुकरणीय रहा है। उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के साथ-साथ आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण कायम किया हैं। समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें एक सशक्त, कर्मठ एवं अनुशासित अधिकारी बताते हुये उनकी पदौन्नित को जिले के लिये गौरव का विषय बताया। इस दौरान जाट छात्रावास अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, पूर्व अध्यक्ष कैलाश धूआं, संयोजक कैलाश जाखड़, उपाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, पूर्व महामंत्री मनोज खोजा, महामंत्री एवं स्काउट प्रधान एड. मनोज चौधरी सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई का सम्मान किया।

- **अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी एवं महामंत्री एड. मनोज चौधरी ने कहा कि एसपी बिश्नोई का कोटपूतली-बहरोड़ जिले में कार्यकाल सराहनीय एवं अनुकरणीय रहा है**

पंचायत समिति सदस्य वार्ड यथावत रखने की मांग, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

पावटा(निसं)। पंचायत समिति पावटा में पंचायत समिति सदस्य वार्डों को यथावत रखने की मांग को लेकर प्रतिनिधियों ने पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा को ज्ञापन सौंपा। सदस्यों ने प्रस्तावित बदलावों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि पंचायत समिति पावटा में पंचायत समिति सदस्य वार्ड नंबर 8 ज्योंकि रामपुरा, काकराना, मांजूकोट शामिल थे नए पुनर्गठन में इनको बदलकर वार्ड नंबर 7 बनाकर अब रामपुरा, टोरडा गुजरान कर दिया गया है। ज्ञापन में बताया गया कि वार्डों के पुनर्गठन अथवा बदलाव से ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। बदलाव से जनप्रतिनिधियों और आमजन दोनों को कठिनाई होगी। पंचायत समिति सदस्यों ने कहा कि वार्डों में किसी प्रकार का परिवर्तन करने से विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही, ग्रामीणों की वर्षों पुरानी प्रशासनिक व्यवस्था भी अस्त-व्यस्त हो जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व में शामिल राजस्व ग्राम रामपुरा, काकराना, मांजूकोट को यथावत रखा जाए। इस दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों ने प्रशासन से आग्रह किया कि किसी भी निर्णय से पूर्व जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वार्डों में बदलाव किया गया तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों ने ज्ञापन प्राप्त कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और मामले को उच्च स्तर तक पहुंचाने की बात कही। ज्ञापन सौंपने के दौरान बहादुर गुर्जर, रामशरण गुर्जर, सी पी शर्मा रामपुरा, बनवारी गुर्जर, मदन गुर्जर, रमाकांत सैन सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

- **ग्रामीणों ने मांग की कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व में शामिल राजस्व ग्राम रामपुरा, काकराना, मांजूकोट को यथावत रखा जाए**

वार्डों को यथावत रखने की मांग को लेकर प्रतिनिधियों ने पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

एनएच-148 को फोर-लेन बनाने की दिशा में ऐतिहासिक सफलता

दौसा(निसं)। जिले के लिए बड़ी उपलब्धि के रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग-148 (मनोहरपुर-दौसा) को फोर-लेन बनाने की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है। सांसद मुरारीलाल मीणा के सतत प्रयासों के बाद इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 818 करोड़ 40 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है और टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। सांसद मुरारीलाल मीणा ने बताया कि उन्होंने इस राष्ट्रीय राजमार्ग को फोर-लेन बनाने की मांग को लेकर 9 अगस्त 2024 को पहली बार केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था। इस पर मंत्रालय से 23 अगस्त 2024 को उत्तर प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्होंने इस गंभीर मुद्दे को पुनः 18 मार्च 2025 को पत्र के माध्यम से उठाया, जिस पर 27 मार्च 2025 को मंत्री का जवाब मिला। सांसद मीणा ने 8 अगस्त 2024 को संसद के शून्यकाल में भी इस विषय को प्रभावी ढंग से उठाते हुए सदन और मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं, लगातार हो रही जनहानि और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सरकार को गंभीरता से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि प्रारंभ में इस मार्ग पर केवल कुछ ब्लैक स्पॉट सुधार के लिए डीपीआर बनाई जा रही थी, जिसे उन्होंने अस्थायी और अपर्याप्त समाधान बताया। इसके बाद 14 अगस्त 2025 को पुनः मंत्री को पत्र लिखकर स्पष्ट किया गया कि केवल ब्लैक स्पॉट सुधार से समस्या का समाधान संभव नहीं है, बल्कि पूरे मार्ग को फोर-लेन में परिवर्तित करना आवश्यक है। सांसद मीणा ने इस विषय पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से व्यक्तिगत मुलाकात कर फोर-लेन निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दौसा-मनोहरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-148 की लंबाई लगभग 65 किलोमीटर है, जो एनएच-121 को दिल्ली-जयपुर हाईवे (एनएच-48) से जोड़ता है। यह मार्ग धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी मार्ग से होकर खाटू श्याम जी और मेहंदीपुर बालाजी जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा सहित कई राज्यों से श्रद्धालु और पर्यटक आते-जाते हैं। भारी यातायात दबाव के चलते इस मार्ग पर लगभग प्रतिदिन दुर्घटनाएँ होती हैं।

- **818.46 करोड़ की मंजूरी से टेंडर प्रक्रिया शुरू**

नगर परिषद ने विशेष अभियान के तहत 50 किलो पॉलीथिन कैरी बैग जब्त

टोंक(निसं)। नगर परिषद की टीम ने शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक के पॉलीथिन कैरीबैग के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही करते हुए 50 किलो थैलियां बरामद की। जिसके बाद व्यापारियों में हड़कंप मच गया, कार्यवाही में प्लास्टिक की थैलियां पाए जाने पर जुर्माना भी लगाया गया है।

नगर परिषद की ओर से आयुक्त धर्मपाल जाट के निर्देशानुसार पॉलीथिन कैरीबैग जब्ती का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत परिषद परिषद टीम ने शहर के मुख्य बाजार में कार्रवाई की, जहां टीम ने कपड़े के थैले तथा कागज के पैकेट उपयोग करने वाले दुकानदारों की सराहना भी की। साथ ही अन्य व्यापारियों से भी पॉलीथिन कैरीबैग का उपयोग न करने की समझाइश की, कपडे के थैले एवं कागज के पैकेट को प्रोत्साहित करने की अपील की गई। टीम ने इस दौरान कार्यवाही में शहर के मुख्य बाजारों में दुकानों पर पहुंचकर 50 किलो प्लास्टिक कैरी बैग्स, प्लास्टिक डिस्पोजल व अन्य प्लास्टिक उत्पादक जब्त किए तथा साथ ही जुर्माना राशि 1 हजार 500 रुपए वसूली की गई हैं

- **नगर परिषद की ओर से आयुक्त के निर्देशानुसार पॉलीथिन कैरीबैग जब्ती का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत परिषद परिषद टीम ने शहर के मुख्य बाजार में कार्वाई की**

नगर परिषद की टीम ने शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक के पॉलीथिन कैरीबैग जब्त किये।

विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास में हरित पहल

दौसा। विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास परिसर में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई। जेल प्रशासन एवं होमगार्ड जवानों के संयुक्त प्रयास से कारागृह परिसर में विभिन्न प्रजातियों के मौसमी फूलों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर रेवाड़ी, हरियाणा के गैर सरकारी संगठन मृदुलाश्रय के द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑसमॉस, किशना, पेटुनिया, डॉग फ्लावर, गजेनीय, डायन्थस, फ्लॉक्स, कैलेंडुला एवं वर्बीना प्रजाति के छह हजार पौधों का रोपण किया गया, जिनसे आने वाले समय में परिसर रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित होगा। जेल अधीक्षक श्री पारस जांगिड एवं डॉ. अमन रस्तोगी, कमांडेंट होमगार्ड्स ने बताया कि ऐसे हरित अभियानों से न केवल कारागृह का वातावरण स्वच्छ एवं सौम्य बनता है, बल्कि बंदियों एवं स्टाफ में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। उन्होंने होमगार्ड जवानों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि अनुशासन व सेवा भावना के साथ किया गया।

सार-समाचार

साइबर ठगी मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

टोंक (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक रतन लाल भार्गव के निर्देशन मे थानाधिकारी निवाई सदर द्वारा गठित थाना टीम व डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्यवाही कर साइबर फ्रॉड करने व बैंक खातों से लाखो रुपये की ठगी करने वाले आरोपी बनवारी लाल पुत्र मथुरा लाल मीणा उम्र 32 साल, देवीशंकर पुत्र हरफूल मीणा उम्र 22 व देवीशंकर पुत्र हरफूल मीणा उम्र 22 साल निवासी आदलवाडा थाना चौथ का बरवाडा एवं मनोज कुमार पुत्र भरतलाल मीणा उम्र 32 साल निवासी जडवता थाना सुरवाल जिला सवाईमाधोपुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक बोलेरो कार, 5 एण्ड्रोईड मोबाईल, एक चौकबुक को जप्त किया गया हैं। आरोपियों के खिलाफ साईबर ठगी मामले में प्रकरण दर्ज कर पूछताछ जारी हैं। कार्यवाही के दौरान इनके खिलाफ पूर्व में मोबाईल नम्बरों के विरुद्ध 10 साईबर शिकायतें दर्ज होना पायी गयी।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले का आरोपी गिरफ्तार

टोंक(निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा के निर्देशन मे देवली पुलिस उपाधीक्षक हेमराज नेतृत्व में गठित देवली थाना टीम ने देवली क्षेत्र में घटित गंभीर आपराधिक घटना गत 30 दिसम्बर 2025 को एक नाबालिग बालिका श्याम बाबा सिरोही के दर्शन कर लौटते समय रास्ते में मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा रोककर बहला फुसलाकर हाईवे किनारे खेत में ले जाया गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक दुष्कर्म एवं मारपीट की गई तथा आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए देवली थाना पुलिस ने आरोपियों की तलाश हेतु टीम गठित कर वांछित अपराधी चरतलाल उर्फ सिक्के पुत्र राजेन्द्र मीणा उम्र 18 साल निवासी सुमेरपुरा यबाड की झोंपडियाँ थाना इन्द्रगढ जिला बून्दी को गिरफ्तार किया गया हैं।

नगर परिषद कार्यालय के विभागों की प्रगति की समीक्षा

कोटपूतली (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर परिषद कोटपूतली ओमप्रकाश सहारण ने मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय के विभिन्न अनुभागों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने आरटीआई, जनसुनवाई, आवक- जावक, लेखा शाखा, भूमि शाखा, जन्म-मृत्यु-विवाह पंजीयन शाखा के संधारित रजिस्टरों एवं पत्रावलियों की गहन जाँच कर कार्य में गति लाकर आमजन के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद सचिव अभिषेक सैनी और जेईएन कृष्ण कुमार से नगर परिषद क्षेत्र के विकास कार्यों, नियमित सफाई कार्य, जनसुनवाई के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि डोर टू डोर कचरा संग्रहण हेतु संचालित टिप्परों और ट्रैक्टर ट्रॉली पर नंबरिंग और जीपीएस सुनिश्चित करते हुए इनकी फील्ड मॉनिटरिंग करें।

जिला कलेक्टर आदेश पर 10 तक स्कूलों की छुट्टी

कोटपूतली-बहरोड़ (निसं)। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने आदेश जारी कर वर्तमान में जिले में चल रही शीतलहर एवं ठण्ड के प्रकोप को देखते हुए एवं मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के दृष्टिगत जिले में संचालित नर्सरी से कक्षा 08 तक के समस्त सरकारी एवं गैर राजकीय विद्यालयों में बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दिनांक 07 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक का अवकाश घोषित किया है। आदेशानुसार परिक्षाएं यथावत संचालित रहेंगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी, कोटपूतली-बहरोड को निर्देशित किया कि कोटपूतली-बहरोड जिले में राजकीय / गैर राजकीय विद्यालयों में उपर्युक्त आदेशों की अक्षरशः / कठोरता से पालना कराया जाना सुनिश्चित करावें। निर्देशों की अवहेलना करने वाले राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बमोर में पुस्तक मेला आज से

टोंक। जिले में पढ़ने लिखने की संस्कृति को बढ़ावा देने और आमजन को पुस्तक अध्ययन की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन, बमोर परिसर में आज से 11 जनवरी तक टोंक पुस्तक एवं साहित्य महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में लगने वाले पुस्तक मेले में विशेष रूप से बाल साहित्य की समृद्ध पुस्तकों का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (छठ्ज), चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट (ब्ठ्ज), प्रकाशन विभाग, लोकायत प्रकाशन, वाणी प्रकाशन, प्रथम बुक्स, एकलव्य, ज्ञानपीठ प्रकाशन, इकतारा, यात्रा बुक्स, राजकमल प्रकाशन तथा बरखा सीरीज़ सहित छब्म्त्ज की अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें पाठकों के लिए उपलब्ध रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान शैक्षिक संवाद, शिक्षकों के लिए डेमोन्स्ट्रेशन कार्यशालाएँ तथा विभिन्न शैक्षिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा और पठन संस्कृति को सशक्त बनाना है। महोत्सव में ओपन माइक सत्र भी होगा जिसमें पाठक अपनी पढ़ी हुई पुस्तकों की समीक्षा और विश्लेषण साझा करेंगे। पुस्तक मेला प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सांय 7 बजे तक सभी के लिए खुला रहेगा, जहाँ बच्चे और वयस्क दोनों उत्साहपूर्वक भाग लेकर ज्ञानवर्धक किताबें देख समझ कर खरीद सकेंगे।

सेवानिवृत होने वाले कार्मिक आवेदन 15 जनवरी तक भिजवाएं

दौसा। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में सेवानिवृत होने वाले दौसा जिले में कार्यरत राज्य कार्मिकों को परिपक्वता स्वत्व आवेदन 15 जनवरी तक भिजवाना होगा। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग दौसा के सहायक निदेशक रजनीश कुमार शर्मा ने बताया कि ऐसे कार्मिक जिनकी जन्मतिथि 1 अप्रेल 1966 से 31 मार्च 1967 तक है, उनके जीवन पर जारी राज्य बीमा पॉलिसी 1 अप्रेल 2026 को भुगतान के लिए परिपक्व होने जा रही है। वह सभी कार्मिक अपनी एसएसओ आईडी से एसआईपीएफ पोर्टल पर लॉग इन कर मूल बीमा पॉलिसी, सम्पूर्ण सेवाकाल की प्रमाणित बीमा रिकॉर्ड बुक, पद स्थापन विवरण हेतु परिशिष्ट-क, बीमेदार द्वारा अन्तिम बार बढ़ाई गई बीमा कटौती से संबंधित अधिक घोषणा पत्र तथा कैंसिल चैक अथवा बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की प्रति अपलोड कर 15 जनवरी तक ऑनलाईन परिपक्वता स्वत्व आवेदन भिजवाएं, जिससे परिपक्वता स्वत्व राशि के भुगतान आदेश जारी कर परिपक्वता तिथि को भुगतान किया जा सकें। उन्होंने बताया कि राज्य बीमा पॉलिसी का परिपक्वता तिथि 1 अप्रेल को भुगतान प्राप्त करने के लिए अन्तिम बीमा कटौती माह दिसम्बर 2025 तक होगी।

भांकरी ग्राम में शहीद सूबेसिंह जी धनकड़ की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई

पावटा। भांकरी ग्राम में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूत शहीद सूबेसिंह जी धनकड की 26वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने शहीद की प्रतिमा/चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान दो मिनट का मौन रखकर शहीद की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। वक्ताओं ने शहीद सूबेसिंह जी के जीवन, साहस और देशभक्ति को याद करते हुए कहा कि उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र सेवा और समाज हित में कार्य करने का आव्हान किया। पुण्यतिथि कार्यक्रम में ग्रामवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। सभी ने शहीद के परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके त्याग और बलिदान को सदैव स्मरण रखने का संकल्प लिया। वही कार्यक्रम के दौरान शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया तथा वीरांगना श्रीमती सूनी देवी का सम्मान किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत वीर शहीदों के जयकारे लगाए। समस्त उपस्थित जनों ने राष्ट्रगान गाकर शहीद की शहादत को याद किया और भारत माता व वीर शहीदों के जयकारों से वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। कार्यक्रम ने युवाओं में राष्ट्रप्रेम और बलिदान की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम में वीरांगना श्रीमती सूनी देवी, महेंद्र जी शर्मा गुरुजी, राजेश औला, भूपेंद्र गढ़वाल, कृष्ण धनखड़, राकेश धनकड सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यह चर्चा फिर कभी हो सकती है कि विराट क्या बेहतर कर सकते थे लेकिन मुझे सिर्फ इस बात का दुख है कि जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं वहीं कोहली ने इस फॉर्मेट से दूरी बना ली। - **संजय मांजरेकर**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, विराट कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ आर्यना सबालेंका

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मंगलवार को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ अपने 2026 सीजन की शुरुआत की। सबालेंका ने दूसरे राउंड के मैच में स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 48 मिनट में 6-0, 6-1 से हराया। बेलारूस की खिलाड़ी, जो ब्रिस्बेन में डिफेंडिंग चैंपियन हैं, को पहले राउंड में बाई मिली थी। नवंबर 2025 में डब्ल्यूटीए फ़ाइनल के बाद अपने पहले प्रतिस्पर्धी सिंगल्स मैच में खेलते हुए, सबालेंका ने शुरू से ही मैच पर कंट्रोल रखा, पहला सेट 22 मिनट में जीता और दूसरे सेट में 5-0 की बढ़त बना ली।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक (16 गेंदों में) एबी डिविलियर्स ने बनाया है, उन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

हेड, स्मिथ के शतकों से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

सिडनी, 6 जनवरी। ट्रैविस हेड (163) और स्टीवन स्मिथ (नाबाद 129) के शतकों ने सुनिश्चित किया कि ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक तीसरे दिन सिडनी टेस्ट पर नियंत्रण कर लिया। मेजबान टीम ने पूरे दिन में 352 रन बनाए, और खेल खत्म होने तक 134 रनों की बढ़त ले ली। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 7 विकेट पर 518 रन था, जिससे इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच बचाने के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर गुलाबी दिन पर, इंग्लैंड ने अपना दूसरा रिव्यू जल्दी ही गंवा दिया, जब नाइटवॉचमैन माइकल नेसर के कैच-बिहाइंड की अपील में सिर्फ बल्ले का जमीन से टकराना दिखा। हेड, जो 91 रन पर बल्लेबाजी करने आए थे, ने एक शॉट बाउंड्री के पार मारकर अपना स्कोर 96 तक पहुंचाया, फिर जोश टंग को कवर्स के ऊपर से मारकर सीरीज का तीसरा और कुल मिलाकर टेस्ट में 12वां शतक पूरा किया।

मैथ्यू पॉट्स, जो दूसरे दिन लय से बाहर दिख रहे थे, का हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी के साथ स्वागत किया, जब उन्होंने दिन की अपनी पहली तीन गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़े। हालांकि, हेड को शॉर्ट गेंदें फेंकने की रणनीति लगभग तुरंत काम कर गई, लेकिन विल जैक्स ने ब्रायडन कार्स की गेंद पर डीप मिड-विकेट पर एक आसान कैच छोड़ दिया, जिससे मेहमान टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं। नेसर, जिन्होंने पहले सेशन में कई बार शॉट खेलने की कोशिश की और चूके, उन्होंने

ऑफसाइड से कुछ खूबसूरत ड्राइव भी लगाए, इससे पहले कि इंग्लैंड ने नेसर के खिलाफ ऑफ स्टंप के ठीक बाहर हॉक-आई पर प्रभाव के साथ अपना आखिरी रिव्यू इस्तेमाल कर लिया।

नेसर आखिरकार कार्स की गेंद पर विकेटकीपर को कैच देकर आउट हो गए, जिससे नाइटवॉचमैन का प्रतिरोध खत्म हो गया। हेड ने लगातार चौके लगाकर इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ाना जारी रखा, जिसमें पॉट्स की गेंद पर एक शानदार पुल शॉट भी शामिल था। हेड ने स्लिप कॉर्डन के ऊपर से एक जोरदार शॉट मारकर 150 रन पूरे किए, जबकि स्मिथ धीरे-धीरे अपनी पारी में जम रहे थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज को तब राहत मिली जब एक बाहरी किनारा गली में ज़ैक क्रॉली के हाथों में नहीं टिका।

हेड 163 रन पर जैकब बेथेल की गेंद पर पैड पर लगने के बाद आउट हो गए और उन्होंने रिव्यू भी लिया, जिससे 54 रन की साझेदारी टूट गई। उस्मान ख्वाजा अपने आखिरी टेस्ट में गार्ड लेने के लिए मैदान पर आए। इस बीच, स्मिथ ने बेन स्टोक्स को जल्द ही तीन चौके लगाकर मेजबान टीम को 300 के पार पहुंचाया और रन लगातार बनते रहे। इंग्लैंड ने दूसरी नई गेंद मिलते ही ले ली, लेकिन पॉट्स और कार्स ने चौके लुटाए और स्मिथ 50 रन पर पहुंच गए। जैसे ही दोनों बल्लेबाजों ने 50 रन की साझेदारी पूरी की, कार्स ने ख्वाजा को पगबाधा आउट कर दिया। एलेक्स कैरी ने 13 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली, जिसमें तीन चौके शामिल थे, जो सभी एक्स्ट्रा-कवर क्षेत्र में लगे, जिसके बाद वह टंग की गेंद पर लेग-स्लिप पर बेथेल के हाथों कैच आउट हो गए।

पॉट्स के लगातार आसान गेंदें फेंकने से ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 384 रन के करीब पहुंच गया और जब चाय का ब्रेक हुआ तो वे सात रन पीछे थे। चाय के बाद पहले ओवर में कैमरन ग्रीन ने स्टोक्स को चौका लगाया, लेकिन आखिरी सेशन स्मिथ का शो रहा। उनके पास सब कुछ था - कुछ जिम्नास्टिक, अंपायरिंग, भीड़ में चॉकलेट आइसक्रीम चुनना और निश्चित रूप से, कुछ शानदार स्ट्रोक-मेकिंग। इस दिग्गज खिलाड़ी के एक्स्ट्रा कवर के जरिए लगाए गए चौके ने ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई।

68वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

जयपुर, 6 जनवरी। 68वी नेशनल शूटिंग चौंपियनशिप प्रतियोगिता-2025 की दिल्ली में 1 दिसम्बर से 06 जनवरी तक आयोजित शॉटगन डबल ट्रैप प्रतियोगिता का आज समापन हुआ। जिसमें राजस्थान के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुष्का सिंह भाटी ने महिला व्यक्तिगत सीनियर वर्ग में गोल्ड मेडल पर अपना कब्ज़ा जमाया। साथ ही पुरूष जूनियर एवं सीनियर टीम वर्ग में सिल्वर मेडल तथा महिला जूनियर एवं सीनियर टीम वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल किये। उक्त खिलाड़ी जयपुर में स्थित ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर में अभ्यासरत है। जगतपुरा शूटिंग रेंज ने राज्य व देश को कई राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एवं ओलम्पिक स्तर के उत्कृष्ठ खिलाड़ी दिये है। आगे भी राजस्थान राईफल एसोसिएशन का प्रयास रहेगा की आगामी प्रतियोगिताओ ं में भी राज्य व देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक दिलाकर राज्य व देश को गौरवान्वित करेंगे। राजस्थान राईफल एसोसिएशन पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देती है साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

अंडर-15 वीमेन ट्रॉफी : राजस्थान और कर्णाटक जीती

जयपुर 6 जनवरी। कलकत्ता में खेली जा रहे बीसीसीआई अंडर 15 वीमेन ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - यूपी मैच को राजस्थान ने 7 विकेट से जीता। राजस्थान के लिए आरती, माहिरा, रोचलेयादव, काव्या बिश्नोई का शानदार प्रदर्शन।

उत्तर प्रदेश पारी 137 / 9, टीम के लिए अनुश्री 23, मीनाक्षी 22 व गरिमा 21 रन, राजस्थान की गेंदबाज आरती 38 / 2, माहिरा 21 / 2, रोचले यादव, दर्शिता 1 - 1 विकेट, राजस्थान पारी 138 / 3, टीम के लिए काव्याबिश्नोई 32, रोचलेयादव नाबाद 30, सारिका 23 व आरती नाबाद 20 रन।, विजय हजारे टॉफी राजस्थान - कर्णाटक मैच (कर्णाटक जीता), कर्णाटक पारी 324 / 7, टीम के लिए मयंक 100, देवदत्त 91 रन, राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 51 / 2, अजय कुकना 66 / 2, अशोक शर्मा, अमन सिंह, खलील अहमद 1 - 1 विकेट, राजस्थान पारी 174 आल आउट, टीम के लिए करण लाम्बा 55, दीपक हुड्डा 29 व अजय कुकना 25 रन, कर्णाटक के गेंदबाज प्रसिद्ध 36 / 5 विकेट, राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी के आज खेले गए मैचों का परिणाम : - सोनी स्टेडियम सिक्किम - उत्तराखंड मैच (उत्तराखंड जीती), सिक्किम पारी 219 / 8, उत्तराखंड पारी 223 / 4, के एल सैनी स्टेडियम पंजाब - गोआ मैच (पंजाब जीती), गोवा पारी 211 आल आउट, पंजाब पारी 212/ 4, जयपुरिया ग्रोउंड मुंबई - हिमाचल मैच (मुंबई जीती), मुंबई पारी 299 / 9, हिमाचल पारी 292 आल आउट, अनंतम ग्राउंड छत्तीसगढ़ - महाराष्ट्र मैच (छत्तीसगढ़ जीती), छत्तीसगढ़ पारी 166 आल आउट, महाराष्ट्र पारी 160 / 8

स्टीव स्मिथ शतक लगाकर एशेज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

सिडनी, 6 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मंगलवार को एक शानदार शतक लगाकर एशेज के इतिहास में अपना नाम और मजबूती से दर्ज कराया। वह इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हॉब्स को पीछे छोड़कर एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अपना 37वां टेस्ट शतक बनाया, जब उन्होंने ट्रैविस हेड के शानदार 163 रनों की बदौलत मिली मजबूत नींव पर पारी को आगे बढ़ाया। इससे मेजबान टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल स्कोर को पार करने में सफल रही और सीरीज़ के आखिरी टेस्ट में एक महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। इस प्रक्रिया में, स्मिथ ने हॉब्स के 3,636 एशेज रनों के आंकड़े को पार कर लिया और अब वह ऑल-टाइम लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी एशेज शतकों की सूची में भी दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, इंग्लैंड के खिलाफ उनके 13 शतकों से ज़्यादा सिर्फ ब्रैडमैन के 19 शतक हैं। स्मिथ का एशेज का सफर 2010 में पर्थ में शुरू हुआ था, हालांकि इस मशहूर प्रतिद्वंद्विता में अपना पहला शतक लगाने में उन्हें 15 पारियां लगीं, जो 2013 में द ओवल में आया था। तब से, वह इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए लगातार परेशानी का सबब बने हुए हैं, उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2019 में इंग्लैंड में हुए एशेज के दौरान आया था, जहां उन्होंने 110.57 के शानदार औसत से 774 रन बनाए थे।

डी कॉक और बेयरस्टो की तूफानी पारियां, सनराइज़र्स की सेंचुरियन में रिकॉर्ड जीत

प्रिटोरिया, 6 जनवरी। बेटवे एसए20 सीजन 4 रिकॉर्ड्स का सीजन बनता जा रहा है और सोमवार शाम सेंचुरियन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ पहली ऐतिहासिक जीत दर्ज कर इसका ताज़ा उदाहरण पेश किया। सनराइजर्स ने कैपिटल्स के 176/7 के स्कोर को बिना कोई विकेट गंवाए पार कर लिया, जो बेटवे एसए20 इतिहास में उनका सबसे बड़ा सफल रन-चेज है। इस शानदार जीत के साथ ट्रिस्टन स्टब्स की टीम 17 अंकों के साथ अंकतालिका में फिर से शीर्ष पर पहुँच गई।

जोकोविच एडिलेड से हटे, ऑस्ट्रेलियन ओपन पर फोकस

एडिलेड, 6 जनवरी। नोवाक जोकोविच ने अगले हफ्ते होने वाले एडिलेड इंटरनेशनल से अपना नाम वापस ले लिया है, उन्होंने फिटनेस की चिंताओं का हवाला दिया है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी जारी रखे हुए हैं। एडिलेड में फैंस को संबोधित करते हुए एक इंस्टाग्राम स्टोरी में, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि वह एटीपी 250 इवेंट में "शारीरिक रूप से प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं", और इस फैसले को "व्यक्तिगत रूप से बहुत निराशाजनक" बताया।

जोकोविच ने कहा कि एडिलेड उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने दो साल पहले वहां खिताब जीता था, और कहा कि शहर में वापस आकर "सच में घर जैसा महसूस हुआ"। हालांकि, सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उनकी तत्काल प्राथमिकता सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार होना है।

मेरा ध्यान अब ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी पर है और मैं जल्द ही मेलबर्न पहुंचने और ऑस्ट्रेलिया में सभी टेनिस फैंस से मिलने का इंतजार कर रहा हूं।" 38 वर्षीय खिलाड़ी ने 12 जनवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट का इस्तेमाल मेलबर्न पार्क में सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम की तैयारी के तौर पर करने का इरादा किया था, जहां उनका लक्ष्य रिकॉर्ड 11वां ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब और अपनी 25वीं मेजर चैंपियनशिप जीतना है।

दीप्ति ने गेंदबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान गंवाया

दुबई, 6 जनवरी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ अपनी घरेलू सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 में मैच जिताने वाली पारी के बाद आईसीसी महिला टी20 बैटिंग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर आ गई हैं, जबकि दीप्ति शर्मा ने बॉलिंग रैंकिंग में टॉप स्पॉट खो दिया है।

अमन राव का दोहरा शतक, सिराज ने झटके चार विकेट, हैदराबाद ने बंगाल को हराया

राजकोट, 6 जनवरी। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भारतीय वनडे टीम में अपनी वापसी का जश्न बंगाल के खिलाफ 58 रन पर चार विकेट लेकर मनाया और हैदराबाद को मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच में 107 रनों से शानदार जीत दिला दी। शाहबाज़ अहमद की 108 रनों की नाबाद जुझारू पारी बेकार गई क्योंकि बंगाल को हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए, हैदराबाद के ओपनर अमन राव ने 154 गेंदों में शानदार 200 रन बनाकर अकेले दम पर टीम को 50 ओवर में 352/5 के स्कोर तक पहुंचाया। मोहम्मद शमी (3-70), शाहबाज़ (1-57), रोहित (1-61) बंगाल के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अर्जेंटीना यूनाइटेड कप के क्वार्टर फाइनल में

पर्थ, 6 जनवरी। अर्जेंटीना ने पर्थ में सबसे अच्छी स्थिति वाली रनर-अप टीम होने के नाते यूनाइटेड कप क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अर्जेंटीना ग्रुप ए में 1-1 के टाई रिकॉर्ड और, महत्वपूर्ण रूप से, 4-2 के मैच रिकॉर्ड के साथ रनर-अप रहा। पर्थ में कोई भी अन्य रनर-अप देश चार मैच जीत के साथ खत्म नहीं कर सकता, इसलिए अर्जेंटीना का क्वार्टर-फाइनल में पहुंचना तय है। ग्रुप ए के विजेता, संयुक्त राज्य अमेरिका को पर्थ में सर्वश्रेष्ठ रनर-अप का सामना करना था। हालांकि, चूंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और अर्जेंटीना ग्रुप प्ले में मिल चुके हैं, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका ग्रीस से भिड़ेगा और स्विट्जरलैंड अर्जेंटीना से खेलेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका-ग्रीस टाई बुधवार को पर्थ में स्थानीय समय सुबह 10 बजे शुरू होगा, जबकि स्विट्जरलैंड-अर्जेंटीना मैच रात के सत्र में शाम 5 बजे शुरू होगा। फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच ने दो मैच पॉइंट बचाकर फ्लेवियो कोबोली को चौंका दिया और मंगलवार को पर्थ में यूनाइटेड कप क्वार्टर-फाइनल की दौड़ से इटली को बाहर कर दिया। इस नतीजे से यह पक्का हो गया है कि अर्जेंटीना पर्थ ग्रुप में सबसे अच्छे रिकॉर्ड के साथ रनर-अप रहेगा।

अभिज्ञान के अर्द्धशतक से संस्कार विजयी हनू कटारिया के प्रयास व्यर्थ रहा

जयपुर, 6 जनवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकुम क्रिकेट ठाउण्ड हाथोज में खेले गये मुकाबले में संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने विकेट कीपर बल्लेबाज अभिज्ञान 53 रन के अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी को 16 रन से हराकर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अभिज्ञान 53 रन (96 गेंद, 2 चौके), आयुष सैनी 21 रन, निशान्त राठौड़ 15 रन, ईशान सैनी 11 रन नाबाद तथा अतिरिक्त 34 रन के सहयोग से निर्धारित 40 ओवर में 7 विकेट खोकर 154 रन बनाये। गेंदबाजी में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी की ओर से हनु कटारिया 20 रन पर 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। जबकि राजवंश राठौड़ व अगस्तय जाट प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में राजीव गांधी किक्रेट एकेडमी ने प्रणीत चौधरी 17 रन, साक्षी नाथावत 16 रन, देव 16 रन, अगस्तय जाट 11 रन, हनु कटारिया 11 रन तथा अतिरिक्त 52 रन के सहयोग के बावजूद भी 38.3 ओवर में 138 रन बनाकर पूरी टीम सिमट गयी। गेंदबाजी में संस्कार क्रिकेट एकेडमी की ओर से मयंक कुमार 18 रन पर 2 विकेट, ईशान सैनी 22 रन पर 2 विकेट तथा रूद्र, अमन सिंह व यंश चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

इंडो नेपाल अंतर्राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज में भारत जीता

भारत ने नेपाल को 3-0 से हराकर क्लीन स्वीप किया

जयपुर, 6 जनवरी। नेपाल के बिराटनगर में खेले गये तीसरे व अंतिम अंतरराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट श्रृंखला के पुरूष वर्ग के मैच में भारत ने नेपाल को लगातार दो सेटों में 35-26,35-19 से पराजित किया। जबकि महिला वर्ग के मैच में भारत ने नेपाल को आसानी से 35-22,35-20 से पराजित किया। इस तरह भारतीय पुरूष व महिला दोनों टीमों ने तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नेपाल पर 3-0 से पराजित कर क्लीन स्वीप किया। बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ एशिया के तत्वावधान में बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ नेपाल के द्वारा आयोजित तीन अंतराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन श्रृंखला का आयोजन किया गया।

जिसके अंतर्गत आज हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल बिराटनगर (नेपाल) में पुरूष व महिला वर्ग के मैच खेले गये।

पुरूष वर्ग का तीसरे व अंतिम टेस्ट मैच में भारत की ओर से प्रशांत एचजी, उपेन्द्र मिश्रा, आर. सूर्या, आर. रोहित कुमार, विनोद कुमार ने एवं महिला वर्ग में जसलीन जे., श्रुष्टि संपत पाटिल, निधि कुमारी, ज्योति, सावित्री रमेश कारीगर ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच के उपरांत पुरस्कार वितरण केंद्रीय सलाहकार टीकाराम पुरी, प्याबसन प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रेम सुबाल, प्याबसन जिलाध्यक्ष जगत बस्नेत, नगर अध्यक्ष अर्जुन श्रेष्ठ, भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के महासचिव वाई. राजा राव ने किया। अतिथियों का स्वागत नेपाल बॉल बैडमिंटन महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार यादव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन महासचिव अमिश रेगमी ने किया।

इस अवसर पर अरुण राठी, अशोक लामा, देवी सिहौला, भारतीय महिला टीम के प्रशिक्षक गौरी शंकर, प्रबंधक डॉ. रजनी गंधा, पुरुष टीम प्रशिक्षक नरेश चंद्राकर, प्रबंधक रंजन कुमार गुप्ता, तकनीकी पदाधिकारी सतीश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंच संचालन सीता यादव ने किया। राज्य संघ के अध्यक्ष डॉ.राजपाल शर्मा,सचिव शौकत अली,कोषाध्यक्ष एवं अंतराष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य लक्ष्मीकांत शर्मा ने विजेता भारतीय खिलाड़ियों को शानदार जीत के लिए बधाई दी।

रूट ने की पोंटिंग की बराबरी, तेंदुलकर से बस 10 शतक पीछे

सिडनी, 6 जनवरी। टेस्ट क्रिकेट में अब इंग्लैंड के जो रूट के 41 शतक हो चुके हैं। वह अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज़ों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जहां वह रिकी पोंटिंग के साथ हैं। उनसे आगे सिर्फ़ सचिन तेंदुलकर (51) और जैक कैलिस (45) हैं।

रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में 160 रन बनाकर यह उपलब्धि अपने नाम की। 2021 की शुरुआत से अब तक रूट ने कुल 24 टेस्ट शतक लगाए हैं। इस अवधि में किसी और बल्लेबाज ने दस से ज़्यादा शतक नहीं लगाए हैं। हैरी ब्रूक, केन विलियमसन, स्टीवन स्मिथ और शुभमन गिल दस दस शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। छह कैलेंडर वर्षों में रूट के ये 24 शतक सिर्फ़ पोंटिंग और मैथ्यू हेडन से

पीछे हैं, जिन्होंने 2001 से 2006 के बीच 26 शतक लगाए थे। 2026 की शुरुआत हुए अभी एक हफ़्ता ही हुआ है और रूट के पास पोंटिंग और हेडन का रिकॉर्ड पार करने के लिए पूरा साल है। टेस्ट क्रिकेट में रूट ने 17 बार 150 से ज़्यादा का स्कोर बनाया है, जो इतिहास में पांचवां सबसे ज़्यादा है। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 20 स्कोर के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों में रूट के नाम सबसे ज़्यादा 150 या उससे अधिक के स्कोर हैं।

एलिस्टेयर कुक इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। अब रूट के नाम टेस्ट क्रिकेट में सात अलग-अलग देशों में 150 से ज़्यादा रन का स्कोर दर्ज है। उनसे ज़्यादा देशों में यह कारनामा सिर्फ़ तेंदुलकर और यूनुस ख़ान ने किया है। दोनों बल्लेबाज़ों ने आठ देशों के ख़िलाफ़ 150 का स्कोर बनाया है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार 50 से ज़्यादा रन की पांच पारियों को रूट ने शतक में बदला है। यह सिलसिला पिछले साल लीड्स में भारत के ख़िलाफ़ चौथी पारी में बनाए गए नाबाद 53 रन से शुरू हुआ था। यह पहला मौक़ा है जब रूट ने लगातार पांच 50 स्कोर को शतक में बदला है। इससे पहले वह 2022 और 2024 में लगातार चार अर्धशतकों को शतक में बदल चुके हैं। रूट इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज़ भी हैं, जिन्होंने एलिस्टेयर कुक के बाद यह कारनामा किया है।

वैभव सूर्यवंशी ने पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे तेज भारतीय यूथ वनडे अर्द्धशतक बनाया

बेनोनी, 6 जनवरी। क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका अंडर 19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे के दौरान यूथ वनडे इंटरनेशनल में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज़ फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रेगुलर कप्तान आयुष म्हात्रे की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी करते हुए, 14 साल के सूर्यवंशी ने पावर-हिटिंग का शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ़ 15 गेंदों में अपना हाफ सेंचुरी पूरा किया, जिससे उन्होंने सीनियर भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

युवा ओपनर आखिरकार 24 गेंदों पर शानदार 68 रन बनाकर आउट हो गए, इस पारी में क्लीन स्ट्राइकिंग का बोलबाला था। उन्होंने 10 छक्के और सिर्फ़ एक चौका लगाया, जिसमें से 64 रन बाउंड्री से आए, जिससे साउथ अफ्रीकी गेंदबाज़ों को उन्हें रोकने में मुश्किल हुई। इससे पहले, साउथ अफ्रीका अंडर19 ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया और 49.3 ओवर में 245 रन पर आउट हो गई। बाद में बारिश की रुकावट के कारण बदले हुए हालात में भारत का टारगेट 27 ओवर में 174 रन कर दिया गया। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की, जिसमें ओपनर एरॉन जॉर्ज और सूर्यवंशी ने मेजबान टीम पर अटैक किया। दोनों ने सिर्फ़ 4.1 ओवर में टीम का पचास रन पूरा किया। जॉर्ज सबसे पहले आउट हुए, उन्होंने 19 गेंदों पर 20 रन बनाए, और भारत का स्कोर 6.1 ओवर में एक विकेट पर 67 रन था। सूर्यवंशी ने अपना अटैक जारी रखा, लेकिन 8.1 ओवर में माइकल क्रुइसकैंप ने उन्हें आउट कर दिया, और तब भारत का स्कोर 10 ओवर में दो विकेट पर 103 रन था।

श्रेयस अय्यर की विजयी वापसी, मुंबई को दिलाई रोमांचक जीत

जयपुर, 6 जनवरी। कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी फिटनेस साबित करते हुए 82 रन की शानदार पारी खेली जबकि प्लेयर ऑफ द मैच मुशीर खान ने 73 रन बनाये जिसकी बदौलत मुंबई ने हिमाचल प्रदेश को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के रोमांचक मुकाबले में मंगलवार को मात्र सात रन से हरा दिया। मुंबई ने निर्धारित 33 ओवर में नौ विकेट पर 299 रन बनाये जबकि हिमाचल की टीम 32.4 ओवर में 292 रन पर सिमट गई। श्रेयस को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ भारतीय वनडे टीम में सशर्त शामिल किया गया था कि वह अपनी फिटनेस साबित करें। श्रेयस ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए 53 गेंदों पर 82 रन की बेहतरीन पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाए। मुशीर ने 51 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और तीन छक्के मारे। हिमाचल की तरफ वैभव अरोड़ा, अभिषेक कुमार और कुशल पाल ने तीन-तीन विकेट लिए। हिमाचल की तरफ से पुखराज मान ने 64, अंकुश बैंस ने 53 और मयंक डागर ने 64 रन बनाये। मुंबई के लिए शिवम दुबे ने चार और मुशीर खान ने एक विकेट लिया। मुंबई छह मैचों में पांचवीं जीत और 20 अंकों के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। हिमाचल को चौथी हार का सामना करना पड़ा और वह आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

अमेरिकी टेनिस लीजेंड वीनस विलियम्स ऑकलैंड में पहले दौर में हारी

वेलिंगटन, 6 जनवरी। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 वीनस विलियम्स मंगलवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक में अपने पहले मैच में पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेट में हार गईं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन विलियम्स ने महिला टेनिस एसोसिएशन 250 इवेंट में वापसी करते हुए अच्छे संकेत दिखाए, जो 2 से 17 जनवरी तक चलेगा। दुनिया में 53वें नंबर पर मौजूद लिनेट ने 6-4, 4-6, 6-2 से जीत हासिल कर दूसरे राउंड में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला इटली की एलिसाबेटा कोकियारेटो से होगा। लिनेट ने कहा, "मुझे लगा कि मैं कम गलतियां कर सकती थी, खासकर इतने पावरफुल हिटर के साथ, मुझे थोड़ा और सॉलिड होने की जरूरत है।" वाइल्डकार्ड एंट्री पाने वाली विलियम्स, जो 582वें नंबर पर हैं, ने कहा, "मुझे लगता है कि मेरी प्रतिद्वंद्वी ने शानदार खेला। वह निश्चित रूप से जीत की हकदार थी।" 45 साल की खिलाड़ी, जो अगस्त में यूएस ओपन के बाद अपना पहला मैच खेल रही थीं, ने कहा कि इस स्टेज पर उनका मुख्य फोकस इस महीने के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले मैच फिटनेस और लय बनाना है। इस हार से टूर्नामेंट के कुछ बड़े नामों के लिए मुश्किल शुरुआत हुई, जब सोमवार को दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी एम्मा नवारो टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गईं।

पडिक्कल ने 600 रन बनाकर विजय हजारे में इतिहास रचा

बेंगलुरु, 6 जनवरी। देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में एक बार फिर इतिहास रच दिया है, क्योंकि वह भारत की प्रमुख घरेलू एक दिवसीय प्रतियोगिता के तीन अलग-अलग सीजन में 600 या उससे ज़्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। पडिक्कल ने यह उपलब्धि मंगलवार को गुजरात कॉलेज ग्राउंड में राजस्थान के खिलाफ कर्नाटक के एलीट ग्रुप ए मैच के दौरान हासिल की। राजस्थान के खिलाफ, पडिक्कल ने एक और अहम भूमिका निभाई, 82 गेंदों में 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 91 रन बनाए, और कप्तान मयंक अग्रवाल के साथ 184 रन की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप करके कर्नाटक की पारी को संभाला। इस जोड़ी ने कर्नाटक को एक मजबूत शुरुआत दी, जब राजस्थान ने फील्डिंग करने का फैसला किया तो एक मज़बूत प्लेटफॉर्म तैयार किया। चल रहे 2025-26 सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन में 147, 124 और 113 के शतक शामिल हैं, जो अलग-अलग मैदानों और परिस्थितियों में उनकी निरंतरता को दिखाता है। अपने असाधारण फॉर्म के बावजूद, पडिक्कल को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था, जिससे क्रिकेट जगत में हैरानी हुई। इस अनदेखी ने घरेलू क्रिकेट में दबदबा बनाने और राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए एक मजबूत दावा पेश करने के उनके दृढ़ संकल्प को और बढ़ा दिया है। पडिक्कल ने पहले 2019-20 सीजन में 11 मैचों में 609 रन बनाकर विजय हजारे चार्ट में टॉप किया था और 2020-21 में सिर्फ सात पारियों में 147.40 की औसत से 737 रन बनाकर बेंचमार्क बढ़ाया था, जिसमें चार शतक शामिल थे, जब कर्नाटक सेमीफाइनल में पहुंचा था। पडिक्कल, जिन्होंने भारत के लिए दो टेस्ट और दो टी20 में भी खेला है, 2026 इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलेंगे। पिछले सीजन के बीच में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर होने के बावजूद फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन किया था। एक मज़बूत विजय हजारे सीजन के साथ, पडिक्कल का लक्ष्य भारतीय टीम में अपनी जगह वापस पाना और अपने शानदार फॉर्म को जारी रखना होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ मौजूद थे।

उद्यमी, निवेशक व युवा एआई के उभरते क्षेत्र में राज्य के सहभागी बनें- भजनलाल

इलैक्ट्रोनिक्स को बढ़ावा देने के लिए 5 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा- वैष्णव

■ **एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय सूचना प्रोद्यौगिक मंत्री जतिन प्रसाद ने कहा कि भारत शीघ्र ही एक वैश्विक एआई शिखर का आयोजन करेगा, जिसमें अनेक देश, वैश्विक कंपनियां व तकनीकी विशेषज्ञ भाग लेंगे।**

जयपुर, 6 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन लाकर लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है और विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने उद्यिमयों, निवेशकों और युवाओं को एआई के उभरते क्षेत्र में सहभागी बनने के लिए राजस्थान में आमंत्रित भी किया।

केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने कहा कि एआई विकास के क्षेत्र में भारत आज विश्व के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। चीन, अमेरिका और भारत एआई डेवलपमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

अश्विनी वैष्णव ने घोषणा करते हुए कहा कि राजस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ ावा देने के लिए उद्योग संगठनों के सहयोग से नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके तहत राज्य में 5 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, आने वाले समय में राजस्थान में डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए शीघ्र ही आवश्यक प्रक्रियाएं प्रारंभ होंगी।

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत में शीघ्र ही एक वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में विश्व के अनेक देशों, वैश्विक कंपनियों और तकनीकी विशेषज्ञों की भागीदारी होगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नेशनल एआई लिटरेसी प्रोग्राम, राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी 2026, आई स्टार्ट एलएमएस, राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पोर्टल, राजस्थान एआई पोर्टल को लॉन्च किया। इस दौरान राज्य सरकार द्वारा गूगल, आईआईटी दिल्ली, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर के साथ योजना भवन में हुए विभिन्न द्विपक्षीय एमओयू का होलोग्राफिक तकनीक के माध्यम से जीवंत प्रसारण भी किया गया। उल्लेखनीय है कि जी-20 में भी इसी तकनीक का उपयोग किया गया था।

नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म करने वाले पिता को कैद

■ **मां पीहर गई, पीछे से अभियुक्त पिता ने यहाँ रिश्तों को तार-तार किया।**

जयपुर, 6 जनवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने अपनी 9 साल की नाबालिग पुत्री के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त पिता कोआॅआॅ आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता की मां अपनी बेटी को अभियुक्त के पास इस विश्वास के साथ छोड़कर पीहर गई थी कि वह उसके पास सबसे अधिक सुरक्षित रहेगी, लेकिन अभियुक्त ने भक्षक बनकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म कर रिश्तों की गरिमा को तार-तार कर दिया। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि गत 6 मार्च को पीड़िता ने अपनी मकान मालकिन के साथ प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा था कि उसकी मां तीन दिन पहले उसे पिता के पास छोड़कर अपने पीहर गई थी। रात के समय उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया और सुबह स्कूल छोड़कर आ गए। अगली रात को भी पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। तीसरे दिन जब उसकी आंटी गांव से आई तो उसने पिता की ओर से गंदा काम करने की बात बताई। इस पर आंटी ने पुलिस को फोन कर दिया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं, दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से अपने बचाव में कहा गया कि उसका अपनी पत्नी से विवाद हो गया था, जिसके कारण वह उसे छोड़कर पीहर चली गई थी। इस विवाद के चलते उसने पीड़िता के माध्यम से उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराया है और जांच अधिकारी ने साक्ष्य स्वयं सृजित किए हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

'विशेषज्ञों की बैठक तत्काल बुलाकर विस्तृत रिपोर्ट पेश करें'

सर्वोच्च न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर फटकारा

■ **अदालत ने कहा कि गत वर्षों में कई उपाय किये जाने के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है। कुछ मामलों में तो स्थिति पहले से अधिक बिगड़ी है।**

नयी दिल्ली, 06 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में लगातार बनी वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति से निपटने में कथित उदासीनता को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) पर कड़ी टिप्पणी करते हुए आयोग को निर्देश दिया कि वह विशेषज्ञों की एक समन्वित बैठक तत्काल बुलाए और उसके आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अदालत और जनता के समक्ष प्रस्तुत करे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मंगलवार को कहा कि प्रदूषण के स्रोतों और उनके अनुपातिक योगदान को लेकर विभिन्न विशेषज्ञ संस्थानों के बीच कोई एकरूपता नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आईआईटी जैसे तकनीकी संस्थानों सहित अलग-अलग विशेषज्ञ निकायों ने उत्सर्जन क्षेत्रों के योगदान को लेकर काफी भिन्न-भिन्न आकलन प्रस्तुत किए हैं।

पीठ ने उदाहरण देते हुए कहा कि एनसीआर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता में परिवहन और उत्सर्जन क्षेत्र का योगदान अलग-अलग आकलनों में 12 प्रतिशत से लेकर 41 प्रतिशत तक बताया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि बीते वर्षों में कई उपाय किए जाने के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है और कुछ मामलों में स्थिति और अधिक बिगड़ी है।

न्यायालय ने कहा कि वह लंबे समय से इस मुद्दे को समय-समय पर उठाने को मजबूर रहा है और विशेषज्ञों तथा न्यायमित्र की सहायता भी ली गयी, लेकिन इसके बावजूद कोई स्थायी सुधार नहीं दिखा। पीठ ने 17 दिसंबर 2025 के अपने पूर्व आदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय सीएक्यूएम को दीर्घकालिक सुधारात्मक उपायों पर पुनर्विचार कर उन्हें रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया गया था, लेकिन आयोग ने ठोस कार्ययोजना के बजाय केवल एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की।

उच्चतम न्यायालय ने टिप्पणी की कि यह नोट प्राधिकरण की गंभीरता को नहीं दर्शाता और न्यायालय द्वारा उठाए गए अधिकांश मुद्दों पर मौन है। पीठ ने यह भी कहा कि सीएक्यूएम न तो वायु गुणवत्ता सूचकांक के बिगड़ने के सटीक कारणों की पहचान करने में तत्पर दिख रहा है और न ही दीर्घकालिक समाधान तैयार करने में, जिससे अदालत को दोनों प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश देने पड़े।

वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचे। 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स से जुड़े भ्रष्टाचार मामलों की जांच के बीच, अप्रैल 2011 में उनकी पार्टी सदस्यता निलंबित कर दी गई थी।

वे पुणे सीट से तीन बार लोकसभा सांसद भी रहे। वे पहली बार 1996 के आम चुनाव में 11वीं लोकसभा के लिए चुने गए, फिर 2004 में 14वीं लोकसभा और 2009 में 15वीं लोकसभा में पहुंचे, जो 2014 तक चली। 25 अप्रैल 2011 को सुरेश कलमाड़ी को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन-सीबीआई) ने 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स से जुड़े भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोपों में गिरफ्तार किया था।

शनिवार को कार्यदिवस : हाई कोर्ट ने जजों की कमेटी बनाई

■ **कमेटी 21 जनवरी तक अपनी सिफारिश देगी।**

जयपुर, 6 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में हर माह के दो शनिवार को कार्य दिवस घोषित करने के खिलाफ वकीलों के विरोध को देखते हुए हाईकोर्ट प्रशासन ने जजों की कमेटी गठित करने की बात कही है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर और जोधपुर की हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के साथ इस संबंध में बैठक की। बैठक में बार कांउसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन भुवनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

बैठक में बार पदाधिकारियों ने शनिवार को कार्यदिवस घोषित करने को अव्यवहारिक और परेशानियां पैदा करने वाला बताया।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने कहा कि मलीमत कमेटी की सिफारिशों के अनुसार, हाईकोर्ट में साल के 210 कार्यदिवस निर्धारित हैं। ऐसे में इसमें बदलाव के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी जरूरी है।

वहीं, जोधपुर बार पदाधिकारियों ने इसे इकतरफा फैसला बताते हुए वापस लेने की मांग की। एक पूर्व अध्यक्ष ने यह भी सुझाव दिया कि रोजाना होने वाली सुनवाई का समय आधा घंटा बढा दिया जाए।

हाईकोर्ट बार महासचिव दीपेश शर्मा ने बताया कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने इस संबंध में एक कमेटी गठित कर उससे 21 जनवरी तक सिफारिश लेने का आश्वासन दिया है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट की फुल कोर्ट की बैठक में हर माह के दो शनिवार को कार्य दिवस घोषित करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद साल 2026 के कैलेंडर को संशोधित भी किया जा चुका है।

वहीं साल के पहले दिन पांच जनवरी को वकीलों ने इसका विरोध करते हुए अपने आप को न्यायिक कार्रवाई से दूर रखा था।

एक जनवरी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2028 में होने हैं और पार्टी को खुद को सत्ता का मजबूत दावेदार बनाने के लिए अभी से तैयारी करनी होगी।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जब तक वेणुगोपाल दिल्ली में ताकतवर बने रहेंगे, पार्टी कई राज्यों में अपने पैर नहीं जमा पाएगी। सचिन पायलट के लिए अपनी बात मनवाना मुश्किल होगा, क्योंकि राहुल गांधी पर वेणुगोपाल का प्रभाव अब भी बहुत मजबूत और व्यापक है।

एक अन्य एवं सम्बन्धित घटनाक्रम में, अशोक गहलोत 1 जनवरी से मुंबई में डेरा डाले हुए हैं, जब नया साल शुरू हुआ था।

गहलोत का काफी पैसा मुंबई में लगा हुआ है और जब वे वहां इतना समय बिताते हैं, तो इसका मतलब है कि वे कुछ बड़ा प्लान कर रहे हैं।

गहलोत अप्रैल में राजस्थान से राज्यसभा की सीट पर नजर लगाए हुए हैं और सवाल यह है कि क्या इसके लिए बड़े फंड जुटा रहे हैं, क्योंकि वे अब दिल्ली आने और उपयुक्त पद पाने के लिए बेताब हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने खुलासा किया कि वेणुगोपाल, जो अब भी अशोक गहलोत का समर्थन करते हैं, ने राहुल गांधी को यह बात अच्छी तरह समझा दी है कि गहलोत को दिल्ली लाना जरूरी है, ताकि राज्य की बागडोर पूरी तरह से दूसरे नेताओं के लिए छोड़ी जा सके।

और राहुल गांधी, जो किसी भी अहम मुद्दे की गहराई में नहीं जाते हैं, वेणुगोपाल की बातों पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं।

निचोड़ यह है कि राजस्थान कांग्रेस इस समय पूरी तरह अव्यवस्था की स्थिति में है।

आपस में टकराते हित पूरी सक्रियता के साथ काम कर रहे हैं और नेतृत्व को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। और सचिन पायलट का निकट भविष्य अब भी अधर में लटका हुआ है।

उत्तर प्रदेश की नई मतदाता सूची में 2.89 करोड़ नाम घटे

मसौदा सूची पर 6 फरवरी तक आपत्तियां दाखिल की जायेंगी, नई सूची 6 मार्च को प्रकाशित होगी

■ **उत्तर प्रदेश की पिछली मतदाता सूची में 15.44 करोड़ नाम थे। नई सूची में मतदाताओं के नाम घट कर 12.56 करोड़ रह गए हैं। मृत्यु, अनुपस्थिति, स्थाई रुप से राज्य के बाहर होने तथा एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत होने के कारण 18.70 प्रतिशत नाम सूची से बाहर हुए।**

लखनऊ, 6 जनवरी। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विस्तारित कार्यक्रम के अंतर्गत मंगवार को जारी नयी सूची के मसौदे में पिछली सूची के लगभग दो करोड़ 89 लाख (18.70 प्रतिशत) नाम हट गये हैं।

मसौदा सूची को लेकर छह फरवरी तक दावे और आपत्तियां दाखिल करायी जा सकेंगी। इसके साथ ही अब अधिकारी उन मतदाताओं को नोटिस भी जारी कर सकते हैं जिनके बारे में जांच और कुछ प्रमाण की आवश्कता है। राज्य की नयी सूची छह मार्च को प्रकाशित की जाएगी।

राज्य में चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर के लिए आधार बनायी गयी पिछली मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 15.44 करोड़ थी जो आज जारी नयी सूची के मसौदे में 12.56 करोड़ रह गई है। मृत्यु, अनुपस्थिति, राज्य से स्थायी रूप से बाहर जाने या एक से अधिक जगह पंजीकृत पाये जाने के कारण लगभग 18.70 प्रतिशत नाम सूची से बाहर हो गये हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को सूची का मसौदा किया।

बड़ी साजिश के साथ हुई सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी

नई दिल्ली, 06 जनवरी। सबरीमला मंदिर से सोना चोरी किए जाने के मामले में विशेष जांच दल (एसआइटी) ने केरल हाइकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में बताया है कि यह कोई साधारण चोरी नहीं, बल्कि पूरी योजना के साथ रची गई बड़ी साजिश थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी, पंकज भंडारी, और बेल्लारी के सोना व्यापारी गोवर्धन इस साजिश के अहम किरदार थे। एसआइटी का कहना है कि आरोपियों ने जांच एजेंसियों से बचने के लिए हर कदम पहले से तय किया था। जांच में सामने आया कि अक्टूबर 2025 में बेंगलुरु में एक गुप्त बैठक हुई थी, जिसमें चोरी की योजना के साथ-साथ पकड़े जाने की स्थिति में क्या करना है, इस पर भी चर्चा हुई थी। मंदिर के गर्भगृह से सोना बेहद चालाकी से निकाला गया।

सिद्धारमैया ने कर्नाटक के सबसे लम्बे समय मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया

■ **उन्होंने कार्यकाल पूरा करने पर भी भरोसा जताया।**

मैसूरु, 06 जनवरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य में सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड कायम कर पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया उन्होंने मंगलवार को अपना कार्यकाल पूरा करने का भरोसा जताया और लोगों को न्याय मिलने तक सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ने का वादा किया।

सिद्धारमैया ने मीडिया से कहा, "मुझे मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पूरा कार्यकाल पूरा करने का भरोसा है। इस पर हालांकि आखिरी फैसला पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का होगा।" उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने सात साल और 239 दिन तक पद संभाला था। उन्होंने कहा, "समाज में जब तक असमानता रहेगी, मेरा ध्यान लोगों की सेवा करने पर रहेगा। मुझे मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने का पूरा भरोसा है। इस मामले पर आखिरी फैसला हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का होगा।" सिद्धारमैया को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों से राजनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जो पार्टी के भीतर इस पद को बराबरी के फॉर्मूले के आधार पर अब अपने नेता को शीर्ष पद पर बिठाने के लिए जोर-शोर से वकालत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने यह भी साफ किया कि वह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए राजनीति में नहीं आए हैं। उन्होंने कहा, "यह उपलब्धि सिर्फ लोगों के आशीर्वाद से ही संभव हुई है।

'चुनाव आयोग को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का पूरा अधिकार है'

आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने सर्वोच्च न्यायालय में कई राज्यों की याचिका पर दलील दी

■ **वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि यह चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है कि कोई भी विदेशी नागरिक मतदाता के रुप में दर्ज नहीं हो।**

नई दिल्ली, 06 जनवरी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसके पास मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का पूरा अधिकार और क्षमता है। साथ ही, यह उसकी सांविधानिक जिम्मेदारी है कि कोई भी विदेशी नागरिक मतदाता के रूप में दर्ज न हो। आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष यह दलील रखी।

पीठ ने उन याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई फिर शुरू की, जिनमें बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं में आयोग की शक्तियों की सीमा, नागरिकता और मतदान के अधिकार से जुड़े सांविधानिक सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि संविधान के अनुसार राज्य के तीनों अंगों के सभी प्रमुख संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का भारतीय नागरिक होना जरूरी है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 124(3) का भी हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष संवैधानिक पदों पर नियुक्ति की एक मुख्य शर्त यह है कि व्यक्ति भारतीय नागरिक हो। द्विवेदी ने कहा, सभी अहम नियुक्तियां तभी हो सकती हैं जब व्यक्ति भारतीय नागरिक हो।

संवैधानिक व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब संविधान नागरिक शब्द का इस्तेमाल करता है, तो इसकी जांच सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में कोई भी विदेशी शामिल न हो, यह सुनिश्चित करना संवैधानिक कर्तव्य है।

वरिष्ठ वकील ने कहा कि चुनाव आयोग का काम राजनीतिक दलों की बयानबाजी का जवाब देना नहीं है। उन्होंने कहा, हम राजनीतिक दलों पर टिप्पणी नहीं कर रहे। हमारा कर्तव्य सिर्फ इतना है कि मतदाता सूची में कोई विदेशी न हो। यह देखना जरूरी है कि हमारे पास यह शक्ति और क्षमता है।

तीन सप्ताह से रुसी कच्चा तेल नहीं खरीदा- रिलायंस

ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट किया था कि रुसी तेल के तीन टैंकर सिक्का पोर्ट की ओर जा रहे हैं

■ **इस रिपोर्ट के बाद रिलायंस के शेयरों में एक दिन में चार प्रतिशत गिरावट दर्ज हुई थी।**

नई दिल्ली, 06 जनवरी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने लगभग तीन सप्ताह से किसी तरह का रूसी कच्चा तेल नहीं खरीदा है और जनवरी में भी किसी तरह की खरीददारी की उम्मीद नहीं है।

दरअसल, रिलायंस का यह स्पष्टीकरण ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट के जवाब में आया है, जिसमें उसने डेटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के हवाले से कहा था कि कम से कम तीन टैंकर (इसमें लगभग 22 लाख बैरल यूराल) सिक्का पोर्ट की ओर जा रहे हैं। इसी पोर्ट से जामनगर रिफाइनिंग कॉम्प्लैक्स अपने कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा आयात करता है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट में बताए गए तीनों कार्गो शायद बीपीसीएल की बीना रिफाइनरी के लिए थे। इस रिपोर्ट का असर रिलायंस के शेयरों पर भी दिखाई दिया है और पिछले आठ महीनों के दौरान उसके शेयरों में एक दिन की सबसे बड़ी यानी चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का वैल्यूएशन 94,389 करोड़ रुपये कम हो गया। 20 नवंबर, 2025 को रिलायंस ने कहा था कि उसने जामनगर स्थित अपनी निर्यात वाली रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल रोक दिया है, क्योंकि कंपनी यूरोपियन यूनियन के प्रतिबंधों का पालन करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इससे पहले, रिलायंस भारत में रूसी तेल की सबसे बड़ी खरीदार थी, जिसे वह जामनगर में अपने बड़े आयल रिफाइनिंग कॉम्प्लैक्स में प्रोसेस करके पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलती है। यह कॉम्प्लैक्स दो रिफाइनरियों से बना है। एक एसईजेड यूनिट जिससे यूरोपिय यूनियन, अमेरिका और दूसरे विदेशी बाजारों में ईंधन निर्यात किया जाता है। एक पुरानी यूनिट है जो मुख्य रूप से घरेलू बाजार में आपूर्ति करती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को चेतावनी दी थी कि अगर नई दिल्ली रूसी तेल की खरीद पर रोक लगाने में नाकाम रहती है तो अमेरिका भारत पर टैरिफ बढ़ ा सकता है।

'सतत उत्सर्जन प्रणाली नहीं लगाने वाले उद्योग बंद होंगे'

■ **वायु प्रदूषण से निपटने के लिये केन्द्र सरकार ने सख्त कदम उठाये।**

नई दिल्ली, 06 जनवरी। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त रुख अपनाते हुए केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अब तक आनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीइएमएस) न लगाने वाली दिल्ली एनसीआर की औद्योगिक इकाइयों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। कार्रवाई की शुरूआत बड़ी औद्योगिक इकाइयों से होगी।

केन्द्रीय मंत्री ने यह निर्देश दिल्ली-एनसीआर की औद्योगिक इकाइयों को 31 दिसंबर तक सतत उत्सर्जन प्रणाली लगाने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद दिए हैं। ऐसे करीब साढ़े तीन हजार औद्योगिक इकाइयों को पहले नोटिस दिया गया था। बताया जाता है कि लगभग एक हजार इकाइयों ने निर्देश का पालन कर लिया है लेकिन अभी भी ढ ाई हजार इकाईयां हैं। अब उन्हें नोटिस देकर कार्रवाई शुरू होगी।

केन्द्रीय मंत्री यादव ने पिछले दिनों में लगातार वायु प्रदूषण से निपटने की तैयारियों को लेकर अलग अलग राज्यों के साथ बैठक कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को राजस्थान और पंजाब के आला अधिकारियों के साथ चर्चा की।

सोनिया गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने आगे बताया, "उन पर इलाज का असर हो रहा है और उन्हें एंटीबायोटिक तथा अन्य सपोर्टिव दवाएं दी जा रही हैं।" डॉ. स्वरूप ने कहा कि अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला इलाज कर रहे डॉक्टर उनकी हालत में सुधार को देखकर लेंगे। एक-दो दिन में उनकी अस्पताल से छुट्टी हो सकती है।

सोनिया गांधी इस समय राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। वे 2024 की शुरुआत में निर्विरोध चुनी गई थीं और उन्होंने अप्रैल 2024 में उच्च सदन में अपने पहले कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। वे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा खाली की गई सीट पर चुनी गई थीं। वे कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष हैं और भारतीय राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं।

पिछले कई वर्षों से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में, खासकर सर्दियों के दौरान, वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर पर रहा है। लोग सांस से जुड़ी और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं की शिकायत करते रहे हैं। मंगलवार को सुबह के समय दिल्ली की वायु गुणवत्ता "खराब" श्रेणी में बनी रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के "समीर" ऐप के अनुसार, शहर में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक एयर क्वालिटी इन्डैक्स (एक्यूआई) 293 को दर्ज किया गया।

जेएनयू में मोदी व शाह के खिलाफ नारेबाजी

■ **उमर खालिद व शरजील इमाम को जमानत नहीं मिलने के बाद छात्रों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया।**

नयी दिल्ली, 06 जनवरी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्र नेताओं उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने के एक दिन बाद छात्रों के एक समूह ने विश्वविद्यालय परिसर में विरोध-प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया गया है, जिसमें जेएनयू परिसर के अंदर इमाम और खालिद को जमानत नहीं मिलने के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन दिखाया गया है। इसमें छात्र सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ नारे लगा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया पर कहा कि ये विवादित नारे जेएनयू में टुकड़े-टुकड़े गैंग द्वारा लगाए गए थे। उन्होंने कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के कुछ नेताओं पर खालिद और इमाम के पक्ष में बयान देकर सभी हदें पार करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी संस्कृति से जुड़े छात्र अब मोदी और शाह के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। पूनावाला ने दावा किया कि अदालत के फैसले का विरोध करते हुए उदित राज, वृंदा करात, हुसैन दलवई और पृथ्वीराज चव्हाण जैसे कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के कुछ नेताओं ने आरोपियों को निर्दोष बताया है।

चिनाब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मंजूरी पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि उसे इसकी जानकारी नहीं दी गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908